जबलपुर
सोमवार, 28 जुलाई 2025
श्रावण मास शुक्ल पक्ष-4
वर्ष : 20, अंक : 89
पृष्ठ : 14 मूल्य : 3.00 *

मौसम
अधि. 28
न्यून. 24

हरिभूमि
मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

यह सत्र 8 अगस्त तक चलेगा
विधायकों ने 3377 सवाल लगाए

विधानसभा का मानसून सत्र आज से, 10 बैठकें होंगी

- **विधानसभा अध्यक्ष ने लिया तैयारियों का जायजा**
- **कहा, विरोध प्रदर्शन पर प्रतिबंध नया नियम नहीं**

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

मध्यप्रदेश विधानसभा का मानसून सत्र सोमवार 28 जुलाई से शुरू हो रहा है। 8 अगस्त तक चलने वाले इस सत्र के हंगामेदार होने के आसार हैं। विपक्ष सरकार को बिजली संकट, महंगाई और तबादला नीति जैसे मामलों पर घेरने की तैयारी में है, जबकि सत्तापक्ष ने भी विपक्ष के मुद्दों और अपनी उपलब्धियों के जरिए जवाब देने की रणनीति बनाई है। विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने रविवार को विधानसभा परिसर का निरीक्षण करते हुए सत्र की व्यवस्थाओं और तैयारियों का जायजा लिया।

अनुपूरक बजट पेश करेगी सरकार

विधानसभा के इस सत्र में 10 बैठकें होंगी। सत्र को लेकर विधायकों ने 3377 सवाल लगाए हैं। इसमें से 1718 तारांकित प्रश्न और 1659 अतारांकित प्रश्न लगाए गए हैं। इसके अलावा 226 ध्यानाकर्षण, 1 स्थगन प्रस्ताव, 23 अशासकीय संकल्प लगाए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने सुभाष नगर मेट्रो स्टेशन से एम्स तक एवं वापसी में एम्स से आरकेएमपी स्टेशन तक टेस्ट रन लिया

भोपालवासियों को मेट्रो ट्रेन की सौगात जल्द, पीएम अक्टूबर में करेंगे उद्घाटन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भोपालवासियों को बहुत जल्द (अक्टूबर तक) मेट्रो ट्रेन की सौगात मिल जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को इसका ट्रायल रन लिया। उन्होंने कहा कि इंदौर में यात्री मेट्रो सेवा शुरू हो चुकी है। भोपाल मेट्रो ट्रेन का काम भी तेजी से जारी है। कुछ काम शेष रह गए हैं, जो डेढ़ से दो महीने में पूरे कर लिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि अक्टूबर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भोपाल मेट्रो का शुभारंभ करेंगे।

भोपाल मेट्रो ट्रेन परियोजना के लिए कुल 27 अत्याधुनिक मेट्रो ट्रेन सेट होंगे, इनमें से 7 ट्रेन सेट भोपाल पहुंच चुके हैं

मेट्रो रेल के प्रायोरिटी कॉरीडोर के बारे में जानकारी ली

मुख्यमंत्री सुभाष नगर मेट्रो स्टेशन के समीप स्थापित मेट्रो ट्रेन के सेंट्रल कंट्रोल रूम (कमांड सेंटर) भी पहुंचे। वहां से मेट्रो ट्रेन संचालन के बारे में तकनीकी जानकारी प्राप्त की। अपर मुख्य सचिव (नगरीय प्रशासन) संजय दुबे ने मुख्यमंत्री को मेट्रो ट्रेन के लिए अब तक के विकास घटनाक्रम की विस्तार से जानकारी दी। मेट्रो ट्रेन की सवारी के बाद मुख्यमंत्री ने आरकेएमपी स्टेशन पर मेट्रो ट्रेन प्रोजेक्ट के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस परियोजना को कुल 6941.40 करोड़ रुपए की लागत से विकसित किया जा रहा है।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

सावन सोमवार पर महाकौशल अंचल में स्थित प्रसिद्ध शिवधाम पर विशेष परिशिष्ट

पृष्ठ : 2 एवं 13 पर देखें

खबर संक्षेप

2000 रुपए से अधिक के लेनदेन पर जीएसटी नहीं

नई दिल्ली। केंद्र सरकार की ओर से कहा गया है कि 2,000 रुपए से अधिक के यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) आधारित लेनदेन पर जीएसटी लगाने की कोई योजना नहीं है। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने राज्यसभा में कहा कि जीएसटी परिषद ने 2,000 रुपए से अधिक के यूपीआई लेनदेन पर जीएसटी लगाने की सिफारिश नहीं की है।

कार पेड़ से टकराई तीन लोगों की मौत

देवास। रविवार सुबह कमलापुर थाना अंतर्गत इंदौर नागपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर सड़क हादसा हो गया। राजस्थान से धार्मिक यात्रा कर लौट रही एक कार बेडामऊ के पास अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतकों में महिला, बेटा और बहू शामिल हैं।

सुप्रीम कोर्ट में आज बीएस 6 कारों पर होगा फैसला!

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में बीएस- 6 मानक वाले वाहनों पर लगे प्रतिबंध को लागू न करने की याचिका पर सुनवाई के लिए सहमत हो गया है। पीठ उस याचिका पर सुनवाई करेगी जिसमें चुनौती दी गई है कि पुरानी कारों के लिए जो सख्त उत्सर्जन मानदंड हैं, वही बीएस-6 वाहनों के लिए भी क्यों होने चाहिए। इस पर सुनवाई सोमवार को होगी।

तमिलनाडु के अरियालुर में आयोजित कार्यक्रम में पीएम मोदी ऑपरेशन सिंदूर पर बोले

भारत के दुश्मनों और आतंकियों के लिए दुनिया में कोई जगह सेफ नहीं

एजेंसी ▶▶ अरियालुर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तमिलनाडु दौरे पर कहा कि आज का भारत अपनी सुरक्षा को सर्वोपरि मानता है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दुनिया ने देखा कि अगर कोई भारत की सुरक्षा और संप्रभुता पर हमला करता है, तो भारत उसे उसी की भाषा में जवाब देना जानता है।

इस ऑपरेशन ने साफ कर दिया है कि अब भारत के दुश्मनों और आतंकवादियों के लिए दुनिया में कोई जगह सुरक्षित नहीं है। जब मैं हेलीपैड से यहां आया तो तीन-चार किलोमीटर की दूरी अचानक एक रोड शो में बदल गई और हर कोई ऑपरेशन सिंदूर की प्रशंसा कर रहा था। ऑपरेशन सिंदूर ने पूरे देश में एक नई जागृति और एक नया आत्मविश्वास पैदा किया है। दुनिया को भारत की ताकत का अहसास होना चाहिए।

चोल साम्राज्य विकसित भारत के लिए प्राचीन रोडमैप जैसा

पीएम ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने पूरे देश में एक नई जागृति और एक नया आत्मविश्वास पैदा किया है। दुनिया को भारत की ताकत का अहसास होना चाहिए

- ***काशी से लाया गया गंगाजल चोल साम्राज्य की विरासत को करता है सम्मानित***
- ***चोल राजाओं के कार्य एक भारत, श्रेष्ठ भारत के महायज्ञ को नई ऊर्जा, नई शक्ति और नया उत्साह देते हैं***

चोल साम्राज्य हमें प्रेरित करता है कि हमें विकसित भारत बनाना है

पीएम मोदी ने कहा कि चोल काल में भारत ने जो आर्थिक और सैन्य ऊंचाइयां हासिल कीं, वे आज भी हमें प्रेरित करती हैं। उन्होंने प्राचीन भारत के राजाओं की दूरदर्शिता को रेखांकित करते हुए कहा कि राजराजा चोल ने एक शक्तिशाली नौसेना का निर्माण किया, जिसे राजेंद्र चोल ने और मजबूत किया। यह हमें बताता है कि अगर हमें विकसित भारत बनाना है, तो हमें अपनी नौसेना, रक्षा बलों को मजबूत करना होगा और नए अवसरों की तलाश करनी होगी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उन्हें खुशी है कि काशी से गंगाजल एक बार फिर यहां लाया गया है। उन्होंने कहा कि मैं काशी का जनप्रतिनिधि हूं और मेरा मां गंगा से विशेष जुड़ाव है। प्रधानमंत्री ने कहा कि चोल राजाओं के कार्य और उनसे जुड़ी ऐतिहासिक घटनाएं एक भारत, श्रेष्ठ भारत के महायज्ञ को नई ऊर्जा नई शक्ति और नया उत्साह देती हैं। उन्होंने चोल सम्राटों की विरासत को भारत की एकता और सांस्कृतिक गौरव का प्रतीक बताया।

बृहदेश्वर मंदिर में की पूजा

इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तमिलनाडु के प्रसिद्ध बृहदेश्वर मंदिर में दर्शन किए और पूजा-अर्चना की। उन्होंने कहा कि भगवान बृहदेश्वर के चरणों में पूजा करने का सौभाग्य मुझे मिला। मैंने 140 करोड़ देशवासियों की भलाई और भारत की निरंतर प्रगति के लिए प्रार्थना की है। मेरी कामना है कि सभी को भगवान शिव का आशीर्वाद मिले। यह मंदिर चोल वंश की स्थापत्य कला का अद्भुत उदाहरण है और पीएम मोदी की यह यात्रा भारत की सांस्कृतिक विरासत के सम्मान का प्रतीक मानी जा रही है।

करणी सेना पर लाठीचार्ज मामले में मुख्यमंत्री का बड़ा एक्शन

एएसपी, एसडीएम व एसडीओपी को तत्काल प्रभाव से हटाया गया

- ***दो टीआई किए गए लाइन अटैच***

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हरदा में करणी सेना परिवार के आंदोलन के दौरान राजपूत छात्रावास में पुलिस द्वारा किए गए लाठीचार्ज मामले में एक्शन लिया है। सीएम डॉ. मोहन यादव ने हरदा के एडिशनल एसपी, एसडीएम और एसडीओपी को हटा दिया है।

16 जुलाई को दिए थे जांच के आदेश

16 जुलाई को सीएम ने दुबई यात्रा के दौरान ही हरदा लाठीचार्ज प्रकरण की जांच के आदेश दिए थे। जांच में पुलिस अफसरों की गलती पाए जाने के बाद मुख्यमंत्री ने ये एक्शन लिया है। हरदा में राजपूत छात्रावास में हुए लाठीचार्ज मामले में कांग्रेस और भाजपा के विधायक मुख्यमंत्री को लगातार पत्र लिखकर जांच की मांग कर रहे थे।

भिंड बीईओ थप्पड़ कांड पर एक्शन

मंडल अध्यक्ष नीरज शर्मा पर 15 दिन बाद 'एफआईआर'

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिंड

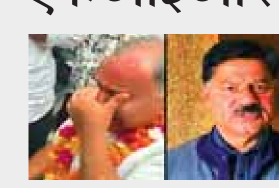

जिले के मेहगांव ब्लॉक शिक्षा अधिकारी थप्पड़कांड के मामले में आखिरकार पुलिस ने एक्शन ले लिया है। घटना के 15 दिन बाग पुलिस ने भाजपा मंडल अध्यक्ष नीरज शर्मा पर एफआईआर दर्ज की है। नीरज पर शासकीय कार्य में बाधा सहित जान से मारने की धमकी और मारपीट की धाराओं में केस दर्ज किया गया है।

- **गुरुपूर्णिमा के दिन मारा था चांटा**

धामी ने जाना घायलों का हाल

करंट फैलने की अफवाह से मनसा देवी में भगदड़, 8 की मौत

एजेंसी ▶▶ हरिद्वार

हरिद्वार के मनसा देवी मंदिर मार्ग पर रविवार सुबह भगदड़ मचने से बड़ा हादसा हो गया। हादसे में आठ लोगों की मौत हो गई। वहीं, हादसे में 22 घायल हैं और पांच लोग गंभीर घायल हैं, 23 लोग सामान्य हैं। सीएम पुष्कर सिंह धामी भी हरिद्वार पहुंचे और अस्पताल में घायलों का हाल जाना। सीएम ने मजिस्ट्रियल जांच के निर्देश दिए हैं। मनसा देवी ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने कहा कि इस दुखद घटना में मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख और घायलों को 50-50 हजार मनसा देवी ट्रस्ट द्वारा प्रदान किए जाएंगे।

ट्रस्ट ने कहा एक श्रद्धालु के फिसलने से भगदड़

संसद में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा आज

दोनों सदनों में 16-16 घंटे होगी बहस, राजनाथ करेंगे शुरुआत

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

संसद के मानसून सत्र में सोमवार को लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर 16 घंटे लंबी चर्चा की शुरुआत होगी। इस चर्चा की अगुवाई रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह दोपहर 12 बजे करेंगे। इसके बाद मंगलवार से राज्यसभा में भी ऑपरेशन सिंदूर के मुद्दे पर 16 घंटे की बहस होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भी चर्चा में शामिल होने की संभावना है। इससे पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस चर्चा के लिए चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान, डिफेंस सेक्रेटरी राजेश कुमार सिंह और तीनों सेना प्रमुखों के साथ कई बैठकें की हैं।

पीएम भी चर्चा में हो सकते हैं शामिल

केंद्रीय मंत्री गड़करी का बयान

सरकार निकम्मी होती है, चलती गाड़ी को पंक्चर करने में माहिर

एजेंसी ▶▶ नागपुर

अपनी बेबाकी के लिए मशहूर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने नागपुर में एक कार्यक्रम में फ्रीबीज यानी 'मुफ्त की योजनाओं' पर भी चोट की। उन्होंने कहा कि सबको फोकट का कुछ चाहिए, मैं नहीं देता फोकट में कुछ। मेरे 4 साल के अनुभव के बाद मुझे ये समझ आया कि सरकार, बहुत निकम्मी होती है। कॉर्पोरेशन के भरोसे कोई काम नहीं होता। चलती गाड़ी को पंक्चर करने का एक्सपर्टीज इनके पास होता है। नागपुर में स्टेडियम बनवाने की चाहत को लेकर उन्होंने जो रवैया देखा, उन्हीं अनुभवों के आधार पर वे ये सब बोल रहे थे।

'मुफ्त की योजनाओं' पर भी चोट की

बैराड़ कस्बे में हुआ पूरा घटनाक्रम

सरे बाजार जूते को सिर पर रखकर मंगवाई गई माफी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ शिवपुरी

शिवपुरी जिले में एक युवक के साथ तालिबानीहरकत का मामला सामने आया है। इस मामले में युवक के सिर पर जूता रखवा कर उससे माफी मंगवाई गई है। सिर पर जूता रखवाते हुए माफी मंगवाने का यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। जब यह घटनाक्रम हो रहा था उस समय भाजपा के कुछ नेतागण भी वहां मौजूद रहे।

- **भाजपा नेताओं की पंचायत में हुआ था फैसला**

आधा दर्जन जिलों में तेज बारिश, दो दिन बाद आएगी कमी

बैतूल में छात्र झरने में गिरा, पार्वती नदी में बाढ़ श्योपुर-बांरा हाईवे बंद, शिवपुरी में कार बही

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

प्रदेश में बारिश का सबसे स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव होने से शनिवार को आधा दर्जन जिलों में तेज बारिश हुई। भोपाल में सुबह से रुक-रुककर बारिश हो रही थी।रविवार को पहली बार 53 जिलों में अति भारी और भारी बारिश का रेड, ऑरेंज-यलो अलर्ट है। मालवा-निमाड़ यानी इंदौर-उज्जैन संभाग के सभी 15 जिलों में पहली बार एक साथ रेड और ऑरेंज अलर्ट है। बैतूल में दोस्तों को साथ पिकनिक मनाने गया 10वीं का छात्र सेल्फी लेते समय झरने में गिर गया।

आज 53 जिलों में अति भारी और भारी बारिश का रेड ऑरेंज-यलो अलर्ट

श्योपुर में मार्ग बंद

कहां कितनी बारिश?

पिछले 24 घंटे के दौरान शिवपुरी में सबसे ज्यादा 4.8 इंच और रतलाम में 4.1 इंच पानी गिर गया। उमरिया में 2.1 इंच, सतना में 2 इंच, खजुराहो में 1.9 इंच, बैतूल में 1.8 इंच, टीकमगढ़-खंडवा में 1.7 इंच, नरसिंहपुर-गुना में 1.6 इंच, ग्वालियर, नौगांव-नर्मदापुरम में डेढ़ इंच, उज्जैन में 1.4 इंच, खरगोन-श्योपुर में 1.1 इंच बारिश हुई। मंडला, सतना, बालाघाट, रायसेन, सिवनी, रीवा, जबलपुर, दमोह, भोपाल, इंदौर, छिंदवाड़ा, सीधी, शाजापुर, विदिशा, राजगढ़, आगर-मालवा, देवास समेत कई जिलों में बारिश का दौर चलता रहा।

पीएम मोदी ने 'मन की बात' में भोपाल की महिलाओं के स्वच्छता समूह 'सकारात्मक सोच' की तारीफ की

पहले यह महिलाएं पॉजिटिविटी किटी चलाती थीं, पीएम की अपील के बाद घर-घर लेकर जाती हैं रजिस्टर और गंदगी न फैलाने की दिलाती हैं 'शपथ'

मधुरिमा राजपाल ▶▶ भोपाल

अलग खबर

'मन की बात' कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भोपाल की 'सकारात्मक सोच' टीम की सराहना की। पीएम मोदी ने बताया कि यह टीम 200 महिलाओं की है जो 17 पार्कों की सफाई करने के साथ-साथ लोगों में जागरूकता भी फैला रही हैं। शहर के 17 पार्कों की एक साथ सफाई करना और कपड़े के थैले बांटना, उनका हर कदम एक संदेश है।

25 वार्डों में फैला है साढ़े तीन हजार लोगों के लिए बर्तन बैंक

पुरानी किताबों की लाइब्रेरी भी शुरू की, जिससे बच्चे निशुल्क किताबें ले जाते हैं

जरूरतमंद ले जाते हैं बर्तन, इस्तेमाल के बाद आ जाते हैं वापस

किरण शर्मा कहती हैं कि इसके अलावा हमारा बर्तन बैंक का भी काम है जिसमें वर्तमान में साढ़े तीन हजार लोगों के खाने तक के बर्तन हमारे पास मौजूद हैं और यह बैंक हमने 25 वार्डों में फैलाया हुआ है।

पीएम ने स्वच्छता के अनूठे तरीकों के उदाहरण दिए

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 124वें एपिसोड में एक बार फिर 'स्वच्छता' पर जोर दिया। पीएम मोदी ने कहा कि देशभर के शहर और कस्बे अपने-अपने पर्यावरण और जरूरतों के अनुसार स्वच्छता के अनूठे तरीकों को अपना रहे हैं। इस साल देश के 4500 से ज्यादा शहर और कस्बे, इसमें शामिल हुए।

सावन में उमड़ रही भगवान गैवीनाथ धाम मंदिर में भीड़

जहां होती है खंडित शिवलिंग की पूजा

मनोज रजक

सतना। जिले के बिरसिंहपुर में स्थित प्रसिद्ध गैवी नाथ धाम मंदिर पूरे देश में जाना जाता है। यहां पर खंडित शिवलिंग की पूजा की जाती है। सावन के महीने में भोलेनाथ की पूजा अर्चना करने मध्य प्रदेश ही नहीं बल्कि दूसरे राज्यों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। जिला मुख्यालय से बमुश्किल 35 किलोमीटर दूर बिरसिंहपुर में भगवान भोलेनाथ का प्राचीन मंदिर है, जहां स्वयंभू खंडित शिवलिंग (भगवान शिव) की पूजा होती है। इसे गैवीनाथ धाम के नाम से जाना जाता है। इस मंदिर का वर्णन पद्म पुराण के पाताल खंड में भी मिलता है।

वैसे तो यहां पर श्रद्धालुओं का आना-जाना लगा रहता है लेकिन खास तौर पर सावन के महीने में यहां पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु दूर दराज से पहुंचते हैं। गैवीनाथ धाम को उज्जैन महाकाल का उपलिंग कहा जाता है। मान्यता है कि, पद्म पुराण के अनुसार त्रेता युग में राजा वीर सिंह बिरसिंहपुर नगरी पर राज करते थे। उस समय बिरसिंहपुर का नाम देवपुर था। राजा वीर सिंह प्रतिदिन भगवान महाकाल को जल चढ़ाने के लिए घोड़े पर सवार होकर उज्जैन जाते थे और भगवान महाकाल के दर्शन करने के बाद उन्हें जल चढ़ाते थे। कहा जाता है कि यह क्रम वर्षों तक चलता रहा। जैसे-जैसे राजा वृद्ध होते गए, उन्हें उज्जैन जाने में परेशानी होने लगी। एक बार उन्होंने भगवान महाकाल से इच्छा व्यक्त की कि भगवान उन्हें उनकी नगरी में दर्शन दें ताकि वे आपकी पूजा कर सकें।मान्यता है कि राजा वीर सिंह के सपने में भगवान महाकाल ने दर्शन दिए और देवपुर में प्रकट होने को कहा। इसके बाद नगर में गैवी यादव नाम के व्यक्ति के घर में एक घटना सामने आई। रात में घर के चूल्हे से एक शिवलिंग निकला। गैवी यादव की मां ने मूसल मारकर उसे अंदर धकेल दिया। शिवलिंग फिर बाहर आ गया और फिर अंदर रख दिया गया। यह क्रम कई दिनों तक चलता रहा। एक दिन महाकाल फिर राजा के सपने में आए और कहा, मैं तुम्हारी पूजा और भक्ति से प्रसन्न हूं और तुम्हारी नगरी में प्रकट होना चाहता हूं। लेकिन गैवी यादव मुझे जाने नहीं देता।राजा ने गैवी यादव को बुलाकर स्वप्न के बारे में बताया, जिसके बाद गैवी के घर की जगह खाली हो गई। राजा ने उस स्थान पर एक भव्य मंदिर बनवाया।

भगवान महाकाल के कहने पर शिवलिंग का नाम गैवीनाथ धाम रखा गया। तभी से भगवान भोलेनाथ को गैवीनाथ के नाम से जाना जाने लगा। यहां पहुंचने वाले कई ऐसे भी श्रद्धालु हैं जो प्रत्येक सप्ताह और महीने में एक बार भगवान की पूजा अर्चना करने अवश्य आते हैं।

एक रात में बना चमत्कारी शिवधाम: मऊगंज के देवतालाब शिव मंदिर की अद्भुत कहानी

रीवा से 50 किमी दूर स्थित हैं श्रृंगेश्वर नाथ जिनके दर्शन के बिना अधूरी मानी जाती है चारधाम यात्रा

दीपेश द्विवेदी

मऊगंज। जिले के देवतालाब में स्थित भगवान शिव का अलौकिक मंदिर न सिर्फ श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है, बल्कि अपनी रहस्यमयी उत्पत्ति और ऐतिहासिक महत्व के लिए भी प्रसिद्ध है। मान्यता है कि इस दिव्य शिवधाम का निर्माण स्वयं भगवान विश्वकर्मा ने एक ही रात में किया था, जब त्रेता युग में श्रृंगी ऋषि और महर्षि मार्कण्डेय ने यहां घोर तप किया था।पौराणिक कथा के अनुसार, श्रृंगी ऋषि ने घने जंगलों में भगवान शिव की तपस्या की थी। उनकी भक्ति से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने उन्हें दर्शन दिए और मंदिर निर्माण का आदेश दिया। इसके बाद भगवानों के शिल्पकार विश्वकर्मा जी ने एक ही रात में एक विशाल चट्टान को तराश कर भव्य मंदिर का निर्माण कर दिया। शिव मंदिर पत्थर के पत्थर रखकर बना हैमंदिर में श्रृंगेश्वर नाथ शिवलिंग स्थापित है, जिसे सोमनाथ का रूप भी माना जाता है। मान्यता है कि इसका रंग दिन में बदलता है। विशेष बात यह है कि मंदिर के नीचे एक और गुप्त मंदिर मौजूद है, जहां चमत्कारी मणि और नाग देवता की उपस्थिति की कहानियां प्रचलित हैं। कई वर्षों पूर्व तहखाने से खतरनाक जीव-जंतु निकलने के कारण इसका द्वार बंद कर दिया गया।इतिहास में उल्लेख है कि रीवा रियासत के महाराजाओं ने मंदिर का जीर्णोद्धार करवाया, गर्भगृह में चार अन्य शिवलिंगों की स्थापना की और मंदिर परिसर का विस्तार किया। चारों दिशाओं में चार मंदिरों का निर्माण भी कराया गया। देवतालाब को लेकर यह भी मान्यता है कि चारधाम की यात्रा तब तक पूरी नहीं मानी जाती, जब तक श्रद्धालु यहां आकर भगवान शिव को रोट (पुडी) का प्रसाद न चढ़ा दें। इसी वजह से देश-विदेश से श्रद्धालु श्रावण, अगहन और फाल्गुन मास में यहां पहुंचते हैं।मध्य प्रदेश के पूर्व विधानसभा अध्यक्ष व देवतालाब विधायक गिरीश गौतम ने भी देवतालाब के विकास में नित विकास की ओर अग्रेषित है उनके सहयोग से देव तालाब के लिए दो करोड़ से अधिक लागत से तीन शिवद्वार का निर्माण कराया गया है। साथ में परिक्रमा पथ का निर्माण भी कराया गया है।रीवा और प्रयागराज से देवतालाब आसानी से पहुंचा जा सकता है। यह मंदिर न सिर्फ धार्मिक श्रद्धा का प्रतीक है, बल्कि मध्यप्रदेश की पौराणिक विरासत का जीवंत उदाहरण भी है।

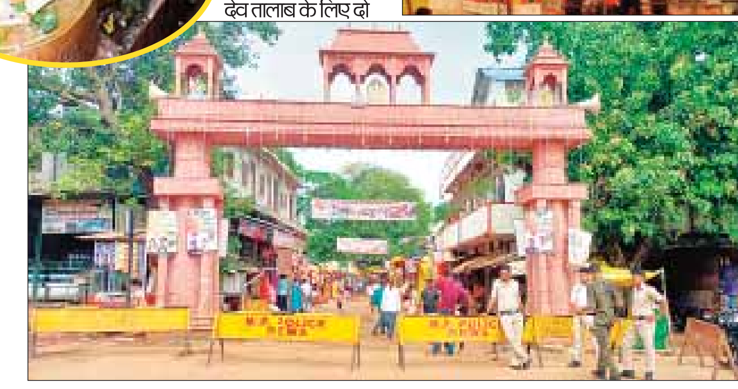

श्रावण मास में मां नर्मदा स्वयं करती है जलाभिषेक

उमाशंकर पाण्डेय

अमरकंटक। प्राकृतिक छटा, ऋषियों की तपोभूमि और नर्मदा नदी के उद्गम स्थल के रूप में विख्यात अमरकंटक में स्थित पातालेश्वर महादेव मंदिर का पौराणिक इतिहास अत्यंत समृद्ध और श्रद्धा से परिपूर्ण है। यह मंदिर न केवल वास्तुकला की दृष्टि से अद्वितीय है, बल्कि आध्यात्मिक ऊर्जा का केन्द्र भी है।

पातालेश्वर महादेव मंदिर की विशेषताएं

इस प्राचीन शिवलिंग की स्थापना जगतगुरु आद्य शंकराचार्य द्वारा की गई थी।मंदिर का नाम "पातालेश्वर" इसलिए पड़ा क्योंकि शिवलिंग भूमि से लगभग दस फीट नीचे स्थित है, जो भक्तों के बीच अत्यंत श्रद्धा का विषय है।एक अद्भुत तथ्य यह भी है कि श्रावण मास के किसी एक सोमवार को नर्मदा जल स्वयं होकर इस गहराई तक पहुंचता है, जिसे चमत्कार और आशीर्वाद स्वरूप माना जाता है।

पौराणिक महत्व

अमरकंटक वह भूमि है जहाँ मेघालय की मेकल श्रृंखला के समीप अनेक महान ऋषियों कपिल, भृगु, व्यास आदि ने तपस्या की थी।जगद्गुरु शंकराचार्य ने यहीं पर नर्मदाष्टक की रचना की और अनेक शिव मंदिरों की स्थापना की, जिससे यह स्थान धर्म और दर्शन का संगम बन गया।

अमरकंटक के अन्य आध्यात्मिक आकर्षण

नर्मदा उद्गम स्थलः भारत की पुण्य सलिला नर्मदा नदी का उद्गम यहीं से होता है।कपिलधारा जलप्रपातः यहाँ से नर्मदा 100 फीट ऊँचाई से गिरती है, और यह स्थान ऋषि कपिल की तपस्थली है।दुग्धधारा जलप्रपातः इस जलप्रपात में गिरता जल दूध के समान उज्ज्वल प्रतीत होता है, जो दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर देता है।

शोण शक्तिपीठ

यहाँ माता सती का दक्षिण नितम्ब गिरा था, जिसके कारण यह एक शक्तिपीठ है। श्रावण मास में विशेष महत्वःश्रावण मास में पातालेश्वर महादेव की पूजा, रुद्राभिषेक एवं विशेष जल अर्पण का अत्यधिक महत्व है। इस मास में यहां आने वाले श्रद्धालु विशेष फल प्राप्त करते हैं और उनकी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

निष्कर्ष

अमरकंटक स्थित पातालेश्वर महादेव मंदिर एक ऐसा दिव्य स्थल है, जो पौराणिक, प्राकृतिक और आध्यात्मिक तीनों ही रूपों में अद्वितीय है। श्रावण मास के इस पवित्र अवसर पर अधिक से अधिक श्रद्धालु इस मंदिर में आकर भगवान शिव के दर्शन करें और उनकी कृपा से जीवन में शांति, स्वास्थ्य और समृद्धि प्राप्त करें

बुंदेलखंड में जटाशंकर को केदारनाथ धाम कहा जाता है, यहां भी भगवान शिव का वास है

बुंदेलखंड का प्रसिद्ध तीर्थ जटाशंकर धाम पूरे अंचल में अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए विख्यात है

राजकुमार पटेरिया

छतरपुर। बुंदेलखंड में जटाशंकर धाम को केदारनाथ धाम कहा जाता है, यह छतरपुर जिले में स्थित है। यहां भगवान शिव का एक प्राचीन मंदिर है। जटाशंकर धाम को बुंदेलखंड का केदारनाथ इसलिए कहा जाता है, क्योंकि यहां भी भगवान शिव का वास है और यहां आने वाले भक्तों की मनोकामनाएं पूरी होती हैं। जिला मुख्यालय से लगभग 50 किलोमीटर एवं जिले कि बिजावर तहसील से 15 किलोमीटर दूरी पर पहाडिय़ों के मध्य में स्थित जटाशंकर धाम। क्षेत्र के पुराने वृद्ध लोगों का मानना है कि लगभग 200 फीट ऊंचाई एवं ऊपर से 200 फीट गहराई यानी कि बीचो-बीच गुफा में प्राकृतिक शिवलिंग उभरा हुआ है, जहां पर पहाड़ों के बीच से अविरल झरनों का पानी बहता है जिसे गौमुख नाम दिया गया है। यही शिवलिंग के नजदीक 5-10 फीट की दूरी पर 3 प्राकृतिक पानी के कुंड है। जिसके झरनों से पानी आता है जिसमें एक का पानी सादा, एक का ठंडा और एक का हल्का गर्म रहता है। जिनके पानी का तापमान मौसम के अनुसार बदलता रहता है, गर्मियों में ठंडा और सर्दियों में गर्म। इन कुंडों की मान्यता है की जो इनमें स्नान करता है उसके सभी चर्म रोग दूर हो जाते हैं, क्योंकि इनमें आने वाला पानी पहाड़ों पर लगी अनेक वनस्पतियों और उनकी जड़ों से होकर गुजरता है।

अमावस, पूर्णिमा को श्रद्धालुओं की जुटती की भारी भीड़

जटाशंकर धाम की कुछ अनोखी ही महिमा है वैसे तो वर्ष भर लोग यहां आते जाते रहते हैं पर अमावस और पूर्णिमा पर खासी हजारों लाखों में भीड़ श्रद्धालुओं की होती है। शिवरात्रि पर भी यहां शिव बारात निकाली जाती है, श्रावण मास में तो पूरे महीने श्रद्धालुओं का अपार सैलाब रहता है, धार्मिक लोगों का कहना है कि यहां पर जो स्नान कर भगवान भोलेनाथ को जल चढ़ाते हैं उनका अभिषेक करते हैं भगवान उनकी सारी मनोकामना पूरी कर देते हैं, यहां पर एक और अनोखी बात है कि जटाशंकर के नजदीकी आसपास के लोग यहां पर भोग प्रसाद की दुकान लगाए हुए हैं, कहां जाता है कि भगवान भोलेनाथ को प्रसाद में खोवा से बना हुआ कलाकंद बहुत पसंद है। इसलिए लगभग सभी दुकानों पर शुद्ध कलाकंद मिलता है और विक्रय किया जाता है इससे दुकानदारों की अच्छी आमदनी भी होती है।

जटाशंकर के पास है मौना सैया रमणीक स्थल

जटाशंकर के आसपास भी अनेकों प्राकृतिक रमणीक स्थल है जिसमें मोना सैया है, ऊपर किशनगढ़ घाटी जुड़ी हुई है। मंदिर के ऊपर भी भारी मैदान है और अन्य छोटे-छोटे मंदिर बने हुए है। यहां जटाशंकर धाम में पर्यटन विभाग द्वारा भी तरह-तरह की कमरा, धर्मशालाएं पर्यटक सुविधा केंद्र भी बनाए गए हैं। यहां का ट्रस्ट अच्छे तरीके से काम करता है ट्रस्ट का निर्वाचन भी होता है, एवं निर्वाचन नहीं होने की स्थिति में क्षेत्रीय एसडीएम, तहसीलदार को वहां का प्रशासक बनाया जाता है, जो सारी सुविधाओं का ख्याल रखते हैं। सुरक्षा की दृष्टि से यहां पर एक अस्थाई पुलिस चौकी भी बनाई गई है। छतरपुर जिले का जटाशंकर धाम जहां पूरी धार्मिक आस्था का प्रतीक है, वही एक अच्छा प्राकृतिक रमणीक सुंदर धार्मिक पर्यटन स्थल है। यहां के पहाड़ों पर महुआ, आम, अचार सागौन, बेलपत्र के बड़े-बड़े वृक्ष छाए हुए हैं। जटाशंकर धाम पहुंचने के लिए छतरपुर जिला मुख्यालय से लगातार बस, टैक्सी सुविधा उपलब्ध है।

सावन मास के सोमवार को उमड़ती श्रद्धालुओं की भीड़

श्रावण मास के सोमवार का जटाशंकर धाम जाने के लिए बहुत महत्व है। और सावन मास के हर सोमवार को भी श्रद्धालुओं की खासी भीड़ जटाशंकर में देखी जा रही है। जहां आम जनता भगवान भोलेनाथ के दर्शन को पहुंचती है, वहीं छतरपुर जिले के सामाजिक लोग, राजनेतिक, अधिकारी भी भगवान भोलेनाथ के दर्शन कर जल चढानें में पीछे नही रहतें है। कावड़ यात्रा, जलाभिषेक यात्रा दंड यात्रा तरह-तरह की यात्राएं निकली जाती हैं। और श्रद्धालु यह यात्राएं लेकर भगवान भोलेनाथ के दर पर माथा टेकने जाते हैं। आए दिन वहां पर भोजन भंडारे भी चलते रहते हैं। शासन में जटाशंकर धाम के विकास के लिए तमाम योजनाएं तैयार की है। और भविष्य में जल्द ही रोप-वे बनकर तैयार हो जाएगा जिससे श्रद्धालुओ को और भी आसानी होगी। जटाशंकर धाम में बंदरों की संख्या भी अधिक देखने को मिल रही है, इन्हें हनुमान जी की सेना माना जाता है।

रुपनाथ धाम स्लीमनाबाद

भगवान शिव ने प्यास बुझाने तीन कुंड किये थे निर्मित

रुपनाथ धाम में मौजूद है सुरंगी रास्ता जो पहुंचता है बांदकपुर धाम

सुग्रीव यादव

स्लीमनाबाद। देवाधिदेव महादेव भगवान शिव की उपासना का सावन माह चल रहा है।शिवालयों व शिवमंदिरों में भगवान शिव की पूजा अर्चना करने भक्तों का सैलाब उमड़ रहा है। वही जिले के बहोरीबंद में स्थित रुपनाथधाम अपने अद्भुत रहस्यों को संजोय रखा है।जो अपनी कविंदतियो को लेकर जाना जाता है। रुपनाथ धाम में भी सावन मास में भक्तों का तांता लग रहा है, जहां प्रतिदिन पूजन अर्चना करने बड़ी संख्या मे लोग पहुँच रहे है। जिला मुख्यालय से रुपनाथ धाम 50 किलोमीटर की दूरी पर है। रुपनाथ धाम पहुँचने के लिए सिहोरा स्लीमनाबाद, बाकल व मझौली के रास्ते होकर पहुँचा जाता है। सिहोरा से 35 किलोमीटर की दूरी, स्लीमनाबाद से 30 किलोमीटर की दूरी, बाकल से 20 किलोमीटर की दूरी रुपनाथ धाम की है।

रुपनाथ धाम में छुपे हैं अद्भुत रहस्य

रुपनाथ धाम की यह किवंदती है कि यहां पर भोले बाबा की गुफा देखने के लिए मिलती है।जिसमें शिवलिंग विराजमान है। रूपनाथ मंदिर में पार्वती माता का मंदिर भी बना हुआ है। यहां पर पहाड़ी के किनारे मंदिर बने है। यहां पर पहाड़ी के किनारे तीन कुंड देखने के लिए मिलते हैं। इन कुंड को राम कुंड, लक्ष्मण कुंड और सीता कुंड के नाम से जाना जाता है। रुपनाथ धाम में प्राचीन अभिलेख भी देखने के लिए मिलता है। यह अभिलेख सम्राट अशोक का है। बौद्ध धर्म के प्रचार प्रसार करने के लिए, सम्राट अशोक यहां पर आए थे। वर्तमान मे पूरा परिसर पुरातत्व विभाग के अधीन है।

रुपनाथ धाम में है सुरंगी रास्ता जो पहुंचता है बांदकपुर धाम

रूपनाथ धाम में एक सुरंगी रास्ता है मौजूद है जो यह रास्ता बांदकपुर के जागेश्वरधाम तक पहुंचता है।भगवान शिव इसी गुफा के रास्ते बांदकपुर के जागेश्वर नाथ गए थे। हालांकि यह रास्ता कई वर्षों से बंद है। लोगों को सुरंगी गुफा के भीतर जाना प्रतिबंधित है। एक ओर जहां रूपनाथ अर्थात भगवान भोलेनाथ का मंदिर है तो वहीं दूसरी ओर यहां श्रीराम, सीता व लक्ष्मण नाम के तीन कुंड भी हैं, जिनमें जल स्तर बारह महीनों बना रहता है। वहीं रूपनाथ धाम प्राकृतिक सौंदर्य से भी भरपूर है। रूपनाथ धाम को लेकर एक धार्मिक किवदंती भी यह है कि यहां भगवान शिव की बारात रूकी थी। बारातियों की प्यास बुझाने के लिए भगवान शिव की कृपा से यहां तीन कुंड निर्मित हुए थे जिन्हें आज श्रीराम कुंड, सीता कुंड व लक्ष्मण कुंड के नाम से जाना जाता है। यह तीनों कुंड एक इमारत के पहले, दूसरे व तीसरे तल की तरह हैं। इस स्थान पर प्राकृतिक सौंदर्य की छटा भी चारों ओर बिखरी हुई है। जहां एक ओर यहां धार्मिक आस्था से जुड़े लोग पहुंचते हैं तो वहीं दूसरी ओर सैलानियों का भी यहां आना जाना बना ही रहता है। वहीं यहां पर अशोक सम्राट के रहने के निशान और विशेष लिपि में लिखे गए शिलालेख पुरात्व की कहानी बखान रहे हैं।

श्री व्यास नारायण मंदिर

महर्षि वेदव्यास की साधना स्थली रहा है यह मंदिर, नर्मदा मैया ने जहां से बदली अपनी दिशा

जहां भगवान शिव ने प्रसन्न होकर वेदव्यास को दिया था वरदान और नर्मदा जी को धारा बदलने का आदेश

आनंद सोनी

मण्डला। श्री व्यास नारायण मंदिर जिसका पुराणों में उल्लेख मिलता है यह मंदिर महर्षि वेदव्यास का आश्रम हुआ करता था जहां महर्षि वेदव्यास साधना किया करते थे पहले यह आश्रम मां नर्मदा के दक्षिणी तट पर हुआ करता था एक समय की बात है कि भ्रमण करते हुए सप्त ऋषिगण यहां पहुंचे तो वेदव्यास जी ने उनका स्वागत किया और आवभगत की और उन्हें भोजन के लिए आमंत्रित किया महर्षि वेदव्यास के इस निवेदन को सप्तर्षियों ने स्वीकार नहीं किया उनके अनुरोध को नकार दिया जब महर्षि वेदव्यास ने इसका कारण पूछा तो ऋषियों ने कहा कि आपका आश्रम नर्मदा के दक्षिणी तट पर है और दक्षिण तट पितृ तट कहलाता है इसलिए इस आश्रम में भोजन करना उचित नहीं है वेदव्यास जी इसे बहुत दुखी हुए और उन्होंने अपने आराध्य भगवान शिव की तपस्या प्रारंभ कर दी उनका ध्यान लगाना प्रारंभ किया

तब उनके तप से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने उन्हें वरदान मांगने को कहा तब वेदव्यास जी ने अपनी पीड़ा उन्हें बतलाई कहा कि उनका आश्रम दक्षिण तट पर होने से ऋषिगण आथीत्य स्वीकार नहीं करते इस पर भगवान शिव ने मां नर्मदा को आदेशित किया कि आप जाकर महर्षि की सहायता कीजिए तो मां नर्मदा ने वेदव्यास जी से कहा कि बताइए क्या करना है तब महर्षि जी ने कहा कि मैया ऐसा हो जाए कि मेरा आश्रम दक्षिण तट से उत्तर तट पर आ जाए इस पर मां नर्मदा ने कहा कि इसके लिए तो मुझे ही अपनी दिशा बदलना पड़ेगी अब आप एक काम कीजिए मुझे जहां से प्रवाहित होना है आप बताते जाइए तब महर्षि वेदव्यास ने एक दंड लेकर उससे जमीन पर रेखा खींचना प्रारंभ कर दिया और नर्मदा मैया इस रेखा का अनुसरण करते हुए अपनी पहली की दिशा से परिवर्तित होकर वेदव्यास जी के द्वारा बताई गई दिशा में प्रवाहित होने लगी इस तरह जब नर्मदा जी वेदव्यास जी के आश्रम से दक्षिण तक में प्रवाहित हुई तो स्व मेव वेदव्यास जी का आश्रम उत्तर तट पर आ गया और इस तरह से भगवान भोलेनाथ के आदेश पर मां नर्मदा ने एक महर्षि की इच्छा को पूर्ण करने के लिए अपनी दिशा परिवर्तित कर ली तभी से यह स्थान पौराणिक और आध्यात्मिक दृष्टिकोण से बहुत ही महत्वपूर्ण माना जाने लगा व्यास नारायण मंदिर के समीप ही राजराजेश्वरी देवी जी का प्राचीन मंदिर है यह लगभग 17 वीं शताब्दी का बताया जाता है मां राजराजेश्वरी गोड़ राजाओं की आराध्य देवी थी और गोड़ राजाओं ने ही यहां शानदार मंदिर बनवाया था।उत्तर वाहिनी नर्मदा परिक्रमा प्रारंभ करने के पूर्व व्यास नारायण मंदिर में ही संकल्प पूजा की जाती है और फिर यहां से परिक्रमा प्रारंभ होती है प्रत्येक सोमवार के अलावा श्रावण मास में संक्रांति में शिवरात्रि में यहां विशेष पूजा आराधना की जाती है। यह ऐसा शिवालय है जहां भगवान शिव का हमेशा वास बना रहता है और श्रद्धालुओं को थोड़ी सी साधना से ही भरपूर आशीर्वाद और पुण्य लाभ प्राप्त होता है।

युद्ध केवल हथियारों से नहीं जीते जाते, लॉजिस्टिक्स जैसे अदृश्य योद्धा की होती है जरूरत

रक्षा मंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के पीछे के कारण भी बताए

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता के पीछे की असली वजह का खुलासा किया है। राजनाथ सिंह ने कहा है 'ऑपरेशन सिंदूर' केवल हथियारों की वजह से नहीं, बल्कि रसद (लॉजिस्टिक्स) की वजह से सफल हुआ। उन्होंने यह बात गति शक्ति विश्वविद्यालय के तीसरे दीक्षांत समारोह में कही। यह विश्वविद्यालय रेलवे मंत्रालय के अंतर्गत आता है और लॉजिस्टिक्स पर ध्यान केंद्रित करता है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाने वाला यह ऑपरेशन दिखाता है कि कैसे कई एजेंसियों के तालमेल से सही समय पर सही जगह पर सामग्री पहुंची। राजनाथ सिंह ने लॉजिस्टिक्स को एक रणनीतिक संपत्ति बताया और कहा कि यह आधुनिक युद्ध का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

समारोह में बोलते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का श्रेय लॉजिस्टिक्स को दिया। उन्होंने कहा कि युद्ध केवल हथियारों से नहीं जीते जाते, बल्कि समय पर सामग्री पहुंचाने से जीते जाते हैं। उन्होंने कहा, जीत और हार लॉजिस्टिक्स से तय होती है, पूरी दुनिया ने इसे ऑपरेशन सिंदूर के दौरान देखा।

तालमेल से सही समय पर सही जगह पहुंची सामग्री

ऑपरेशन सिंदूर में दिखी लॉजिस्टिक्स की ताकत

रक्षा मंत्री ने समझाया लॉजिस्टिक्स का मतलब

राजनाथ सिंह ने सेना, नौसेना और वायु सेना के उदाहरणों का हवाला देते हुए बताया कि लॉजिस्टिक्स का मतलब अलग-अलग सेवाओं के लिए अलग-अलग होता है। उन्होंने कहा, सेना के लिए, इसका मतलब है हथियारों, ईंधन, राशन और दवाओं को दूरदराज के इलाकों तक पहुंचाना। नौसेना के लिए, इसका मतलब है जहाजों तक स्पेयर पार्ट्स और उपकरण पहुंचाना। वायु सेना के लिए, निर्बाध जमीनी समर्थन और ईंधन की आपूर्ति महत्वपूर्ण है। उन्होंने चेतावनी दी कि समय पर लॉजिस्टिक्स के बिना उन्नत तकनीक भी बेकार है। उन्होंने कहा, जरा सोचिए, अगर हमारे पास उन्नत मिसाइल सिस्टम हैं, लेकिन उन्हें लॉन्च करने के लिए जरूरी इलेक्ट्रॉनिक्स समय पर नहीं पहुंचते हैं, तो वह तकनीक किसी काम की नहीं है।

मौन नायक लॉजिस्टिक्स काफी कमाल का भी है

अपने भाषण के अंत में रक्षा मंत्री ने कहा, देश की सुरक्षा केवल सीमाओं पर लड़ते जवान नहीं करते, बल्कि वह हर हाथ करता है जो पीछे से उनकी जरूरतों को समय पर पहुंचाता है। यही असली राष्ट्रसेवा है। लॉजिस्टिक्स हमारे देश का मौन नायक है- अनदेखा, अनकहा, लेकिन अत्यंत शक्तिशाली। उनका मानना है कि गति शक्ति विश्वविद्यालय जैसे संस्थानों को भारत को एक वैश्विक लॉजिस्टिक पॉवर हाउस बनाने की दिशा में अग्रणी भूमिका निभानी होगी। उन्होंने छात्रों से आग्रह किया कि वे खुद को केवल 'डिग्रीधारी' न समझें, बल्कि राष्ट्र के 'डिफेंस इंफ्रास्ट्रक्चर' का अभिन्न हिस्सा मानें।

तीनों सेनाओं के लिए अलग-अलग जरूरतें

रक्षा मंत्री ने अपने भाषण में लॉजिस्टिक्स के व्यापक अर्थ को स्पष्ट किया। उन्होंने कहा, थल सेना के लिए लॉजिस्टिक्स का मतलब है हथियारों, राशन, ईंधन और दवाओं को दुर्गम और सीमावर्ती इलाकों तक पहुंचाना। नौसेना के लिए समुद्र में तैनात जहाजों तक स्पेयर पार्ट्स और तकनीकी सहायता भेजना। और वायुसेना के लिए बेस स्टेशन पर हर वक्त उपलब्ध ग्राउंड सपोर्ट, फ्यूलिंग यूनिट्स, टेलीमेट्री सिस्टम और अन्य हार्डवेयर को सक्रिय रखना।

भविष्य में एआई की बड़ी भूमिका

राजनाथ सिंह ने इस बात पर जोर दिया कि आने वाले समय में जब युद्ध और अधिक नेटवर्क-सेंट्रिक, स्वचालित और बहु-आयामी होंगे, तब लॉजिस्टिक्स की भूमिका और भी निर्णायक होगी। उन्होंने कहा कि लॉजिस्टिक्स अब केवल ट्रांसपोर्ट और सप्लाई तक सीमित नहीं रहा। यह डेटा ट्रैकिंग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), उपग्रह संचार, और रीयल-टाइम डिस्पैचिंग जैसी टेक्नोलॉजी से भी जुड़ चुका है।

खबर संक्षेप

पहली बार नेवी डे परेड रद्द पुतिन ने भी बनाई दूरी

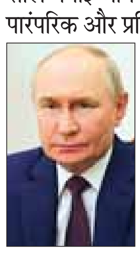

मॉस्को। रूस ने 27 जुलाई को हर साल मनाई जाने वाली अपनी पारंपरिक और प्रतिष्ठित नौसेना परेड को रद्द कर दिया। 'नेवी डे' के मौके पर सेंट पीटर्सबर्ग में होने वाली इस परेड को सुरक्षा कारणों के चलते पहली बार रद्द किया गया है। खास बात ये रही कि राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भी इस बार परेड में शामिल नहीं हुए। उन्होंने सिर्फ एक वीडियो संदेश के ज़रिए संबोधित किया। दरअसल, एक दिन पहले यूक्रेन ने कई रूसी शहरों पर 100 से अधिक ड्रोन हमले किए।

इजराइल ने गाजा में पहली बार मदद पहुंचाई

तेलअवीव। इजराइल ने हमास के खिलाफ जंग के बाद रविवार को पहली बार गाजा में मानवीय सहायता पहुंचाई है। आईडीएफ ने आटा, चीनी, दवाई और डिब्बाबंद खाना गाजा में हवाई मार्ग से पहुंचाया। यह कदम अंतरराष्ट्रीय संगठनों के साथ मिलकर उठाया गया। वहीं, इजराइल ने गाजा के कुछ हिस्सों में सीजफायर और संयुक्त राष्ट्र के लिए सुरक्षित रास्ते बनाने का भी ऐलान किया ताकि वहां की जनता को मदद पहुंचाया जा सके।

एफटीए के चलते कई देश भारत से व्यापार करने के इच्छुक

20 दिन में 1,000 बैठकें, कार्यशालाएं होंगी व्यापार समझौते पर जागरूक करेगी सरकार

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत और ब्रिटेन के बीच व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर हो चुके हैं। अब सरकार देशभर में हितधारकों के साथ बैठक कर लोगों को इस समझौते के बारे में जागरूक करेगी। सरकार अगले 20 दिनों में देश भर में हितधारकों के साथ बैठकें करेगी, कार्यशालाओं, जागरूकता अभियानों और फीडबैक सत्रों सहित 1,000 आउटरीच कार्यक्रम आयोजित करेगी। इस कवायद का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि व्यापार समझौते के अधिकतम लाभ देश के लोगों को मिल सकें। भारत ने ब्रिटेन की चॉकलेट, बिस्किट और सौंदर्य प्रसाधनों सहित विभिन्न उपभोक्ता वस्तुओं के लिए अपना बाजार खोल दिया है। वहीं भारत के कपड़ा, फर्नीचर, जूते, रत्न और आभूषण, खेल के सामान और खिलौनों जैसे उत्पादों को ब्रिटेन के बाजार में पहुंच मिलेगी। इसके अलावा, ब्रिटेन में कार्यरत टीसीएस और इंफोसिस जैसी भारतीय कंपनियों को भारत से आने वाले कर्मचारियों के लिए तीन साल तक सामाजिक सुरक्षा अंशदान नहीं करना होगा। समझौते के तहत, ब्रिटेन की स्कॉच व्हिस्की पर भारत में शुल्क 150 प्रतिशत से घटाकर 75 प्रतिशत कर दिया जाएगा और 2035 तक इसे और घटाकर 40 प्रतिशत कर दिया जाएगा। भारत, ऑटोमोबाइल पर भी आयात शुल्क को पांच वर्षों में घटाकर 10 प्रतिशत कर देगा, जो वर्तमान में 110 प्रतिशत दर है।

- *99% भारतीय सामान ब्रिटेन में शुल्क-मुक्त हो जाएगा*
- *अमेरिका न्यूजीलैंड ओमान, चिली पेरू और यूरोपीय संघ के साथ बातचीत शुरू*
- *भारत में 10 लाख प्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे*

व्यापार दोगुना करने का लक्ष्य

व्यापार समझौते के लाभों के बारे में जानकारी देने के लिए सरकार की विभिन्न टीमें विभिन्न राज्यों का भी दौरा करेंगी। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल व्यापार समझौते पर चमड़ा और टेक्सटाइल सेक्टर के लोगों के साथ बैठक करेंगे। व्यापार समझौता लागू होने के बाद 99 प्रतिशत भारतीय सामान ब्रिटेन में शुल्क-मुक्त हो जाएगा। इससे कार, सौंदर्य प्रसाधन और व्हिस्की जैसे ब्रिटिश उत्पादों पर भारत में भी शुल्क कम हो जाएगा। इस समझौते का उद्देश्य 2030 तक दोनों देशों के बीच 56 अरब अमेरिकी डॉलर के व्यापार को दोगुना करना है।

घरेलू ऑटोमोटिव क्षेत्र का रखा गया है ध्यान

भारत ने व्यापार समझौते के तहत, घरेलू ऑटोमोटिव उद्योग का भी ख्याल रखा है और विशेष रूप से मध्यम और छोटी कारों और कम कीमत वाले इलेक्ट्रिक वाहनों की रक्षा करते हुए, ब्रिटिश ऑटो निर्यातकों को केवल बड़े पेट्रोल और डीजल वाहनों और महंगे इलेक्ट्रिक वाहनों पर ही शुल्क में रियायतें प्रदान की हैं। समुद्री उत्पाद (सी फूड), जिन पर वर्तमान में 4.2 प्रतिशत से 8.5 प्रतिशत के बीच कर लगता है, इस समझौते के लागू होने के बाद शुल्क-मुक्त हो जाएंगे। व्यापार समझौते से भारत के टेक्सटाइल क्षेत्र को बड़ा फायदा होगा, जिसकी अब ब्रिटेन के बाजार में शुल्क-मुक्त पहुंच होगी। इससे ब्रिटेन के बाजार में भारतीय उत्पादों की कीमत कम होगी और भारतीय टेक्सटाइल उत्पादों को बड़ा फायदा मिलने की उम्मीद है।

जल्द मिलेगी कामयाबी

ओमान और यूरोपीय संघ के कई देश भारत से व्यापार को तैयार, चल रही बातचीत

केंद्रीय वाणिज्य एवं व्यापार मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि कई देशों के साथ व्यापार संबंधों को बेहतर बनाने के लिए चर्चा चल रही है। भारत ने ब्रिटेन के साथ एक ऐतिहासिक फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) पर हस्ताक्षर किए हैं, जिससे दोनों देशों के लिए अरबों डॉलर के अवसर खुलेंगे। पीयूष गोयल ने मीडिया से बात करते हुए कहा, न्यूजीलैंड, ओमान, चिली, पेरू और यूरोपीय संघ के साथ बहुत अच्छी बातचीत चल रही है। द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ भी अच्छी बातचीत चल रही है। वाणिज्य मंत्री ने जोर देकर कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि इन सभी वार्ताओं के सकारात्मक परिणाम निकलेंगे। गोयल ने पिछले हफ्ते कहा था कि भारत और यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) के बीच व्यापार और आर्थिक साझेदारी समझौता (टीईपीए) आधिकारिक तौर पर 1 अक्टूबर से लागू होगा, जिससे भारत में 10 लाख प्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे। इस बीच अमेरिका के साथ बातचीत जारी है। भारत और अमेरिका की टीमों ने वाशिंगटन डीसी में प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के लिए पांचवें दौर की वार्ता पूरी कर ली है।

हेरोइन के पीछे था लश्कर-ए-तैयबा

पाक से जुड़े नार्को-टेरर नेटवर्क का हुआ पर्दाफाश

एजेंसी ▶▶ जम्मू

जम्मू और पंजाब में पिछले साल अगस्त में पकड़ी गई 46 किलो हेरोइन की खेप के मामले में स्टेट इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एसआईए) ने पहली चार्जशीट दाखिल कर दी है। इस केस में पाकिस्तान स्थित प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा बड़ा खुलासा हुआ है। इस केस की शुरुआत 9 अगस्त 2023 को हुई थी, जब पंजाब के तरनतारन निवासी सर्तांज सिंह को जम्मू के बस स्टैंड इलाके से 33.580 किलो हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया गया था। यह गिरफ्तारी खुफिया जानकारी के आधार पर की गई थी। जांच के दौरान दूसरा आरोपी अमृतपाल सिंह उर्फ फौजी सामने आया, जो घटनास्थल से एक और खेप के साथ भाग निकला था, लेकिन बाद में पंजाब पुलिस ने उसे पकड़ लिया और उसके पास से 12.626 किलो हेरोइन और बरामद हुई। मामले के अंतरराष्ट्रीय स्तर के आतंकी कनेक्शन सामने आने के बाद इसे एसआईए जम्मू को सौंप दिया गया।

एसआईए ने दाखिल की चार्जशीट

एसआईए ने इस मामले में चार्जशीट दाखिल कर दी है। जांच में यह सामने आया है कि अमृतपाल सिंह का सीधा संपर्क पाकिस्तान में बैठे एक लश्कर-ए-तैयबा के हैंडलर से था, जिससे यह स्पष्ट होता है कि यह एक नार्को-टेररिज्म का मामला है। एक अधिकारी ने बताया कि इस केस में तकनीकी, वैज्ञानिक और मानवीय सूचनाओं का प्रयोग करके ठोस सबूत इकट्ठा किए गए हैं, जिनके आधार पर आरोपियों पर एनडीपीएस और यूएपीए के गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया गया है।

अमृतसर में आईएसआई से जुड़ा तस्कर गिरोह पकड़ा

5 गिरफ्तार, एके असॉल्ट राइफल 2 पिस्टल और 7.5 लाख बरामद

एजेंसी ▶▶ अमृतसर

पंजाब पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। अमृतसर रूरल पुलिस ने केंद्रीय एजेंसियों की मदद से पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़े एक तस्करी गिरोह का पर्दाफाश किया है। यह गिरोह भारत में हथियार और ड्रग्स भेजने के काम में शामिल था। पुलिस ने इस कार्रवाई में 5 लोगों को गिरफ्तार किया है।

इनके पास से काफी मात्रा में हथियार, गोलियां और नकदी बरामद की गई है। शुरुआती जांच में पता चला है कि इनका सीधा संपर्क पाकिस्तान में बैठे आईएसआई

एजेंटों से था। पकड़ी गई खेप नव उर्फ नव पंडोरी को सौंपी जानी थी, जो कुख्यात गैंगस्टर जग्गू भगवानपुरिया का नजदीकी साथी माना जाता है। इससे यह स्पष्ट होता है कि यह नेटवर्क आतंकवाद और गैंगस्टर गिरोहों के गठजोड़ का हिस्सा है।

डीजीपी गौरव यादव ने कहा कि पुलिस प्रदेश में आतंकवाद, संगठित अपराध और तस्करी जैसे अपराधों को जड़ से खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है। पुलिस ने यह भी कहा कि राज्य में शांति, सुरक्षा और सद्भाव बनाए रखने के लिए इस तरह की कार्रवाइयां आगे भी जारी रहेंगी। आरोपियों से जब्त इम्पोर्टेड हथियार बरामद हुए हैं जिसमें एक एके सैगा 308 असॉल्ट राइफल (2 मैगजीन सहित),दो ग्लॉक 9एमएम पिस्तौल (4 मैगजीन सहित), एके राइफल के 90 जिंदा कारतूस, 9एमएम के 10 जिंदा कारतूस, 7.50 लाख की ड्रग मनी, एक कार और तीन मोबाइल फोन शामिल हैं।

दुकानों में लगा दी आग

पूर्वी कांगो में विद्रोहियों ने किया हमला, 21 लोगों को मार डाला

एजेंसी ▶▶ कोमांडा

पूर्वी कांगो में रविवार को एक इस्लामिक स्टेट समर्थित विद्रोही समूह अलाइड डेमोक्रेटिक फ़ोर्स (एडीएफ) की ओर से किए गए हमले में कम से कम 21 लोग मारे गए। अधिकारियों के अनुसार, ये हमले कोमांडा शहर के एक कैथोलिक चर्च परिसर में हुए। हमलावरों ने रात के वक्त चर्च और आसपास की कई दुकानों व घरों में आग भी लगा दी। कांगो के कोमांडा शहर के नागरिक समाज समन्वयक डियूडोने डुरानथाबो ने स्थानीय मीडिया से बात करते हुए बताया

कुछ शव जले हुए पाए गए और कई घरों में आग लगी है। फिलहाल, तलाशी अभियान जारी है। कांगो सेना ने इस हमले में मारे गए लोगों की संख्या को लेकर एक कम आंकड़ा दिया। सेना के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जूल्स न्गोंगो ने कहा कि हमला करीब 10 लोगों की मौत का कारण बना।

करीब 2 लाख लोग हुए विस्थापित

थाइलैंड और कंबोडिया के बीच जंग जारी, 33 की मौत

एजेंसी ▶▶ बैंकाक

शिव मंदिर को लेकर थाइलैंड और कंबोडिया का संघर्ष शनिवार-रविवार को तीसरे चौथे दिन भी जारी रहा। दोनों ओर से हो रही फायरिंग और गोलाबारी में अभी तक 33 लोग मारे गए हैं और करीब 1,70,000 लोग विस्थापित हुए हैं। संघर्ष रोकने के लिए दोनों पक्षों पर अंतरराष्ट्रीय दबाव बढ़ता जा रहा है। बुधवार को प्रसात ता मोआन थोम मंदिर के नजदीक लैंडमाइन विस्फोट से थाइलैंड के पांच सैनिकों के घायल होने के बाद दोनों देशों के बीच तनाव एकाएक बढ़ गया था और उसकी परिणति गुरुवार सुबह

लड़ाई छिड़ने से हुई। दोनों देशों की 817 किलोमीटर लंबी सीमा पर दर्जन भर जगह लड़ाई छिड़ी हुई है। कंबोडिया ने शनिवार की लड़ाई में अपने 12 लोगों के मारे जाने की जानकारी दी है। इन्हें मिलाकर तीन दिनों की लड़ाई में वहां मरे लोगों की कुल संख्या 13 हो गई है। जबकि थाइलैंड में 20 लोग मारे गए हैं जिनमें ज्यादातर नागरिक हैं।

दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के संगठन आसियान, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, अमेरिका और चीन ने संघर्षविराम के लिए दोनों देशों पर दबाव बढ़ा दिया है। कंबोडिया के रक्षा मंत्रालय की प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल माली सोचेता ने कहा है कि लड़ाई के बीच कंबोडिया के कोह कोंग प्रांत के नजदीक समुद्र में थाई नौसेना के चार युद्धपोत लंगर डाले हुए हैं और चार अन्य वहां आ रहे हैं। कंबोडिया में करीब 38 हजार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया है। जबकि थाइलैंड की सेना ने कंबोडिया के आरोपों को गलत बताते हुए प्रतिद्वंद्वी देश पर तनाव बढ़ाने का आरोप लगाया है।

विमान के पहियों में आग लगी, मची चीख पुकार

बच्चों को गोद में चपेटा और जान बचाकर भागे विमान के यात्री

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिका के डेनवर एयरपोर्ट पर मियामी जा रहे अमेरिकन एयरलाइंस के विमान के पहियों में आग लग गई। टेकऑफ से पहले लैंडिंग गियर में आग के कारण 173 यात्रियों को इमरजेंसी स्लाइड से बाहर निकाला गया। घटना का वीडियो वायरल हो गया है। एक यात्री के बच्चे से ज्यादा सामान बचाने की कोशिश पर भी विवाद हुआ है। अमेरिका के डेनवर एयरपोर्ट पर शनिवार को एक बड़ा विमान हादसा बाल-बाल टल गया। अमेरिकन एयरलाइंस की मियामी जाने वाली फ्लाइट एए-3023 के लैंडिंग गियर में आग लग गई। इस घटना ने रनवे पर अफरा-तफरी मचा दी। सोशल मीडिया पर इसका वीडियो वायरल हो गया है, जिसमें दिख रहा है कि किस तरह यात्री जान बचाकर विमान से बाहर भाग रहे हैं और चारों ओर धुआं फैला है। विमान में 173 यात्री और 6 क्रू मेंबर सहित 179 लोग सवार थे। यह घटना दोपहर 2:45 बजे (स्थानीय समय) के आसपास हुई जब बोइंग 737 मैक्स 8 विमान टेकऑफ की तैयारी कर रहा था। उसी दौरान लैंडिंग गियर में तकनीकी खराबी के कारण धुआं उठने लगा और कुछ ही देर में उसमें आग लग गई। डेनवर एयरपोर्ट प्रशासन और फायर डिपार्टमेंट की टीम को तुरंत अलर्ट किया गया। मौके पर पहुंचकर फायर ब्रिगेड ने आग बुझाई। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि यात्री घबराए हुए विमान की इमरजेंसी स्लाइड से नीचे फिसलते हुए बाहर आ रहे हैं। इस दौरान चारों ओर धुआं फैला हुआ था। एक यात्री की हरकत पर विशेष रूप से चर्चा हो रही है जो आग की इस स्थिति में एक हाथ में बच्चा और दूसरे में सामान लेकर फिसलता दिखा। वह गिर भी गया और सोशल मीडिया पर उसकी आलोचना हो रही है कि उसने सामान को बच्चे से ज्यादा प्राथमिकता दी।

वीडियो में दिखी दहशत, सभी को बाहर निकलने की थी जल्दी

एक यात्री बच्चों की परवाह किए बगैर सामान बचाने लगा, विवाद

एक व्यक्ति जख्मी

डेनवर एयरपोर्ट और अमेरिकन एयरलाइंस की ओर से जारी बयान के मुताबिक, इस घटना में एक व्यक्ति को मामूली चोट आई है जिसे गेट पर प्राथमिक उपचार के बाद अस्पताल ले जाया गया। वहीं, पांच अन्य यात्रियों की मौके पर जांच की गई लेकिन उन्हें अस्पताल नहीं भेजा गया। सभी यात्रियों को बस के जरिए टर्मिनल तक पहुंचाया गया।

एफएए ने शुरू की हादसे की जांच

फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) ने इस पूरे घटनाक्रम की जांच शुरू कर दी है। आग लगने के बाद कुछ समय के लिए डेनवर एयरपोर्ट के रनवे पर अन्य उड़ानें भी रोक दी गई थीं। हालांकि, आग बुझाने और यात्रियों को निकालने के बाद स्थिति को सामान्य किया गया।

मेंटेनेंस बना हादसे की वजह

एयरलाइंस के अनुसार, विमान को पहले ही मेंटेनेंस समस्या की चेतावनी मिली थी, जो टायर से जुड़ा था। उड़ान से पहले यह तकनीकी गड़बड़ी गंभीर साबित हुई। आग लगने के बाद विमान को सेवा से हटा दिया गया है और इसकी जांच शुरू कर दी गई है। एयरलाइंस ने अपने बयान में यात्रियों से माफी मांगी और कर्मचारियों की तत्परता की सराहना की।

चेंजिंग रूम में वीडियो बनाते पकड़ा युवक

तुर्की दूतावास से कोई कनेक्शन होने की बढ़ी आशंका,जांच शुरू

एजेंसी ▶▶ तेलअवीव

इजरायल के तेल अवीव से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जिसने पूरे क्षेत्र को हिला दिया है। इजरायली पुलिस ने 29 वर्षीय विदेशी नागरिक को उस समय गिरफ्तार किया जब वो बीच पर स्थित महिलाओं के चेंजिंग रूम में घुसकर नाबालिग लड़कियों की छिपकर वीडियो बना रहा था। इस मामले में आरोपी के तुर्की दूतावास से संबंध होने का संदेह जताया जा रहा है।

पुलिस को 100 इमरजेंसी हेल्पलाइन पर मिली कॉल के बाद तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी को बीच के पास ही पकड़ लिया गया। यह मामला अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी संवेदनशील हो गया है, क्योंकि

आरोपी विदेशी मिशन से जुड़ा बताया जा रहा है। पुलिस के अनुसार, रविवार को हेल्पलाइन पर आई एक कॉल में शिकायत की गई कि एक व्यक्ति महिलाओं के चेंजिंग रूम में घुसकर वहां मौजूद नाबालिग लड़कियों की वीडियो रिकॉर्डिंग कर रहा है। तेल अवीव सेंट्रल स्टेशन और स्पेशल पेट्रोल यूनिट की टीम ने मौके पर पहुंचकर आरोपी को रंगे हाथ पकड़ लिया।

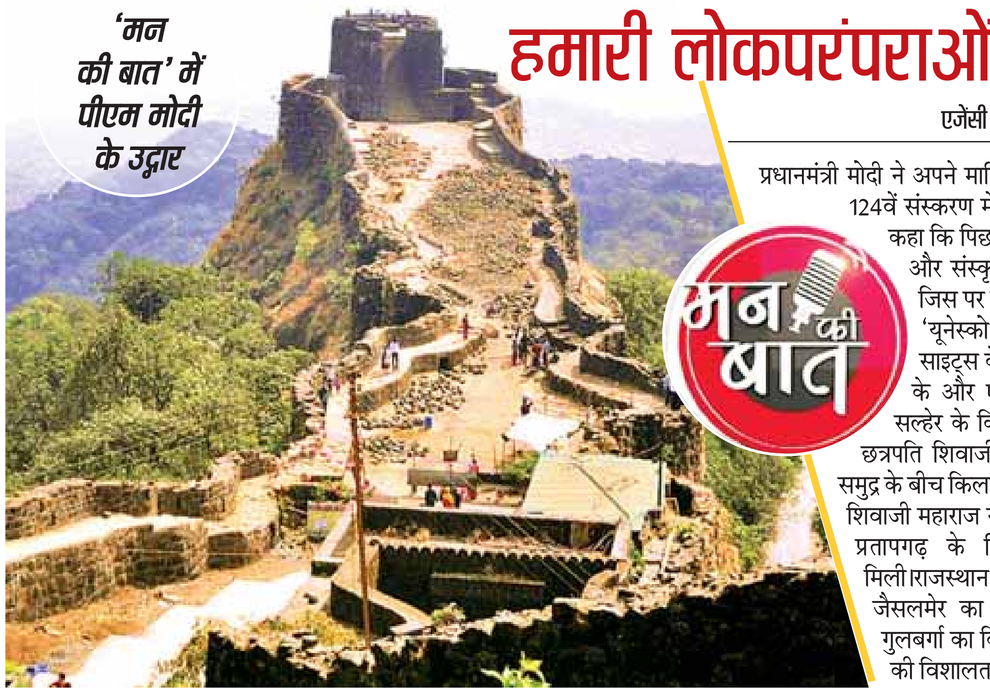

'मन की बात' में पीएम मोदी के उद्गार

हमारी लोकपरंपराओं में समाज को दिशा देने की ताकत, किले स्वाभिमान के प्रतीक

प्रधानमंत्री ने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 124वें संस्करण में देशवासियों को संबोधित किया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 124वें संस्करण में देशवासियों को संबोधित किया।उन्होंने कहा कि पिछले कुछ समय में पूरा देश, खेल, विज्ञान और संस्कृति को लेकर बहुत कुछ ऐसा हुआ है, जिस पर हर भारतीय को गर्व है। पीएम ने कहा कि 'यूनेस्को ने 12 मराठा किलो को वर्ल्ड हेरीटेज साइट्स के रूप में मान्यता दी है। इनमें 11 महाराष्ट्र के और एक तमिलनाडु का किला शामिल है। सल्हेर के किले में मुगलों की हार हुई। शिवनेरी में छत्रपति शिवाजी महाराज का जन्म हुआ। खानदेरी में समुद्र के बीच किला है। दुश्मन उन्हें रोकना चाहते थे, लेकिन शिवाजी महाराज ने असंभव को संभव करके दिखा दिया। प्रतापगढ़ के किले में अफजल खान पर जीत मिली।राजस्थान का चित्तौड़गढ़ का किला, आमेर किला, जैसलमेर का किला विश्व प्रसिद्ध है। कर्नाटक का गुलबर्गा का किला भी बहुत बड़ा है। चित्रदुर्ग के किले की विशालता भी आपको कौतूहल से भर देती है।

शुभांशु ने पूरे देश को गौरवान्वित किया

अभी हाल ही में शुभांशु शुक्ला की अंतरिक्ष से वापसी की बहुत चर्चा हुई। जैसे ही शुभांशु धरती पर उतरे तो पूरा देश खुशी और गर्व से भर गया। मुझे याद है कि जब चंद्रयान 3 की सफल लैंडिंग हुई तो देश में विज्ञान को लेकर अलग माहौल बना। अब छोटे-छोटे बच्चे अंतरिक्ष विज्ञान में रुचि ले रहे हैं। आपने इंस्पायर मानक अभियान का नाम सुना होगा। यह बच्चों में इनोवेशन को बढ़ावा देने का अभियान है।

स्पेस सेक्टर में 200 बच्चे शामिल

पीएम ने कहा कि 'देश में स्पेस स्टार्ट-अप तेजी से बढ़ रहे हैं। पांच साल पहले देश में 50 से भी कम स्टार्टअप थे। आज सिर्फ स्पेस सेक्टर में ही ये 200 से ज्यादा हो गए हैं। अगले महीने 23 अगस्त को नेशनल स्पेस डे है।

युवाओं का विज्ञान और गणित में बढ़ा रुझान

'21वीं सदी में भारत में विज्ञान तेजी से आगे बढ़ रहा है। कुछ दिन पहले इंटरनेशनल केमिस्ट्री ओलंपियाड में भारत के देवेश पंकज, संदीप कुची, देबदत्त प्रियदर्शी और उज्जवल केसरी ने मेडल जीतकर देश का नाम रोशन किया। गणित में भी भारत अपनी जगह बना रहा है।

स्वतंत्रता सेनानियों को किया याद

महान स्वतंत्रता सेनानी खुदीराम बोस का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि '11 अगस्त 1980 को बिहार के मुजफ्फरपुर में हर हलचल थमी हुई थी। एक 18 साल का युवा अंग्रेजों के खिलाफ अपना देश-प्रेम व्यक्त करने की कीमत चुका रहा था।

हैंडलूम के लिए महिलाओं का बखान किया

इसके बाद पीएम मोदी ने हर साल 7 अगस्त को नेशनल हैंडलूम दिवस मनाए जाने का जिक्र किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि आजादी की लड़ाई में खादी ने ताकत दी। पीएम मोदी ने महाराष्ट्र के पैठण की कविता धवले का जिक्र किया, जो पैठणी साड़ी बनाकर बेच रही हैं। ओडिशा के मयूरभंज में आदिवासी महिलाएं संथाली साड़ी को फिर से जीवित कर रही हैं।

भजन -कीर्तन कर पर्यावरण के प्रति जागरूक कर रहीं महिलाएं

प्रधानमंत्री ने मन की बात कार्यक्रम में ओडिशा के क्योंझर जिले में भजन कीर्तन के जरिए जंगलों की आग के प्रति जागरूक किए जाने पर बात की। प्रधानमंत्री ने कहा कि यहां राधाकृष्ण संकीर्तन मंडली पर्यावरण संरक्षण का काम कर रही है।

खबर संक्षेप

नवादा के मंदिरों में तोड़फोड़ से तनाव

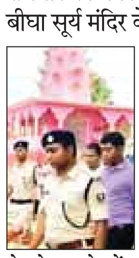

नवादा। बिहार के नवादा में रविवार को नगर थाना क्षेत्र के मोती बीघा सूर्य मंदिर के पास दो मंदिरों में भगवान शिव, माता पार्वती और भगवान गणेश की मूर्तियों को तोड़े जाने का मामला सामने आया है। घटना ने पूरे इलाके में सनसनी मचा दी। इस घटना से क्षेत्र में तनाव का माहौल बन गया। इसे आपसी भाईचारा बिगाड़ने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है।

एलपीजी सिलेंडर ब्लास्ट, 5 झुलसे

देहरादून। के एक घर में एलपीजी सिलिंडर में हुए गैस रिसाव के बाद ब्लास्ट हो गया। इस दौरान हादसे में 5 लोग घायल हो गए। घटना महंत इंद्रेश अस्पताल के पीछे टपरी, पूर्वी पटेलनगर के एक घर में हुई। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने देखा कि दो व्यस्क और तीन बच्चे झुलसे हुए थे। उन्हें तुरंत दून अस्पताल भिजवाया गया, जहां इलाज किया जा रहा है।

थप्पड़बाज मीणा को 13 दिन बाद फिर जेल

जयपुर। मनोहरथाना के पिपलोदी स्कूल हादसे के बाद जिला अस्पताल में हंगामा करने के आरोप में पुलिस ने नरेश मीणा और उनके दो साथियों को गिरफ्तार किया है। मीणा पर राजकार्य में बाधा पहुंचाने, अस्पताल में आपातकालीन सेवाओं को बाधित करने, चिकित्साकर्मियों के साथ धक्का-मुक्की और अभद्रता करने का आरोप है।

रात का खाना खाने के बाद 60 छात्राएं बीमार

हैदराबाद। तेलंगाना के नगरकुरनूल जिले में एक सरकारी बालिका आवासीय विद्यालय की 60 से अधिक छात्राओं को रात का खाना खाने के बाद उल्टी होने की शिकायत के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया। बताया जा रहा है कि उय्यालवाड़ा स्थित आवासीय विद्यालय में शनिवार रात खाना खाने के बाद 64 छात्राएं बीमार पड़ गईं। जांच की जा रही है।

ठाणे में पहाड़ी पर फंसे 5 किशोरों को बचाया

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में एक पहाड़ी पर फंसे पांच किशोरों को प्रशासन ने बचा लिया है। ये किशोर 'ट्रेकिंग' के दौरान रास्ता भटक गए थे। ठाणे नगर निगम के आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख यासीन तडवी ने बताया कि 18 साल की उम्र के ये शनिवार करीब 3 बजे मुंब्रा बायपास के किनारे आदिवासी पाडा में दालम बंगले के पास रास्ता भटक गए थे।

पीएम मोदी ने चोलपुरम मंदिर में राजेंद्र चोल प्रथम की जयंती पर कहा

मैं काशी का सांसद...ॐ नमः शिवाय सुनकर खड़े हो जाते हैं सारे रोंगटे

इसी ने लोकतंत्र की जननी की परंपरा को भी आगे बढ़ाया

एजेंसी ▶▶ गंगईकोंडा (तमिलनाडु)

पीएम नरेंद्र मोदी ने गंगईकोंडा चोलपुरम मंदिर में महान चोल सम्राट राजेंद्र चोल प्रथम की जयंती के अवसर पर आयोजित समारोह को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि मैं काशी का सांसद हूं, जब 'ॐ नमः शिवाय' सुनते हैं तो रोंगटे खड़े हो जाते हैं। एक प्रकार से ये राज राजा की श्रद्धा भूमि है और आज इलैयाराजा ने जिस प्रकार हम सभी को शिवभक्ति में डुबो दिया, क्या अद्भुत वातावरण था। पीएम मोदी ने कहा कि इतिहासकार मानते हैं कि चोल साम्राज्य का दौर भारत के स्वर्णिम युगों में से एक था। चोल साम्राज्य ने भारत को लोकतंत्र की जननी कहने की परंपरा को भी आगे बढ़ाया। इतिहासकार लोकतंत्र के नाम पर ब्रिटेन के मैग्ना कार्टा की बात करते हैं। लेकिन कई सदियों पहले, चोल साम्राज्य में लोकतांत्रिक पद्धति से चुनाव होते थे। हम ऐसे कई राजाओं के बारे में सुनते हैं जो दूसरे स्थानों पर विजय प्राप्त करने के बाद सोना, चांदी या पशुधन लाते थे। लेकिन राजेंद्र चोल गंगाजल लेकर आए।

चोल साम्राज्य का दौर भारत के स्वर्णिम युगों में से था एक

भगवान बृहदेश्वर मंदिर में पूजा-अर्चना

पीएम मोदी ने चोलकालीन भगवान बृहदेश्वर मंदिर में पूजा-अर्चना की। वैदिक और शैव तिरुमुराई मंत्रोच्चार के बीच उन्हें आराधना करते देखा गया। वे एक कलश साथ लाए, जिसके बारे में बताया जा रहा है है कि उसमें गंगा नदी का जल है। मंदिर के पुजारियों ने पारंपरिक तरीके से पूर्ण कुंभम के साथ प्रधानमंत्री का स्वागत किया। वेष्टि (धोती), सफेद कमीज और गले में अंगवस्त्र पहने पीएम ने मंदिर के भीतरी गलियारे की परिक्रमा की।

चोल प्रथम की 1000वीं जयंती समारोह में स्मृति सिक्का किया जारी

पीएम मोदी रविवार को तमिलनाडु के अरियालुर जिले में गंगैकोंडा चोलपुरम पहुंचे। वे यहां ऐतिहासिक आदी तिरुवथिरई उत्सव के समापन समारोह में शामिल हुए, जो चोल वंश के महान सम्राट राजेंद्र चोल प्रथम की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने सम्राट के सम्मान में एक स्मारक सिक्का भी जारी किया। स्मारक सिक्का जारी करने का निर्णय गंगैकोंडाचोलपुरम विकास परिषद ट्रस्ट के अध्यक्ष आर. कोमागन के अनुरोध पर लिया गया। यह सिक्का राजेंद्र चोल के शासन, वास्तुकला और दक्षिण-पूर्व एशिया तक चोल प्रभाव के विस्तार जैसे योगदान को सम्मानित करने के लिए है।

हेलीपैड से बृहदीश्वर मंदिर तक भव्य रोड शो किया

पीएम मोदी ने हेलीपैड से गंगैकोंडा चोलपुरम के बृहदीश्वर मंदिर तक एक भव्य रोड शो किया। रास्ते में भारी भीड़ ने झंडे लहराकर और नारे लगाकर उनका स्वागत किया। पूरा गांव उत्सव के रंग में रंगा था, और मंदिर शहर को फूलों, पारंपरिक बैनरों और चोल-युग के प्रतीकों से खूबसूरती से सजाया गया था।

चोल राजाओं ने भारत को सांस्कृतिक एकता में पिरोया

पीएम ने कहा कि चोल राजाओं ने भारत को सांस्कृतिक एकता में पिरोया था। सरकार, चोल युग के उन्हीं विचारों को आगे बढ़ा रही है। काशी-तमिल संगमम और सौराष्ट्र-तमिल संगमम जैसे आयोजनों के माध्यम से हम एकता के सदियों पुराने सूत्रों को और अधिक मजबूत कर रहे हैं। राजेंद्र ने उत्तरी क्षेत्रों से पवित्र गंगा जल लाया था।

चोल साम्राज्य विकसित भारत के लिए प्राचीन रोडमैप जैसा

पीएम ने कहा कि चोल काल में भारत ने जो आर्थिक और सैन्य ऊंचाइयां हासिल की, वे प्रेरक हैं। राजाओं की दूरदर्शिता पर कहा कि राजराजा चोल ने एक शक्तिशाली नौसेना का निर्माण किया, जिसे राजेंद्र चोल ने और मजबूत किया। चोल साम्राज्य विकसित भारत के लिए एक प्राचीन रोडमैप की तरह है। यह हमें बताता है कि अगर हमें 'विकसित भारत' बनाना है, तो हमें अपनी नौसेना, रक्षा बलों को मजबूत करना होगा और नए अवसरों की तलाश करनी होगी।

एनएएलएसए के सम्मेलन में बोले सीजेआई

ज्ञान के बिना हक किसी काम के नहीं, जागरुकता बढ़ाएं

एजेंसी ▶▶ श्रीनगर

प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई ने रविवार को कहा कि ज्ञान के बिना अधिकार किसी काम के नहीं हैं। उन्होंने नागरिकों को उनके अधिकारों के बारे में जागरूक करने के महत्व पर जोर दिया। सीजेआई ने राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (एनएएलएसए) के उत्तरी क्षेत्र क्षेत्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि अतीत की विसंगतियों को दूर करने और कश्मीर को उसके पुराने स्वरूप में लौटाने की जरूरत है, जहां सभी समुदाय सद्भाव के साथ रहते थे। उन्होंने कहा कि न्यायाधीशों और वकीलों को मिलकर देश के अंतिम नागरिक के लिए न्याय सुनिश्चित करना होगा। नालसा इसी दिशा में काम करता है। हम नालसा के काम को देश के दूरदराज के इलाकों तक ले जाने की कोशिश कर रहे हैं-चाहे वह लद्दाख हो, पूर्वोत्तर हो या राजस्थान। कश्मीर की पिछले 35 वर्षों की स्थिति का स्पष्ट संदर्भ देते हुए सीजेआई ने कहा कि कुछ विसंगतियां रही हैं।

इससे कश्मीर के पुनर्निर्माण में मदद मिलेगी

सीजेआई ने कहा कि मुझे विश्वास है कि यह कार्यक्रम उस पारंपरिक कश्मीर के पुनर्निर्माण में मदद करेगा, जहां सभी समुदाय-हिंदू, मुस्लिम और सिख-एक साथ रहते थे। उन्होंने कहा कि देश के संविधान के जरिये हमने खुद से राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक स्तर पर न्याय का वादा किया है। हमारा दायित्व है कि हम न्याय को उसकी सच्ची भावना के अनुरूप लागू करें। कानूनी बिरादरी को संविधान के सच्चे मूल्यों के प्रति प्रतिबद्ध होना चाहिए। जहां बाबासाहेब बीआर आंबेडकर 'एक व्यक्ति, एक वोट' के माध्यम से राजनीतिक न्याय ले आए, वहीं संविधान के सृजक ने सामाजिक विभाजन और एक खंड से दूसरे खंड में जाने में कठिनाई के बारे में बात की थी।

मुझे ऐसा लगा मानो गृहनगर आ गया

सीजेआई ने कहा कि मुझे ऐसा लग रहा है जैसे मैं अपने गृहनगर आ गया हूं। मुझ पर बरस रहे प्यार और स्नेह के लिए मैं आपका आभारी हूं। मैं जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के सभी हिस्सों में घूम चुका हूं। यहां की सूफी परंपरा भारत के संविधान में निहित धर्मनिरपेक्षता को बढ़ावा देती है। सभी धर्मों के लोग यहां दरगाहों, मंदिरों और अन्य धार्मिक स्थलों पर आते हैं। लद्दाख, कश्मीर और जम्मू के बार के प्रतिनिधियों की ओर से उठाए गए मुद्दों पर कहा कि हालांकि उनके पास इन पर विचार करने का अधिकार नहीं है।

सभी को एसटीएफ ने धर दबोचा

हैदराबाद में रेव पार्टी की योजना बनाने के आरोप में 9 गिरफ्तार, मादक पदार्थ जब्त

एजेंसी ▶▶ हैदराबाद

तेलंगाना के हैदराबाद स्थित एक सर्विस अपार्टमेंट में रेव पार्टी आयोजित करने की कथित योजना बना रहे 9 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। आबकारी विभाग के अधिकारी ने बताया कि विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार प, आबकारी राज्य कार्यबल (एसटीएफ) की टीम ने कोंडापुर क्षेत्र में मार्ग पर पार्टी करने से पहले ही पकड़ लिया। आंध्र प्रदेश के अन्य आरोपियों एवं मादक पदार्थ तस्करों के साथ मिलकर प्रस्तावित पार्टी के लिए एक सर्विस अपार्टमेंट बुक किया था। एक ने 'डार्कनेट' (गुप्त वेबसाइट या ऑनलाइन नेटवर्क) से मादक पदार्थ खरीदा था।

2.080 किलोग्राम सूखा गांजा 50 ग्राम ओजी कुश बरामद

आबकारी एसटीएफ ने आरोपियों के कब्जे से 2.080 किलोग्राम सूखा गांजा, 50 ग्राम ओजी कुश (हाईब्रिड गांजा), अन्य मादक पदार्थ सहित अन्य चीजें जब्त की जो रेव पार्टी के लिए था। इसके अलावा 6वाहन भी जब्त किए हैं। इस मामले में 11 लोगों के खिलाफ एक मामला दर्ज किया गया है। 2 अन्य फरार हैं।

उधर, पुणे में रेव पार्टी पर छापा

पूर्व मंत्री खडसे के दामाद समेत 7 हिरासत में

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे में पुलिस ने एक रेव पार्टी पर छापा मारकर भारी मात्रा में ड्रग्स, हुक्का और शराब बरामद की। पुलिस ने7 लोगों को हिरासत में लिया है, जिनमें महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री एकनाथ खड्से के दामाद प्रांजल खेवलकर भी शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि एक फ्लैट पर रविवार की सुबह छापेमारी की गई।

खराडी इलाके में सूचना के आधार पर मारा छापा

पुलिस ने बताया कि उन्हें पुणे के खराडी इलाके में रेव पार्टी होने की सूचना मिली थी। इसके बाद क्राइम ब्रांच की टीम ने छापेमारी की। छापे के दौरान गांजा, शराब और हुक्का बरामद किए गए।

13 साल बाद मातोश्री पहुंचे राज ठाकरे

उद्धव को दी जन्मदिन की बधाई

मुंबई। महाराष्ट्र की राजनीति में ठाकरे बंधुओं की नजदीकी लगातार बढ़ रही है। रविवार को एक बार फिर मनसे प्रमुख राज ठाकरे, उद्धव ठाकरे को जन्मदिन की बधाई देने मातोश्री पहुंचे। राज ठाकरे करीब 13 साल बाद मातोश्री पहुंचे। उद्धवऔर पार्टी सांसद संजय राउत ने मातोश्री के द्वार पर आकर राज ठाकरे का स्वागत किया। राज ने उद्धव को जन्मदिन की बधाई देते हुए फूलों का गुलदस्ता भी भेंट किया।

सुप्रीम कोर्ट में ईसी के दावे पर एडीआर ने उठाए सवाल

मृतक भी बिहार में भर रहे 'सर' का फॉर्म

एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स ने अनियमितता के आरोप लगाए

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

बिहार में जारी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (सर) को लेकर याचिकाकर्ताओं ने सुप्रीम कोर्ट में चुनाव आयोग पर कई आरोप लगाए हैं। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) और आरजेडी ने आरोप लगाया है कि सर में अनियमितताएं पाई गई है। याचिकाकर्ता ने कहा कि बीएलओ खुद गणना फॉर्म पर हस्ताक्षर करते पाए गए। मृत लोगों को फार्म भरते हुए दिखाया गया और जिन लोगों ने फार्म नहीं भरे थे, उन्हें यह संदेश दिया गया कि उनके फार्म पूरे हो गए हैं। एडीआर ने कहा कि मृत व्यक्तियों के भी फॉर्म जमा किए गए हैं।

सर को लेकर देशभर में तकरार लड़ाई आरपार

प्रक्रिया में कोई अनियमितता नहीं : चुनाव आयोग

चुनाव आयोग के इस दावे का विरोध करते हुए कि इस प्रक्रिया में कोई अनियमितता नहीं हुई है। याचिकाकर्ताओं ने शनिवार को सुप्रीम कोर्ट को कहा कि चुनाव आयोग के आंकड़े कोई मायने नहीं रखते, क्योंकि अधिकांश फॉर्म बिना दस्तावेजों के जमा किए गए थे।

बीएलओ उनके घर या मोहल्ले में नहीं आए

सुप्रीम कोर्ट को दिए जवाब में आरजेडी ने कहा कि मीडिया रिपोर्टों में ऐसे अनगिनत उदाहरण दिए गए हैं जहां मतदाताओं ने शिकायत की है कि बीएलओ उनके घर या मोहल्ले में नहीं आए। बीएलओ फॉर्म पर मतदाताओं के जाली हस्ताक्षर करके उन्हें अपलोड करते भी पाए गए।

मृत व्यक्तियों के भी फॉर्म जमा किए : आरजेडी

आरजेडी ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग की ओर समय पर लक्ष्य को पूरा करने के लिए मतदाताओं की जानकारी या सहमति के बिना बीएलओ की ओर से बड़े पैमाने पर गणना फॉर्म अपलोड किए जा रहे हैं। कई मतदाताओं ने बताया है कि उनके फॉर्म ऑनलाइन जमा कर दिए गए हैं, जबकि उन्होंने कभी किसी बीएलओ से मुलाकात नहीं की और न ही किसी दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने जांच एजेंसियों से कहा

जांच में सहायता के लिए प्रौद्योगिकी का हरसंभव उपयोग करना होगा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली उच्च न्यायालय ने जांच एजेंसियों को निर्देश दिया है कि वे जांच में सहायता के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करने का हर संभव प्रयास करें, क्योंकि इससे जांच की पारदर्शिता निश्चित रूप से बढ़ेगी और निष्पक्षता सुनिश्चित होगी। न्यायमूर्ति रविंद्र डुडेजा ने हेरोइन की जब्ती से संबंधित मामले में एक आवेदन पर फैसला करते हुए यह टिप्पणी की। न्यायाधीश ने 24 जुलाई को दिए आदेश में आरोपी रवि प्रकाश को जमानत देने से इनकार करते हुए कहा कि यह कोई

अनजान बात नहीं है कि 2023 में जब उसे गिरफ्तार किया गया था, तब वीडियोग्राफी या फोटोग्राफी के उपकरण उपलब्ध नहीं थे, ऐसे में पुलिस के बयान पर सिर्फ इसलिए अविश्वास नहीं किया जा सकता कि जब्ती की वीडियोग्राफी या फोटोग्राफी नहीं है। अभियोजन ने कोई सीसीटीवी कैमरा नहीं था, इसलिए ऐसी कोई फुटेज नहीं है।

पाटन पुलिस की चुप्पी पर उठे सवाल, स्पेशल टीम बनाकर दी दबिश

जुए की बिसात पर गिरे सत्ता के मोहरे

वकील के साथ भाजपा नेता हैं किंग्सवे होटल का संचालक, मंडल उपाध्यक्ष समेत 12 गिरफ्तार

हरिभूमि, जबलपुर।

पाटन थाना क्षेत्र के किंग्सवे होटल व्यास मैरिज हॉल में चल रहे जुए के अड्डे पर शुक्रवार रात की गई दबिश के बाद अब इस मामले ने नया मोड़ ले लिया है। गिरफ्तार किए गए 12 जुआरियों में जहां भाजपा युवा मोर्चा का मंडल उपाध्यक्ष पंकज विश्वकर्मा शामिल है। वहीं होटल संचालक सौरभ व्यास भी पेशे से वकील के साथ भाजपा से जुड़ा हैं। इस कार्रवाई को लेकर न सिर्फ स्थानीय राजनीति में हलचल है, बल्कि 500 मीटर की दूरी पर स्थित पाटन पुलिस की भूमिका भी संदेह के घेरे में आ गई है। स्पेशल टीम ने मौके से 1 लाख 67 हजार नगद, ताश की कई गड्डियाँ और चार लग्जरी वाहन, 13 नग मोबाईल, एक बुलेट सहित अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद की।

मौके से इनको गया था दबोचा

पुलिस ने मौके से भाजपा युवा मोर्चा के मंडल उपाध्यक्ष पंकज विश्वकर्मा , अरविंद पटेल, शुभम ठाकुर, राहुल तिवारी, अवधेश पटेल, विक्की पटेल, नीलेश बागरी, अभिषेक पटेल, राकेश विश्वकर्मा, राहुल बघेल को गिरफ्तार किया था। जिनके कब्जे से 1,67

हजार नगद, आठ गड्डियां ताश की, 13 मोबाइल फोन, चार लग्जरी कारें, प्लास्टिक के फड़ बोर्ड, जुआ खिलाने की रजिस्टर और लेखा-जोखा की पर्चियां बरामद की गई।

राजनीतिक दबाव फिर भी नहीं रुकी कार्रवाई

जानकारी के अनुसार जैसे ही दबिश की सूचना फैली, कुछ प्रभावशाली लोगों ने पुलिस प्रशासन पर कार्रवाई को रोकने के लिए दबाव बनाया। भाजपा से जुड़े दो प्रमुख चेहरों का नाम सामने आने से कुछ वरिष्ठ नेताओं ने फोन कॉल से हस्तक्षेप करने की कोशिश की लेकिन स्पेशल टीम ने बिना डरे कार्रवाई को अंजाम दिया।

पाटन पुलिस की भूमिका पर सवाल

व्यास मैरिज हॉल में जुआ फड़ लंबे समय से संचालित हो रहा था, यह किसी से छिपा नहीं था। स्थानीय सूत्रों के अनुसार कई बार शिकायतों के बावजूद पाटन पुलिस ने कभी ठोस कार्रवाई नहीं की। इसलिए इस बार पुलिस कप्तान संपत उपाध्याय ने पाटन थाना को पूरी तरह बाहर रखकर धनवंतरी चौकी प्रभारी एसआई दिनेश गौतम के नेतृत्व में विशेष टीम बनाई। इससे यह सवाल उठने लगा है कि क्या पाटन पुलिस की किसी स्तर पर मिलीभगत रही? इस बिंदु पर आंतरिक विभागीय जांच की भी संभावना जताई जा रही है।

स्पेशल टीम का गठन ऐसे हुआ

जैसे ही गुप्त सूत्रों से सूचना प्राप्त हुई कप्तान उपाध्याय ने एएसपी आनंद कलादगी को त्वरित योजना तैयार करने के निर्देश दिए। धनवंतरी चौकी प्रभारी एसआई दिनेश गौतम को टीम लीडर बनाया गया और पुलिस लाइन से प्रशिक्षित बल शामिल कर एक फुलप्रूफ ऑपरेशन तैयार किया गया। रात करीब 8 बजे दबिश दी गई और चारों तरफ से घेरकर 12 जुआरियों को रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया।

होटल संचालक की तलाश जारी

बताया जाता है कि एफआईआर में होटल संचालक को भी शामिल किया है। कार्यवाही के बाद होटल संचालक और पेशे से वकील सौरभ व्यास और सुमित व्यास अंडर ग्राउंड हो गए हैं। दबिश के दौरान मौके पर दोनों नहीं मिले थे। पुलिस टीम ने उनके संभावित ठिकानों पर दबिश तेज कर दी है।

रसूख नहीं बचा सका अपराधियों को

इस पूरे मामले में पुलिस की कार्यशैली ने यह साबित कर दिया कि यदि इरादे पक्के हों, तो न कोई राजनीतिक दबाव काम करता है, न ही रसूख। स्पेशल टीम की हिम्मत, गोपनीयता और निष्पक्षता के कारण ही यह फड़ ध्वस्त हुआ जो वर्षों से पाटन पुलिस की नाक के नीचे फल-फूल रहा था। अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि फरार आरोपियों की गिरफ्तारी कब तक होती है और पाटन पुलिस की भूमिका पर क्या विभागीय कार्रवाई होती है।

बासमती धान के प्रति बढ़ रहा जिले के किसानों का रुझान

पांच साल में 10 से 40 हजार हेक्टेयर हुआ रकबा

जबलपुर। जिले में खरीफ मौसम में 1 लाख 75 हजार हेक्टेयर में धान की फसल ली जाती है। जिले के किसानों का अब बासमती धान की तरफ रुझान बढ़ता जा रहा है। पांच वर्षों में जिले में बासमती धान का रकबा चार गुना हो गया है। इस वर्ष शासकीय एवं निजी बीज विक्रेताओं के माध्यम से जिले में लगभग 7 हजार क्विंटल बासमती धान के बीज की मुख्य किस्में किसानों को उपलब्ध कराई गई हैं। सहायक संचालक कृषि रवि आम्रवंशी के मुताबिक जिले में अभी बासमती धान की नर्सरी तैयार कर मजदूर एवं पैडी ट्रांसप्लांटर के माध्यम से खेत में कीचड़ मचा कर रोपाई निरंतर जारी है। उन्होंने बताया कि जिले में 5 वर्ष पहले 10 हजार हैक्टेयर में बासमती धान लगाई जाती थी, अब यह रकबा बढ़कर लगभग 40 हजार हेक्टेयर तक पहुंच गया है। जिले में बासमती धान का रकबा बढ़ने के कई कारण हैं। उपयुक्त जलवायु, प्रति हेक्टेयर अधिक उत्पादन और बाजार में मिलने वाली अच्छी कीमत इनमें प्रमुख हैं। बासमती धान और इससे बना चांवल लंबा पतला सुगंधित और मुलायम होता है, जो पकने पर आपस में चिपकता नहीं है। बासमती धान का प्रमाणित बीज 75 से 100 रुपये प्रति किलो की दर पर उपलब्ध है। एक हेक्टेयर में बोनी में बासमती धान का 20 किलो ग्राम बीज की आवश्यकता होती है और फसल 110 से 115 दिन में पककर तैयार हो जाती है। सहायक संचालक कृषि ने बताया कि जिले में बासमती धान का उत्पादन 55 से 60 क्विंटल प्रति हेक्टर प्राप्त हो रहा है। किसानों को बासमती धान का बाजार मूल्य 5 हजार रुपये से 5 हजार 500 रुपये प्रति क्विंटल मिल रहा है। जबकि इससे बने बासमती चावल का बाजार में मूल्य 100 से 125 रुपए प्रति किलोग्राम तक प्राप्त होता है। बासमती धान में लगने वाले खरपतवार कीट एवं बीमारियों का नियंत्रण दवाओं के माध्यम से आसानी से किया जा सकता है। दावत जैसी प्रमुख कंपनियां जिले के किसानों से बासमती धान अच्छी कीमत पर खरीद कर ले जा रही हैं।

सड़कों पर घूमते पशुओं पर सरकार का ध्यानाकर्षण कराने अभियान

जबलपुर।

आवारा पशुओं और श्वानों के सड़कों पर स्वच्छंद विचरण से हो रही सड़क दुर्घटनाओं को लेकर लोक सभा में उठे सवाल पर केन्द्रीय पशुपालन एवं डेयरी राज्यमंत्री ने जहां देशभर में पशुओं के हमलों से हुई मौतों के आंकड़े पेश किए। वहीं यह भी पेश किया कि आवारा पशुओं पर नियंत्रण की जिम्मेदारी नगरीय निकायों की है।

इस पर नगर की गतिशील साहित्यिक सांस्कृतिक संस्था गुंजन कला सदन ने सरकार का ध्यान आकर्षण अभियान चलाने का आव्हान किया।

संस्था द्वारा कहा गया है कि देश भर की सड़कों पर विचरण कर रहे यातायात में बाधक बेसहारा एवं लापरवाह पालकों के गोवंश को सुरक्षित आश्रय में भेजने एवं जन सामान्य के लिए खतरनाक आवारा श्वानों और शुकर पर निरोधक कार्यवाही हेतु भारत सरकार द्वारा विशेष अभियान

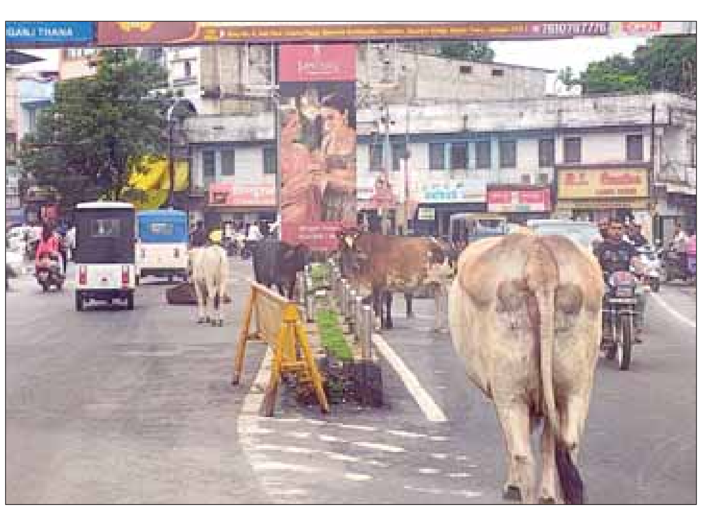

चलाया जाना चाहिए ताकि इनके कारण प्रतिदिन होने वाली दुर्घटनाओं एवं जन धन की हानि को रोक जा सके और यातायात भी बाधित न हो। वहीं इस अभियान के अंतर्गत आम जनता सो अपील की गई है की जहां भी इस तरह सड़क पर पशुओं को देखें मोबाइल से फोटो खींच कर इस संदेश के साथ वाट्स एप फेसबुक, इंस्टाग्राम, ट्युटर के माध्यम से प्रसारित कर सरकार, पशुपालकों एवं संबंधित विभागों का ध्यानाकर्षण कराकर जन जनकल्याणकारी कार्य में सहयोगी बनें।

बच्चों को बस्ता कॉपी वितरित

जबलपुर। केन्ट विधानसभा क्षेत्र के विधायक अशोक रोहाणी ने अपने पूज्य पिता एवं सेवाभाव के नाम से सुप्रसिव्द्ध सेवक दादा ईश्वरदास रोहाणी के पदचिन्हों पर चलते हुए केन्ट विधानसभा क्षेत्र के नागरिकों के लिए समर्पित भाव से सेवा और कार्य कर रहे हैं। श्री रोहाणी के द्वारा देश भविष्य सभी स्कूली बच्चों के लिए भी प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी निःशुल्क रूप से 5 हजार स्कूली बैग और कॉपी का वितरण कर एक मानवीय सेवा भाव का मिशाल पेश किये हैं।बस्त और कॉपी वितरण के मौके पर विधायक श्री रोहाणी ने बताया कि आज उनके द्वारा लाला लाजपत राय, चन्द्रशेखर आजाद, भगत सिंह, अम्बेडकर, रानी अवंती बाई और रानी लक्ष्मी बाई वार्ड के जरूरतमंद स्कूली बच्चों को बस्ता और कॉपी निःशुल्क रूप से वितरण की गयी। उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि स्कूली बच्चे हमारे देश के भविष्य हैं, इनके भविष्य को संवारना हमारी पहली प्राथमिकता है।

जबलपुर पहुँची 2613.6 मीट्रिक टन यूरिया की रैक

जबलपुर। किसानों को उनकी आवश्यकता के अनुरूप उर्वरक की उपलब्धता सुनिश्चित करने जिले को यूरिया की आपूर्ति लगातार जारी है। इसी सिलसिले में शनिवार की रात आईपीएल कंपनी की 2613.6 मीट्रिक टन यूरिया की रैक जबलपुर पहुँची। उप संचालक कृषि डॉ एस के निगम के अनुसार जिले को मिली यूरिया की इस रैक में से 70 प्रतिशत शासकीय गोदामों को एवं 30 प्रतिशत यूरिया निजी विक्रेताओं को प्रदान की जा रही है। उन्होंने बताया कि यूरिया वितरण कार्यक्रम तैयार कर पूर्व में ही कंपनी प्रतिनिधि को दिया जा चुका था। रैक पॉइंट से यूरिया रविवार की देर शाम तक सभी डबल लॉक केंद्रों में पहुंच जायेगी और सोमवार की सुबह किसानों को इसका वितरण शुरू हो जायेगा। डॉ निगम के मुताबिक दो-तीन दिनों के भीतर जबलपुर जिले को यूरिया की एक और रैक प्राप्त हो रही है।

उप संचालक कृषि ने बताया कि आज सुबह कछपुरा रैक पॉइंट का

उन्होंने और जोनल मैनेजर हीरेन्द्र रघुवंशी ने अवलोकन किया तथा परिवहनकर्ता को कम्पनी के आदेश अनुसार यूरिया परिवहन करने के निर्देश दिये। इस मौके पर आईपीएल कंपनी के अधिकारी वरुण शिवहरे और परिवहनकर्ता आनंद कपूर भी मौजूद थे। उप संचालक कृषि डॉ निगम ने बताया कि जिले में डबल लॉक केंद्रों में डीएपी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। हालांकि डीएपी की मांग अब नहीं के बराबर है।

युवक कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष पद पर त्रिकोणीय मुकाबला

जबलपुर, भोपाल और ग्वालियर में सबसे ज्यादा वोटिंग

जबलपुर।

मध्य प्रदेश युवक कांग्रेस में हुए ऑनलाइन चुनाव ने कई चौंकाने वाले रुझान सामने लाए हैं। सबसे खास बात यह रही कि पूरे प्रदेश में जबलपुर, भोपाल और ग्वालियर में सबसे अधिक वोटिंग दर्ज की गई है। इन शहरों में युवाओं की बढ़ती राजनीतिक सक्रियता ने संगठन में नई ऊर्जा का संकेत दिया है। इस चुनाव का सबसे रोमांचक पहलू प्रदेश अध्यक्ष पद को लेकर है, जहां मुकाबला अब तीन प्रमुख दावेदारों के बीच फंस गया है। पहले नम्बर पर जबलपुर के यश घनघोरिया हैं। दूसरे पर भोपाल अभिषेक परमार और तीसरे नम्बर पर शिवराज यादव ग्वालियर से हैं. शिवराज यादव के चुनावी मैदान में उतरने से मुकाबला और भी दिलचस्प हो गया है, क्योंकि वह वर्तमान छात्र राजनीति के जाने-माने चेहरे हैं और एनएसयूआई में उनकी मजबूत पकड़ मानी जाती है।

15 लाख सदस्य बनाए

युवक कांग्रेस की इस चुनाव प्रक्रिया में प्रदेश में रिकॉर्ड 15 लाख से अधिक सदस्य बनाए गए। हालांकि इनमें से करीब 75 हजार सदस्य ऐसे हैं जिन्होंने सदस्यता शुल्क जमा नहीं किया, जिससे उनका मतदान निरस्त कर दिया गया है। इसके बावजूद यह चुनाव संख्या और प्रक्रिया दोनों के लिहाज से ऐतिहासिक माना जा रहा है।

संगठन में नए जोश की लहर

कांग्रेस के लिए यह चुनाव इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे युवा वर्ग में संगठन के प्रति बढ़ती रुचि और सक्रियता का पता चलता है। तकनीक के सहारे किए गए इस नवाचार ने पारदर्शिता और भागीदारी को भी बढ़ावा दिया है। युवक कांग्रेस के इस नए प्रयोग को लेकर पूरे प्रदेश में उत्साह का माहौल है, खासतौर पर जबलपुर, भोपाल और ग्वालियर जैसे प्रमुख शहरी केंद्रों में इसे जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है। अब सबकी नजरें इस बात पर टिकी हैं कि इस त्रिकोणीय संघर्ष में कौन बाज़ी मारेगा और प्रदेश युवक कांग्रेस को नई दिशा देगा।

2 महीने में गिने जाएंगे 16 लाख वोट

युवक कांग्रेस का यह ऑनलाइन चुनाव 19 जुलाई को मतदान प्रक्रिया के साथ समाप्त हुआ, लेकिन रिजल्ट आने में अभी लगभग दो महीने लग सकते हैं। देरी का कारण है डिजिटल वैरिफिकेशन और स्कूटनी प्रक्रिया, जिसके तहत यह जांचा जाएगा कि प्रत्येक सदस्य ने सभी जरूरी दस्तावेज समय पर और सही तरीके से अपलोड किए हैं या नहीं. वोट डालते समय वीडियो अपलोड किया है या नहीं. सदस्यता प्रक्रिया में निर्धारित शर्तों का पालन किया या नहीं। स्कूटनी के बाद ही प्रदेश अध्यक्ष सहित छह प्रमुख पदोंप्रदेश महासचिव, विधानसभा अध्यक्ष, जिला अध्यक्ष, जिला महासचिव और ब्लॉक अध्यक्षका परिणाम घोषित किया जाएगा।

नागरिकों के लिए है विकास कार्य समर्पित : निगमाध्यक्ष

जबलपुर। रानी अवंती बाई वार्ड के साथ-साथ संस्कारधानी के नागरिकों को एक साथ दो सीमेंट क्रांक्रीट सड़क के साथ-साथ नाला-नालियों के निर्माण कार्यो की सौगात दी गई। निर्माण कार्यो का भूमिपूजन महापौर जगत बहादुर सिंह ''अन्नू'', केन्ट क्षेत्र के विधायक अशोक ईश्वरदास रोहाणी, वार्ड पार्षद एवं निगमाध्यक्ष रिकुंज विज, एम.आई.सी. सदस्य विवेक राम सोनकर, ने कर कार्य प्रारंभ कराया। इस अवसर पर महापौर श्री अन्नू ने बताया कि 1 करोड़ 50 लाख रूपये की लागत से रानी अवंती बाई वार्ड क्रमांक 67 में दुर्गा नगर स्थित पारस किराना से पिन्टू किराना तक एवं कटियाघाट स्थित हनुमान मंदिर से खेरमाई मंदिर तक सड़क निर्माण का कार्य प्रारंभ कराया गया है। इसके साथ-साथ उन्होंने बताया कि वार्ड में पक्की नाला-नालियों के निर्माण कार्यो का भी भूमिपूजन कर कार्य प्रारंभ करा दिया गया है।

भूमिपूजन समारोह के दौरान केन्ट विधानसभा क्षेत्र के विधायक अशोक ईश्वरदास रोहाणी ने भूमिपूजन के उपरांत अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि आज का दिन केन्ट विधानसभा क्षेत्र के नागरिकों के साथ-साथ संस्कारधानी के नागरिकों के लिए एक विशेष दिन है, जिसके अंतर्गत एक साथ दो सड़कों की सौगात और 8 से अधिक वर्षा जल निकासी के लिए नाला-नालियों के निर्माण प्रारंभ कराकर देने का कार्य किया गया है। श्री रोहाणी ने इसके लिए नगर निगम के महापौर एवं अध्यक्ष रिकुंज विज को साधूवाद दिया है।

इस अवसर पर नगर निगम के अध्यक्ष रिकुंज विज ने कहा कि विकास कार्यो की यह सौगात वार्ड के नागरिकों के साथ संस्कारधानी के नागरिकों के लिए समर्पित है। आज इस मौके पर सौराभ गोयल, संतोष बैरागी, श्रवण यादव, विभा उपाध्याय, विशाल तिवारी, मथुरा भाई, भागचंद भैया, पवन यादव, आशीष झरिया, आशीष बर्मन, पारस अहिरवार, घनश्याम, कल्लू, पन्ना बर्मन आदि उपस्थित रहे।

-"नशे से दूरी है जरूरी" : जबलपुर पुलिस का संकल्प बना अभियान

विस्थापित बस्तियों से जेलों तक फैला जनजागरण

हरिभूमि, जबलपुर।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और डीजीपी कैलाश मकवाना के निर्देश पर चल रहे प्रदेशव्यापी नशा मुक्ति अभियान को जबलपुर पुलिस ने ज़मीनी स्तर पर जनआंदोलन का रूप दे दिया है। विशेषकर विस्थापित बस्तियों, छात्रावासों, जेलों और रेलवे स्टेशन से लेकर विश्वविद्यालय हॉस्टलों तक में अभियान के तहत संवाद, नुक्कड़ नाटक, शपथ कार्यक्रम और जनचेतना शिविरों का आयोजन किया गया।पुलिस कप्तान सम्पत उपाध्याय के मार्गदर्शन और एएसपी ग्रामीण सूर्यकांत शर्मा के नेतृत्व में थाना गोराबाजार क्षेत्र के तिलहरी क्षेत्र में बसे दुर्गावती नगर फेस वन एवं टू की विस्थापित बस्तियों में 500 से अधिक लोगों को नशे के दुष्परिणामों की जानकारी दी गई और सामूहिक शपथ दिलाई गई।

जेलों में बदल रही सोच-

उप जेल सिहोरा में 70% बंदियों ने स्वीकारा कि नशा ही अपराध का

कारण बना। टीआई विपिन बिहारी सिंह और जेलर दिलीप नायक की उपस्थिति में आयोजित कार्यक्रम में बंदियों ने पुनः नशा न करने का प्रण लिया। इसी प्रकार उप जेल पाटन में भी बंदियों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई।

नुक्कड़ नाटक से आई चेतना-

एनजीओ विवेचना थियेटर ग्रुप द्वारा झण्डा चौक (ग्वारीघाट), भंवरताल गार्डन (ओमती) और रेलवे स्टेशन (सिविल लाइन) पर प्रस्तुत नुक्कड़ नाटकों ने सैकड़ों लोगों को प्रभावित किया। कलाकार बद्रीश पांडे, आदित्य रकिया, प्रियम पांडे, असिका जैन, नमिता रजक व धुव सिंह की टीम ने जीवंत अभिनय के माध्यम से नशे की सामाजिक और पारिवारिक हानियों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया।

छात्रावासों में पहुंचा अभियान, युवा हुए सजग-

पुलिस द्वारा रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय स्थित सुभाष हॉस्टल, तेवर छात्रावास, कटंगी छात्रावास, टैगोर गार्डन, बिजोरी ग्राम पंचायत सहित कई स्थानों पर विद्यार्थियों को नशे से होने वाले नुकसान बताए गए और "नशे से दूरी है जरूरी" की शपथ दिलाई गई।

पुलिस के प्रयासों से जुड़ रहा समाज

इस समग्र अभियान में एएसपी सिटी/क्राइम आनंद कलादगी, एएसपी जोन-2 अंजना तिवारी, एएसपी ट्रैफिक पल्लवी शुक्ला, सीएसपी सी केंट उदयभान बागरी, डीएसपी सुनील नेमा, डीएसपी आकांक्षा उपाध्याय सहित जबलपुर पुलिस की पूरी टीम पूरी तरह सक्रिय रही।

बच्चों के भविष्य को लेकर स्थानीय समुदाय और अभिभावकों के बीच गहरी चिंता और रोष

पाठशाला के सामने ही संचालित हो रही है मधुशाला

हरिभूमि बरेला।

नगर के संदीपनी शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय शासकीय स्कूल के ठीक सामने संचालित हो रही एक शराब की दुकान ने स्थानीय समुदाय और अभिभावकों के बीच गहरी चिंता और रोष पैदा कर दिया है। यह स्थिति न केवल बच्चों के नाजुक भविष्य को खतरे में डाल रही है, बल्कि उन्हें ऐसे असहज और मासूम सवाल पूछने पर मजबूर कर रही है, जिनके जवाब माता-पिता के पास भी नहीं हैं।

शराब की बोतलों पर "शराब पीना स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है" जैसी स्पष्ट चेतावनियां छपी होती हैं। वहीं, स्कूलों में भी शिक्षकों द्वारा बच्चों को नशे के गंभीर दुष्प्रभावों और जीवन के लिए खतरों के बारे में लगातार जागरूक किया जाता है। बावजूद इसके, बरेला शासकीय स्कूल के छात्र रोजाना स्कूल के सामने शराब की दुकान और उसके विज्ञापनों को देखकर घर लौटते हैं, और फिर अपने माता-पिता से ऐसे सवाल पूछते हैं जो उन्हें निरुत्तर कर देते हैं।

मासूमों के सवाल, अभिभावकों की चुप्पी

दारू कैसी होती है?, इसका स्वाद कैसा होता है?, "नशा कैसा होता है? - ये कुछ ऐसे मासूम सवाल हैं जो इन दिनों बरेला के अभिभावकों को गहरी चिंता में डाल रहे हैं। परिजन अपने बच्चों को यह तो समझाते हैं कि नशा सेहत के लिए अच्छा नहीं होता और यह जिंदगी के लिए एक बड़ा खतरा है। लेकिन, बच्चों के मन में एक और बड़ा सवाल है जो उन्हें लगातार परेशान कर रहा है: "जब दारू से इतना नुकसान है तो उसके विज्ञापन स्कूल के ठीक सामने क्यों लगे हैं? बच्चों के ऐसे सीधे, तार्किक और मार्मिक सवालों पर माता-पिता अक्सर चुप हो जाते हैं, क्योंकि उनके पास इस विरोधाभास का कोई संतोषजनक जवाब नहीं होता।

प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप और कार्रवाई की मांग

स्थानीय निवासियों, अभिभावक संघों और सामाजिक संगठनों ने इस गंभीर मुद्दे पर स्थानीय प्रशासन और संबंधित आबकारी विभागों से तत्काल ध्यान देने और ठोस कार्रवाई करने की मांग की हबच्चों के सुरक्षित भविष्य को देखते हुए इस शराब की दुकान को स्कूल के सामने से तुरंत हटाया जाना चाहिए, या कम से कम उसके स्थान को परिवर्तित किया जाना चाहिए ताकि बच्चों को ऐसे दृश्यों से बचाया जा सके। यह एक बेहद संवेदनशील और गंभीर मामला है जिस पर शीघ्र कार्रवाई की नितांत आवश्यकता है, ताकि स्कूली बच्चों को एक सुरक्षित, स्वस्थ और सकारात्मक शैक्षणिक वातावरण मिल सके।

बच्चों के मानसिक और नैतिक विकास पर गहरा नकारात्मक प्रभाव

शिक्षाविदों और बाल मनोवैज्ञानिकों का मानना है कि स्कूल के ठीक सामने शराब की दुकान का होना बच्चों की शिक्षा और उनके कोमल मन पर बेहद नकारात्मक प्रभाव डालता है। यह स्थिति उनके भीतर एक भ्रम पैदा करती है और उन्हें गलत धारणाओं की ओर धकेल सकती है। कम उम्र में शराब और उसके विज्ञापनों से सीधे संपर्क में आने से बच्चों के मानसिक और नैतिक विकास पर गंभीर चुनौती आती है। ऐसी स्थिति से न केवल उनकी पढ़ाई-लिखाई प्रभावित हो सकती है, बल्कि उनके भविष्य पर भी दीर्घकालिक नकारात्मक असर पड़ने की प्रबल आशंका है, जिससे वे गलत रास्ते पर जा सकते हैं।

उपजेल में नशा मुक्त जागरुकता अभियान

सिहोरा। पुलिस थाना सिहोरा द्वारा नशा मुक्त जन जागरुकता अभियान के अंतर्गत उप जेल में नशे से दूरी है जरूरी, नशे को कहें न के सम्बन्ध में उप जेल के बंदियों को अभियान के तहत नशे से होने वाले दुष्परिणामों के संबंध में अवगत कराते हुए नशे से दूरी बनाकर रखने हेतु समझाइश देने के साथ उनके मित्रों परिवारजनों एवं अन्य को भी जागरूक करने के सम्बन्ध में बताया गया।बंदियों से जब इस संबंध में चर्चा की गई तो लगभग 70 प्रतिशत बंदियों ने नशे की हालत में अपराध करना स्वीकार किया। लेकिन उन्होंने अधिकारियों को आश्वस्त किया वे अब हमेशा नशे से दूर रहेंगे। इस अवसर पर उपजेल के जेलर दिलीप नायक सहित उपजेल एंव पुलिस थाने का स्टाफ भी उपस्थित रहा।

प्रकृति संरक्षण के लिए नवांकुर सखी महत्वपूर्ण कदम

पाटन। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद जिला जबलपुर पाटन विकास खंड के सकरा सेक्टर की अनीता बाई जनकल्याण नवांकुर संस्था के संयोजन में नवांकुर सखी यात्रा का आयोजन ग्राम बनबार में आयोजित हुआ, जिसमे मंडल महामंत्री शिव कुमार चौबे विकास खंड समन्वयक नूपुर खरे एवं सचिव गौरी ठाकुर ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का सुभारंभ किया। मुख्य वक्ता युवा समाजसेवी रामनारायण सिंह ने संबोधित करते हुए कहा की नवांकुर सखी यात्रा प्रकृति संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण कदम है।

श्रीगंगेश्वर रुद्राभिषेक परिवार की तृतीय कांवड यात्रा संपन्न

जबलपुर। श्री गंगेश्वर रुद्राभिषेक परिवार तिलवाराघाट जबलपुर म.प्र की तृतीय कांवड यात्रा संपन्न हुई। रविवार को गौरीघाट (उमाघाट) से स्वयं भूः सिद्धपीठ गुप्तेश्वर महादेव मंदिर में संपन्न हुई । कार्यक्रम के संयोजक पंडित रामाधार प्यासी रहे। इस आयोजन में आचार्य संजय तिवारी , मनोज गौतम, संजय शुक्ला , संदीप शुक्ला , हरि मिश्रा , अजय देव चौबे , संध्या प्यासी , अंजू गौतम, मेघना मिश्रा, हर्षिता प्यासी , शुभांगी प्यासी , शिल्पी , आयुष गौतम , अंशुल गौतम, सत्यम पांडेय, मीरा नामदेव , ममता गोस्वामि , आरती गोस्वामि , लक्ष्मी, माया , संगीता शर्मा , राजकुमार सेन , अनीता पटेल, शीला तिवारी , मुन्नी पटेल आदि का सहयोग प्राप्त हुआ।

सिहोरा में विशाल कांवड़ यात्रा आज, बाबाताल में होगा भोलेनाथ का जलाभिषेक

सिहोरा। आज सावन के तीसरे सोमवार को बाबा भोलेनाथ की कांवड यात्रा का आयोजन लगातार 14 वें वर्ष किया जा रहा है जो सुबह 9 बजे नृसिंह मंदिर हिरन नदी घाट से जल भरकर प्रारंभ होगी। यात्रा रेलवे फाटक,खितौला बाजार,खितौला तिराहा,पेट्रोल पंप तिराहा,बाबाताल,हरदौल मंदिर,मैना कुआं,महावीर चौक,कालभैरव चौक,झंडा बाजार,आजाद चौक,स्टेड बैंक चौराहा,पुराना बस स्टैंड होते हुए शिव मंदिर बाबाताल सिहोरा में समाप्त होगी। बाबाताल सरकार को जलाभिषेक करने के बाद यहीं पर विशाल भंडारे का भी आयोजन किया गया है। कावड़ यात्रा आयोजन समिति के अनुसार श्रद्धालुओं को कांवड निःशुल्क प्रदान की जावेगी। अतः सभी श्रद्धालुओं से निवेदन है कि अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कांवड यात्रा को सफल बनायें तथा पुण्य लाभ अर्जित करें। इसी तरह आज तीसरे सोमवार को भी शिवमंदिर बाबाताल में ब्राह्मण समाज सिहोरा के तत्वावधान में विशाल पार्थिव शिवलिंग निर्माण होगा।

आयुषीधरा कॉलोनी में हुआ संकीर्तन

जबलपुर। चैतन्य महाप्रभु संकीर्तन मंडल के संयोजक देवेंद्र नेमा ने बताया कि श्रावणमास पर अनवरत घरों घर हरिनाम संकीर्तन भक्तिभाव हर्षोल्लास पूर्वक जारी है,संकीर्तन अनुष्ठान के 17वें दिवस आज आयुषीधरा कॉलोनी सगड़ा स्थित भावना मरावी(अति.पुलिस अधीक्षक) के आवास पर भव्य आयोजन पूजन अर्चन कर राधा कृष्ण के आह्वान के बाद सुमधुर कीर्तन वीर हनुमाना हर हर महादेव की गूंज,पुष्प वर्षा कर महाआरती के साथ हरि संकीर्तन संपन्न हुआ।इस अवसर पर संकीर्तनाचार्य पं. मनमोहन दुबे,प्रभाकर चतुर्वेदी,अवधेश खरे,प्रभा दुबे,कुसुम मरावी मिश्रा,सविता पाठक, कीर्ति अधिकारी,सत्यप्रकाश नामदेव,मंगलसिंह पटेल,पप्पू चौबे,अवधेश गौतम, विश्नोई,राजेंद्र सोनी,देवेंद्र नेमा उपस्थित रहे। आज 18वें दिवस श्री नवीन श्रीवास्तव के निवास मदनमहल में प्रातः 8.30 बजे संकीर्तन आयोजित है,समस्त भक्तजनों से उपस्थिति का अनुरोध है।

आयोजित किया गया हरियाली तीज का कार्यक्रम

बरेला। पनागर विधायक सुशील तिवारी के मार्गदर्शन में, समाजसेवी श्रीमति माया इंदु तिवारी की उपस्थिति में नगर की महिलाओं के साथ हरियाली तीज का कार्यक्रम सुहाग वितरण कर भजनों के बीच भोलेनाथ की भक्ति में लीन होकर बड़ी संख्या में मातृशक्ति ने सावन माह का उत्सव मनाया। महिलाओं के साथ हरियाली तीज का कार्यक्रम में सुहाग वितरण कर भजनों के बीच भोलेनाथ की भक्ति में लीन होकर बड़ी संख्या में मातृशक्ति ने सावन माह हरियाली तीज कार्यक्रम बड़े ही हर्ष उल्लास आनंद भक्ति भाव के वातावरण में मनाया गया।कार्यक्रम में जबलपुर की सुप्रसिद्ध वाणी सिस्टर ने मनमोहक प्रस्तुति दी।आयोजन में सोनम सोनकर,दिव्या जैन,पिंकी पटेल,किरण रैकवार,दिव्या दुबे,ममता बर्मन, शारदा बर्मन,ज्योति ठाकुर,मोहिनी साहू,रोशनी विश्वकर्मा,रामवती चक्रवाती,निशा तिवारी,मनीषा साहू, जया दुबे,रागनी विश्वकर्मा,पिंकी विश्वकर्मा,प्रियांशी श्रीवास्तव,मीना दुबे,स्वाति जैन, वंदना रैकवार,आदि महिलाएं उपस्थित रही।

शिव महापुराण कथा की निकाली गई कलश शोभायात्रा

मझौली। रविवार को विशाल कलश शोभा यात्रा गांधी भवन मझौली से नगर के मुख्य मार्गों से होते हुए भगवान विष्णु वाराह मंदिर पहुंची जहां पर पुजन अर्चन कर बचैया रोड से होते हुए वापस कथा स्थल गांधी भवन मझौली पहुंची। भगवान विष्णु वाराह की अशीम कृपा से एवं भरभरा आश्रम श्री श्री 1008 वनवारी दास महाराज के आशीर्वाद से शिव महापुराण कथा का आयोजन किया गया है। जिसमें प्रतिदिन सुबह 8 बजे से 10 बजे तक पार्थिव शिवलिंग निर्माण रूद्राभिषेक किया जाएगा। दोपहर बाद 3 बजे से शाम 6 बजे तक शिव महापुराण कथा वाचक आकर्षणजी महाराज के द्वारा किया जाएगा। यह आयोजन गोविंद सरकार सेवा समिति मझौली एवं नगर वासियों के द्वारा किया गया है जिसमें भक्त गणों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचे कर पुन्य लाभ की अपील की गई है।

गांधीग्राम में दूसरे दिन भी हजारों पार्थिव शिवलिंग का किया गया निर्माण-पूजन

सिहोरा। गांधीग्राम स्थित प्रसिद्ध बंजारी माता मंदिर में दूसरे दिन भी शिवभक्तों ने हजारों पार्थिव शिवलिंग निर्माण कर उनका विधिवत पूजन-पाठ कर विसर्जन किया गया।

भक्तों की संख्या ज्यादा, कोपर तक कम पड़ी

शिवलिंग निर्माण करने वाले भक्तों की संख्या इतनी अधिक थी की निर्माण के लिए पीतल की कोपरें भी कम पड़ गईं। पूरा मंदिर परिसर, पंडालों के प्रत्येक कोने मंदिर के धर्मशाला स्थल और परिक्रमा स्थल श्रद्धालुओं से खचाखच भरा रहा। सभी ने पूरे भक्तिभाव से पार्थिव शिवलिंग का निर्माण किया।गृहस्थ संत पंडित देवप्रभाकर शास्त्री के सुपुत्र डॉ.अनिल शास्त्री वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पार्थिव शिवलिंग का अभिषेक और पूजन संपन्न कराया।

विभिन्न जिलों से पहुंच रहे शिष्य गण

प्रदेश में दद्दा के शिष्यों की संख्या बहुत अधिक है तो सभी जिलों से इस धार्मिक आयोजन में हिस्सा लेने भक्त गण बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं।आज सिहोरा विधायक संतोष बरकड़े,भाजपा जिला उपाध्यक्ष पुष्पराज सिंह बघेल, पूर्व जनपद अध्यक्ष प्रताप सिंह बघेल,अशोक दीक्षित (छतरपुर),मोहन केशरवानी (कटनी), उदय प्रताप सिंह (पाटन), बीडीसी धर्मेन्द्र सिंह राजपूत और जेएमडी समूह के गोलू सिंह राजपूत ने भी पार्थिव शिवलिंग का निर्माण किया। मंच से पंडित अनिल शास्त्री का सम्मान भी किया गया।

श्रमजीवी पत्रकार परिषद समाज कल्याण प्रकोष्ठ ने किया वृक्षारोपण

जबलपुर। एक एक पेड़ को मिलाकर ही उद्यान, वाटिका या जंगल बनता है और आने वाली पीढ़ी के लिए हमें पौधों को न सिर्फ लगाना होगा बल्कि उनका संरक्षण और संवर्धन भी करना होगा, यह बात राष्ट्रीय श्रमजीवी पत्रकार परिषद द्वारा आयोजित वृहत पौधारोपण कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए विधायक डॉ अभिलाष पाण्डेय ने क्षत्रपति वीर शिवाजी महाराज पार्क में कही। पर्यावरण संरक्षण एवं जलवायु परिवर्तन के प्रति जन-जागरूकता को सशक्त बनाने हेतु राष्ट्रीय श्रमजीवी पत्रकार परिषद के पैनल तले पूरे प्रदेश में 21000 पौधों के रोपण का संकल्प लिया था। इस महा अभियान का शुभारंभ गत दिवस पीपुल्स फोरम की विशिष्टय सहभागिता से किया गया था। और फिर इस क्रम को प्रदेश के 24 जिलों मे वहां की टीम के द्वारा सामाजिक संस्थाओ की मदद से निरंतर किया जा रहा है। इसी क्रम मे जबलपुर मे तीसरी बार 'पौधरोपण महाअभियान' का शुभारम्भ विजय नगर मे श्रमजीवी पत्रकार परिषद, क्षत्रिय मराठा समाज के पदाधिकारियों व सदस्यों द्वारा दीनदयाल चौक, विजय नगर स्थित एल आई सी ऑफिस के नजदीक क्षत्रपति वीर शिवाजी महाराज पार्क में वृक्षारोपण कार्यक्रम मे नगर निगम अध्यक्ष रिंकू विज पार्षद कमलेश अग्रवाल, पार्षद अर्चना सिसोदिया के मुख्य आतीथ्य एवं परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष परमानंद तिवारी, राष्ट्रीय संयोजक नलिन कांत वाजपेई की अध्यक्षता तथा परिषद के प्रदेश मुख्य महासचिव विलोक पाठक, प्रदेश संगठन महासचिव अनुरोध पटेरिया, समाज कल्याण प्रकोष्ठ के प्रदेश महासचिव तरुण सोनाने, संभागीय अध्यक्ष पंडित चंद्रशेखर शर्मा, प्रदेश प्रवक्ता उमेश शुक्ला,जिला अध्यक्ष सिमरन सिँह की विशिष्ट उपस्थिति में किया गया।

सिहोरा में विगत 12 वर्षो से पकड़ रहे विषधर

सर्प विशेषज्ञों को पूर्व विधायक दिलीप दुबे ने प्रदान की किट

सिहोरा। नगर हित ग्रामीण क्षेत्रों में बीते 12 वर्षों से हजारों की संख्या विषैले सांपों को पड़कर निशुल्क सेवा देने वाले सर्प विशेषज्ञों को पूर्व विधायक दिलीप दुबे ने सर्प पकड़ने की किट प्रदान की। नगर के सौरभ सरावगी,मनोज तिवारी,आशीष सोनी लंबे समय से हजारों की संख्या में जहरीले सांपों को पकड़ रहे थे। लेकिन जहरीले सांपों, गुहेरा,गोह को पकड़ने के लिए उनके पास कोई किट नहीं थी ऐसे में पूर्व विधायक दिलीप दुबे ने सर्प विशेषज्ञों को निशुल्क किट प्रदान की। इस अवसर पर पार्षद अंकुश नायक,सुप्पी बर्मन, विजय श्रीपाल,मीतू खत्री,अनिल पिल्लई,सोनू कठल,दिनेश गुप्ता,प्रभात मिश्रा,निखिल राय, चिंकी सोनी,सजल, हर्ष आदि उपस्थित थे। यदि किसी के घर में सर्प,गुहेरा,गोह निकलती है तो उन्हें पकड़ने के लिए संबंधित आमजन सौरव सरावगी के मोबाइल नंबर 9826613447,मनोज तिवारी के मोबाइल नंबर 9977737045 पर संपर्क कर सकते हैं।

श्रीमती जसवंत काण्डा- सैनिक सोसायटी शक्तिनगर गुप्तेश्वर निवासी श्री सुरेंद्रपाल सिंह काण्डा की धर्मपत्नी श्रीमती जसवंत काण्डा (85) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री उत्तम सिंह राजपूत- समदड़िया कॉलोनी कांचघर निवासी श्री उत्तम सिंह राजपूत (74) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री छोटे लाल कोरी- सिद्धबाबा वार्ड निवासी श्री छोटे लाल कोरी (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री भुवनेश्वर नाथ- भीम नगर पोलीपाथर निवासी श्री भुवनेश्वर नाथ (79) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री जीवन लाल पासी- एमईएस रोड सदर केंट निवासी श्री जीवन लाल पासी (94) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्रीमती सुखमंती बाई कोल- जाग्रति नगर अमखेरा रोड निवासी श्री मुन्ना लाल कोल की धर्मपत्नी श्रीमती सुखमंती बाई कोल (85) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

सुश्री मौसमी देव- बंगाली काली बाड़ी गुप्तेश्वर निवासी श्री गोपाल कृष्ण देव की पुत्री सुश्री मौसमी देव (58) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

हरिभूमि
निजी/शोक/उठावना, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
मात्र 90/- प्रति वर्ग सें.मी.
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:- 9303508294, 9407362100

खबर संक्षेप

मांग से तेल-तिलहन की कीमतों में आया सुधार

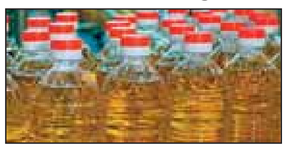

नई दिल्ली। त्योहारों का मौसम नजदीक आने के बीच मांग सुधरने के कारण घरेलू तेल-तिलहन बाजार में बीते सप्ताह सरसों एवं सोयाबीन तेल-तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तेल तथा बिनौला तेल के दाम मामूली सुधार दर्शाते बंद हुए। मूंगफली तेल के भाव पूर्व सप्ताह के बंद स्तर पर स्थिर बने रहे।

बाजार पूंजीकरण में रिलायंस को सबसे ज्यादा नुकसान

नई दिल्ली। सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से छह के बाजार पूंजीकरण में बीते सप्ताह सामूहिक रूप से 2.22 लाख करोड़ रुपये की गिरावट आई। शेयर बाजार में गिरावट के रुख के बीच सबसे ज्यादा नुकसान रिलायंस इंडस्ट्रीज को हुआ। पिछले सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 294.64 अंक या 0.36 प्रतिशत नीचे आया।

रेपोनो का एसएमई आईपीओ 28 से 30 जुलाई तक रहेगा खुला

Repono

नई दिल्ली। वेयरहाउसिंग और लिक्विड टर्मिनल समाधान प्रदाता रेपोनो ने अपने 26.6 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम् रके लिए 91-96 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। कंपनी का आईपीओ 28 जुलाई यानी सोमवार को खुलेगा। रेपोनो लिमिटेड ने बयान में कहा कि आईपीओ 30 जुलाई को बंद होगा।

लोढ़ा डेवलपर्स आवासीय योजना करेगी शुरू

नई दिल्ली। रियल्टी कंपनी लोढ़ा डेवलपर्स लिमिटेड आवास बाजार में वृद्धि संभावनाओं को लेकर आशान्वित है और वहउपभोक्ताओं की मांग को पूरा करने के लिए अगले मार्च तक 17,000 करोड़ रुपये की आवासीय परियोजनाएं शुरू करने की योजना बना रही है। कोविड महामारी के बाद देखी जा रही आवासीय संपत्तियों की उच्च मांग आगे भी बनी रहेगी।

एनडीटीवी का घाटा जून तिमाही में बढ़कर 70.31 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। अदाणी समूह की मीडिया कंपनी एनडीटीवी का चालू वित्त वर्ष की जून तिमाही में एकीकृत शुद्ध घाटा बढ़कर 70.31 करोड़ रुपये हो गया। नयी दिल्ली टेलीविजन लिमिटेड (एनडीटीवी) ने इस तिमाही नतीजे की सूचना दी। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में उसका एकीकृत शुद्ध घाटा 47.11 करोड़ रुपये रहा था।

विदेशी मुद्रा भंडार घटकर 695.49 अरब डॉलर आया

मुंबई। भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 18 जुलाई को समाप्त सप्ताह में 1.18 अरब डॉलर घटकर 695.49 अरब डॉलर रहा। इससे पिछले सप्ताह में कुल विदेशी मुद्रा भंडार 3.06 अरब डॉलर घटकर 696.67 अरब डॉलर रहा था। विदेशी मुद्रा भंडार सितंबर 2024 के अंत में 704.88 अरब डॉलर के अबतक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था। जारी आंकड़ों के अनुसार, 18 जुलाई को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का प्रमुख घटक, विदेशी मुद्रा आस्तियां 1.20 अरब डॉलर घटकर 587.61 अरब डॉलर रही।

टीसीएस करने जा रहा 12,000 कर्मचारियों की छंटनी, एआई बनी बड़ी वजह

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

देश की दिग्गज आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) छंटनी करने जा रही है। कंपनी अपने पूरे वर्क फोर्स का 2 प्रतिशत (करीब 12000) कर्मचारियों को निकाल सकती है। टीसीएस की तरफ से यह छंटनी अगले साल की जा सकती है।

- टेक्नोलॉजी की वजह से हो रहे बदलाव के लिए कंपनी अपने को कर रही तैयार

टेक्नोलॉजी की वजह से हो रहे बदलाव में अपने आपको तत्पर और भविष्य के लिए तैयार रहने के लिए यह प्रयास हो रहे हैं। 'एआई और ऑपरेटिंग मॉडल में नई टेक्नोलॉजी की तरफ शिफ्ट कर रहे हैं। हम काम करने के अपने तरीक को बदल रहे हैं। हमें अपने आपको तत्पर रखना होगा।' उन्होंने कहा कि हम बड़े स्तर पर एआई का प्रयोग कर रहे हैं। साथ ही हम स्किल्स का मूल्यांकन भी कर रहे हैं जिनकी हमें भविष्य में जरूरत पड़ेगी।

कंपनी पूरे वर्क फोर्स के दो प्रतिशत कर्मचारियों को निकाल सकती है

छह लाख से अधिक कर्मचारी कार्यरत

टीसीएस में जून के अंत तक 6,13,000 कर्मचारी थे। इस हिसाब से देखें तो 2 प्रतिशत करीब 12000 कर्मचारियों के बराबर होगा। बता दें, के. कृतिवासन ने कहा, 'यह एक कठिन फैसला है। लेकिन मजबूत टीसीएस के लिए हमें यह फैसला लेना होगा।' टीसीएस ने अभी कुछ हफ्ते पहले ही कर्मचारियों की बेंच नीति में बदलाव किया था। नए नियम के तहत कर्मचारियों को कम से कम 225 दिन बिल योग्य रखने होंगे। वहीं, बेंच समय 35 दिन से कम रखना होगा।

नई पॉलिसी

नई पॉलिसी के तहत कर्मचारियों को एक साल में कम से कम 225 बिलेबल डेज मेंटेन करने होंगे। इसका मतलब है कि उन्हें कम से कम 225 बिजनेस डेज ऐसे प्रोजेक्ट पर रहना होगा, जिससे कंपनी को रेवेन्यू मिलेगा। साथ ही बेंच पर रहने की अवधि अब 35 दिन तक सीमित रहेगी। प्रोजेक्ट से दूरी के टाइम को बेंच होल्डिंग टाइम कहा जाता है।

सीईओ ने अब तक का सबसे कठिन फैसला बताया

के. कृतिवासन कहते हैं, 'हमने अपने सहयोगियों के करियर ग्रोथ में बड़ा निवेश किया है। लेकिन फिर भी हम पा रहे हैं कि कई भूमिकाओं की जरूरत भविष्य में नहीं पड़ेगी। ग्लोबल वर्कफोर्स के 2 प्रतिशत हिस्से पर इसका असर पड़ेगा। बतौर सीईओ यह मेरे लिए अब तक का सबसे कठिन फैसला होगा।' बता दें, के. कृतिवासन ने कहा कि मिडिल और सीनियर लेवल के कर्मचारियों पर इस फैसले का असर पड़ेगा।

भारत ने एफटीए के तहत कई ब्रिटिश वस्तुओं पर शुल्क रियायतें दी

भारत ने ब्रिटेन के पेस्ट्री, पालतू पशुओं के भोजन व सौंदर्य प्रसाधन पर शुल्क में राहत की पेशकश की

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

भारत ने हाल ही में हस्ताक्षरित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के तहत पेस्ट्री, पालतू पशुओं के भोजन, सौंदर्य प्रसाधन और माइक्रोवेव ओवन सहित कई ब्रिटिश वस्तुओं पर शुल्क में रियायतें दी हैं, जबकि घरेलू हितों की रक्षा के लिए संवेदनशील क्षेत्रों को इससे बाहर रखा है।

पिछले बृहस्पतिवार को हस्ताक्षरित व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौता (सीईटीए) केक, प्रोटीन कॉन्संट्रेट, पशुओं के भोजन, साबुन, शेविंग क्रीम, डिटर्जेंट, और एयर कंडीशनर (एसी) व वाशिंग मशीन जैसे घरेलू उपकरणों जैसे ब्रिटिश उत्पादों तक शुल्क-मुक्त पहुंच प्रदान करता है।

ब्रिटिश कंपनियों से प्रतिस्पर्धा के लिए पर्याप्त समय

हालांकि, ये रियायतें विभिन्न क्षेत्रों में चरणबद्ध तरीके से दी जा रही हैं ताकि भारतीय उद्योग को ब्रिटिश कंपनियों से बढ़ती प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार होने का पर्याप्त समय मिल सके।यह समझौता लगभग एक वर्ष में लागू होगा क्योंकि इसके लिए ब्रिटिश संसद की मंजूरी आवश्यक है।

घरेलू हितों की रक्षा के लिए संवेदनशील क्षेत्रों को बाहर रखा ▷ **भारत को ब्रिटिश उत्पादों तक शुल्क-मुक्त पहुंच प्रदान करता है** ▷ **ये रियायतें विभिन्न क्षेत्रों में चरणबद्ध तरीके से दी जा रही हैं**

कच्चे माल में चरणबद्ध रियायतें शामिल

जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा, "इस समझौते में विभिन्न क्षेत्रों- चॉकलेट और उपभोक्ता उपकरणों से लेकर औद्योगिक कच्चे माल तक में चरणबद्ध रियायतें शामिल हैं, जबकि रणनीतिक रूप से चाय, कॉफी और सोने जैसी संवेदनशील वस्तुओं को इससे बाहर रखा गया है। भारत कॉफी और चाय पर 110 प्रतिशत का भारी शुल्क लगाता है।

पेस्ट्री, केक पर लगता है 33 फीसदी कर

पेस्ट्री, केक और प्रोटीन कॉन्संट्रेट जैसे स्नैक आइटम, जिन पर क्रमशः 33 प्रतिशत और 44 प्रतिशत कर लगता है, 10 साल की अवधि में शुल्क-मुक्त हो जाएंगे। प्रसंस्कृत खाद्य श्रेणी में, पालतू जानवरों के भोजन, जिन पर वर्तमान में 22 प्रतिशत कर लगता है, को सात वर्षों के भीतर पूर्ण शुल्क समाप्ति का लाभ मिलेगा।

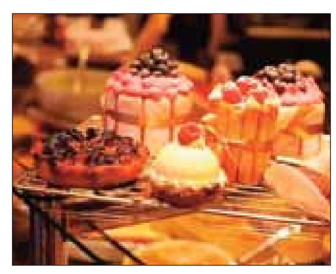

90 फीसदी वस्तुओं पर आयात शुल्क समाप्त होगा

आर्थिक शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) के विश्लेषण के अनुसार, भारत ने ब्रिटेन से आयातित लगभग 90 प्रतिशत वस्तुओं पर आयात शुल्क कम करने या समाप्त करने की प्रतिबद्धता जताई है।

शुल्क को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने की योजना

इन वस्तुओं को सीईटीए के तहत किसी भी शुल्क राहत से बाहर रखा गया है, जो घरेलू किसानों और खाद्य प्रसंस्करणकर्ताओं की सुरक्षा के भारत के प्रयासों को दर्शाता है। शुल्क को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने की योजना अलग-अलग समय-सीमाओं में बनाई गई है। उदाहरण के लिए, चॉकलेट, जिस पर वर्तमान में 33 प्रतिशत आयात शुल्क लगता है, पर अगले सात वर्षों में समान वार्षिक कटौती के साथ यह शुल्क शून्य हो जाएगा।

रासायनिक निर्यात को बढ़ावा मिलेगा

केमेक्सिल ने रविवार को कहा कि भारत और ब्रिटेन के बीच मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) देश के रासायनिक निर्यात और घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने में मदद करेगा। इस समझौते से रसायन क्षेत्र की कई उत्पाद श्रेणियों को ब्रिटेन में शुल्क मुक्त पहुंच मिलेगी। रसायन निर्यातकों के संगठन केमेक्सिल ने कहा कि व्यापार समझौते के तहत रसायन क्षेत्रों की 1,000 से अधिक शुल्क लाइन या उत्पाद श्रेणियों को ब्रिटेन के बाजार में शून्य शुल्क पहुंच दी गई है।

अमेरिकी बाजार से उत्पाद वापस मंगा रही तीन भारतीय कंपनियां

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

- विनिमार्ण संबंधी समस्यों व उत्पाद मिश्रण है कारण
- सन फार्मा, ल्यूपिन और डॉ. रेड्डीज मंगा रही दवाएं

घरेलू दवा कंपनियां सन फार्मा, ल्यूपिन और डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज विनिर्माण संबंधी समस्याओं और उत्पाद मिश्रण के कारण अमेरिकी बाजार से अपनी दवाएं वापस ले रही हैं। अमेरिकी स्वास्थ्य नियामक ने यह जानकारी दी है। अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन की नवीनतम प्रवर्तन रिपोर्ट के अनुसार, मुंबई की सन फार्मास्युटिकल इंडस्ट्रीज अमेरिका में एक जेनेरिक दवा की 5,448 बोतलें वापस मंगा रही है।प्रिंसटन स्थित सन फार्मास्युटिकल इंडस्ट्रीज इंक लिस्डेक्सामफेटामाइन डाइमेसिलेट कैप्सूल (60 मिलीग्राम) के प्रभावित लॉट को वापस मंगा रही है। इसने कहा कि दवा कंपनी ने इस साल 16 जून को अमेरिका में इस दवा के लिए वापसी प्रक्रिया शुरू की है। मुंबई की एक अन्य दवा निर्माता कंपनी ल्यूपिन उच्च रक्तचाप के इलाज में इस्तेमाल होने वाली एक जेनेरिक संयोजन दवा की 58,968 बोतलें वापस मंगा रही है।

ओमेप्राजोल की दवा वापस मंगा रही

अमेरिकी स्वास्थ्य नियामक ने कहा कि डॉ रेड्डीज लैबोरेटरीज ओमेप्राजोल विलंबित-रिलीज कैप्सूल की 1,476 बोतलें वापस मंगा रही है। इस दवा का उपयोग पेट संबंधी कुछ समस्याओं के इलाज के लिए किया जाता है। यूएसएफडीए ने बताया कि प्रिंसटन स्थित डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज, इंक. ने 30 जून, 2025 को इस दवा को वापस मंगाने की प्रक्रिया शुरू की है।

आरबीआई के ताजा बुलेटिन में कहा गया

कुछ सरकारी बैंकों की बचत जमा दरें ऐतिहासिक रूप से निचले स्तर पर

एजेंसी ⏭ मुंबई

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के ताजा बुलेटिन के अनुसार 2011 में विनियमन मुक्त होने के बाद से सार्वजनिक क्षेत्र के कुछ बैंकों (पीएसबी) की बचत जमा दरें ऐतिहासिक रूप से निचले स्तर पर हैं।

पीएसबी और निजी क्षेत्र के बैंकों, दोनों की नई जमाओं के लिए भारित औसत घरेलू सावधि जमा दरों में उल्लेखनीय गिरावट आई है। आरबीआई के जुलाई बुलेटिन में प्रकाशित एक लेख में कहा गया है, ''इस समय सार्वजनिक क्षेत्र के कुछ बैंकों की बचत जमा दरें 2011 में विनियमन मुक्त होने के बाद से ऐतिहासिक रूप से निचले स्तर पर हैं। आरबीआई ने अक्टूबर, 2011 में बचत बैंक जमा ब्याज दर को विनियमन मुक्त कर दिया था, और बैंकों को अपनी इच्छानुसार ब्याज दर निर्धारित करने की अनुमति दी थी।

दो प्रतिशत तक कम हुई : इसके साथ ही कोष की सीमांत लागत आधारित ऋण दर में 0.1 प्रतिशत की कमी की गई। ऐसे में वाणिज्यिक बैंकों के नए और बकाया रुपया ऋणों पर भारित औसत कर्ज दरें फरवरी-मई, 2025 के दौरान क्रमशः 0.26 प्रतिशत और 0.18 प्रतिशत कम हुईं। इस अवधि में नई और बकाया जमाओं पर भारित औसत घरेलू सावधि जमा दरें क्रमशः 0.51 प्रतिशत और दो प्रतिशत तक कम हुईं।

माइंडस्पेस रीट ने मैक सॉफ्टटेक में किया 100 प्रतिशत अधिग्रहण

नई दिल्ली। रियल एस्टेट निवेश ट्रस्ट माइंडस्पेस बिजनेस पार्क्स रीट ने 512 करोड़ रुपये में मैक सॉफ्टटेक प्राइवेट लि. (एमएसटीपीएल) में 100 प्रतिशत हिस्सेदारी के अधिग्रहण की घोषणा की है। कंपनी ने एक बयान में यह कहा। मैक सॉफ्टटेक की हैदराबाद में 'क्यू सिटी' के नाम से 8.1 लाख वर्ग फुट की वाणिज्यिक संपत्ति है। इस अधिग्रहण के साथ माइंडस्पेस बिजनेस पार्क्स रीट (एमरीट) हैदराबाद के वित्तीय जिले में प्रवेश कर गयी है। के रहेजा कॉर्प समूह प्रायोजित एमरीट के पास देश के चार प्रमुख कार्यालय बाजारों...मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर), पुणे, हैदराबाद और चेन्नई में उच्च-गुणवत्ता वाले ग्रेड ए कार्यालय हैं। कंपनी का यह रणनीतिक अधिग्रहण माइंडस्पेस रीट का अपने पोर्टफोलियो पार्क्स के बाहर पहला तृतीय पक्ष परिसंपत्ति का अधिग्रहण है।

सोना बीते 6 साल में 200 प्रतिशत उछला

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

सोने की कीमत में हाल के दिनों में बड़ा उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। पिछले छह वर्षों में अगर देखों तो इस पीली धातु की कीमतों में 200 प्रतिशत का उछाल आया है।

साल 2019 के मई के महीने में जहां प्रति 10 ग्राम सोने की कीमत 30,000 रुपये थी। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि अब ये 2025 के जून में बढ़कर एक लाख रुपये के भी पार कर चुकी है। सोने ने इस साल भी जबरदस्त रिटर्न दिया है। दरअसल, एमसीएक्स पर सोने का भाव 2019 के मई में प्रति 10 ग्राम 32,000 रुपए था जो इस समय बढ़कर प्रति 10 ग्राम 97,800 रुपए हो चुका है। यानी छह साल के दौरान 200 प्रतिशत का निवेशकों को जबरदस्त रिटर्न दिया है। इन छह वर्षों में सोने ने अन्य निवेश विकल्पों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया है। इस साल एमसीएक्स पर सोना करीब 30 प्रतिशत का शानदार रिटर्न दिया है। जबकि अगर चांदी की बात करें तो उसकी कीमत भी 35 प्रतिशत ऊपर गई है।

- अगले पांच साल में 1.40 लाख तक पहुंच सकता है
- साल 2019 में सोने की कीमत 30,000 रुपए प्रति 10 ग्राम थी

सोने में उछाल के कारण

दरअसल, सोने की कीमतों में इस उछाल की बड़ी वजह कोरोना महामारी से लेकर भूराजनीतिक तनाव, मौद्रिक नीतियों में ढिलाई और वैश्विक वित्तीय बाजार में अनिश्चितता की स्थिति रही है। अगले पांच वर्षों में सोने की कीमत एक लाख पैंतीस हजार से लेकर एक लाख चालीस हजार प्रति 10 ग्राम के बीच जा सकती है। दूसरी ओर एक रिपोर्ट में बाजार के जानकार के हवाले से बताया गया है कि अगले पांच वर्षों के दौरान सोने की कीमतों में तेजी देखने को मिल सकती है।

बैंक ऑफ बड़ौदा का लाभ बढ़कर 4541 करोड़ रुपए...

मुंबई। बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) का शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 1.9 प्रतिशत बढ़कर 4,541 करोड़ रुपये हो गया। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ने एक साल पहले इसी तिमाही में 4,458 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया था। बैंक ने एक बयान में कहा कि 2025-26 की अप्रैल-जून तिमाही में उसका परिचालन लाभ सालाना आधार पर 15 प्रतिशत बढ़कर 8,236 करोड़ रुपये हो गया। बैंक ने कहा, 'परिचालन लाभ में वृद्धि को वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में गैर-ब्याज आय के 88 प्रतिशत बढ़कर 4,675 करोड़ रुपये होने से समर्थन मिला।' हालांकि, बैंक ऑफ बड़ौदा की शुद्ध ब्याज आय 1.4 प्रतिशत घटकर 11,435 करोड़ रुपये रह गई।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग (भ/स) संभाग कटनी (म.प्र.)
E-mail-eepwdkatni@mp.nic.in Phone No. 07622-224277

निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 07/व.ले.लि./2025-26/ **निविदा आमंत्रण सूचना** कटनी, दिनांक 23/07/2025

मध्यप्रदेश शासन लोक निर्माण विभाग में केन्द्रीयकृत व्यवस्थापन के अन्तर्गत टेकेदार से राज्यपाल की ओर से निम्नलिखित कार्यों हेतु प्रमुख अभियंता लोक निर्माण विभाग भोपाल की प्रभावशील दर अनुसूची दिनांक 01.01.2024 (भवन) तथा दिनांक 11.04.2025 (सड़क) समस्त संशोधन सहित कार्य हेतु निविदायें आनलाईन Appendix 2.10 निविदा में आमंत्रित की जाती है बिड सेल आनलाईन https://mptenders.gov.in पर प्राप्त की जा सकेगी। निविदायें सम्बन्धित कार्यालय में टेण्डर टाईम शैडयूल के अनुसार खोली जायेगी।

क्र.	टेण्डर आई.डी. क्रमांक	जिला	एस.ओ.आर.	कार्य का प्रकार	कार्य का नाम	आमंत्रण क्र.	अनुमानित लागत राशि (रू. लाख में)	कार्य की अमानत राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की संभावित तिथी
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1	2025_PWDRB _439356_1	कटनी	11.04/25 01.01.24	रोड विद्युत	भुड़मा से गजिया मार्ग निर्माण कार्य लंबाई 1. 08 कि.मी. विद्युतीकरण कार्य सहित	1ST	193.25	1.93250	12500.00	06 माह वर्षा काल सहित
2	2025_PWDRB _439357_1	कटनी	11.04/25 01.01.24	रोड विद्युत	बाकल मुख्य मार्ग से पुराने बाजार तक मार्ग निर्माण कार्य लंबाई 120 कि.मी. विद्युतीकरण कार्य सहित	1ST	175.06	1.75060	12500.00	06 माह वर्षा काल सहित
3	2025_PWDRB _439359_1	कटनी	11.04/25 01.01.24	रोड विद्युत	खमतरा से सिंहुडी मोड़ तक मार्ग निर्माण कार्य लंबाई 1.00 कि.मी विद्युतीकरण कार्य सहित	1ST	143.72	1.43720	12500.00	06 माह वर्षा काल सहित
4	2025_PWDRB _439360_1	कटनी	11.04/25 01.01.24	रोड विद्युत	सलैया फाटक से मिलना मार्ग निर्माण कार्य लंबाई 1.00 कि.मी. विद्युतीकरण कार्य सहित	1ST	129.05	1.29050	12500.00	06 माह वर्षा काल सहित
5	2025_PWDRB _439361_1	कटनी	11.04/25 01.01.24	रोड विद्युत	बंधी स्लीमनाबाद से खिरवा टोला मार्ग निर्माण कार्य लंबाई 1.00 कि.मी. विद्युतीकरण कार्य सहित	1ST	95.93	0.95930	10000.00	06 माह वर्षा काल सहित
6	2025_PWDRB _439362_1	कटनी	11.04/25	सड़क	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग क्रमांक 2 कटनी के अन्तर्गत मार्ग में मरम्मत कार्य	2ND	19.42	38840.00	2000.00	06 माह वर्षा काल सहित
7	2025_PWDRB _439363_1	कटनी	11.04/25	सड़क	लोक निर्माण विभाग (भ/स) उपसंभाग क्रमांक 1 कटनी के अन्तर्गत ढीमरखेड़ा उपखण्ड के मार्गों में पी.टी. पैच मरम्मत हेतु गिट्टी एकत्रीकरण का कार्य	2ND	16.82	33640.00	2000.00	06 माह वर्षा काल सहित
					योग		773.25			

निविदा की कुल अनुमानित राशि रुपए 773.25 लाख (सात करोड़ तेहत्तर लाख पच्चीस हजार मात्र)
उपरोक्त वेवसाईट में आन लाईन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेवसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र कय करने तथा आनलाइन बिड सबमिशन की अंतिम तिथि 14.09.2025 सांय 17:30 बजे तक निर्धारित है। ई.एम.सी. केवल आर.टी.जी.एस./एन.ई.एफ. टी एवं अन्य दस्तावेज केवल आनलाईन माध्यम से ही प्राप्त की जायेगी। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी का विवरण शासन की वेबसाईट https://mptenders.gov.in पर देखी जा सकती है निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाईट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग (भ/स) संभाग कटनी
G-16295/25 "स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता"

कार्यालय अधिष्ठाता, बिरसा मुण्डा शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय शहडोल (म. प्र.)
E-mail- deanshahdol@gmail.com Phone no- 07652-243000 WebsiteWWW.GMCSHAHDOL.ORG

क्रमांक 6790/टेंडर/बी. एम.जी.एम.सी./2025-26 शहडोल, दिनांक 21/07/2025

बिरसा मुण्डा शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध चिकित्सालय शहडोल में प्लंबिंग सामग्री उपलब्ध कराने हेतु निविदा सूचना

बिरसा मुण्डा शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध चिकित्सालय शहडोल में प्लंबिंग सामग्री उपलब्ध कराने हेतु MP E-TENDER के माध्यम से ई-निविदा आमंत्रित की जाती है इच्छुक निविदाकार अंतिम दिनांक 14/08/2025 शाम 4:00 बजे तक MP E-TENDER के माध्यम से ऑनलाईन ई-निविदा जमा कर सकते है । निविदा के संबंध में अधिक जानकारी एवं अपलोड करने की प्रक्रिया www.mptenders.gov.in पर उपलब्ध हैं।

अधिष्ठाता
बिरसा मुण्डा शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय
शहडोल (म.प्र.)
G-16365/25

कार्यालय अधिष्ठाता, बिरसा मुण्डा शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय शहडोल (म. प्र.)
E-mail- deanshahdol@gmail.com Phone no- 07652-243000 WebsiteWWW.GMCSHAHDOL.ORG

क्रमांक 6792/टेंडर/बी. एम.जी.एम.सी./2025-26 शहडोल, दिनांक 21/07/2025

बिरसा मुण्डा शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध चिकित्सालय शहडोल में भर्ती मरीजों को भोजन उपलब्ध कराने हेतु ई - निविदा सूचना ।

बिरसा मुण्डा शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध चिकित्सालय में भर्ती मरीजों को भोजन उपलब्ध कराने हेतु ई - निविदा केवल पंजीकृत व्यापारियो/ प्रतिष्ठानों से MP E-TENDER के माध्यम से आंमत्रित की जाती है इच्छुक निविदाकार अंतिम दिनांक 12/08/25/ शाम 4:00 बजे तक MP E-TENDER के माध्यम से ऑनलाईन ई-निविदा जमा कर सकते है । निविदा के संबंध में अधिक जानकारी एवं अपलोड करने की प्रक्रिया www.mptenders.gov.in पर उपलब्ध हैं।

अधिष्ठाता
बिरसा मुण्डा शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय
शहडोल (म.प्र.)
G-16311/25

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड सिवनी (म. प्र.)
निविदा आमंत्रण सूचना (संक्षिप्त)

विज्ञापन पत्र क्रमांक/2515/व.ले.लि./का.यं./लो.स्वा.यां./खण्ड/2025 सिवनी, दिनांक- 23/07/2025

निम्नलिखित कार्य की निविदा प्रक्रिया ई-प्रोक्युरमेंट ई-टेण्डरिंग पद्धति से पोर्टल http://www.mptenders.gov.in पर आमंत्रित हैं। निविदा का विवरण निम्नानुसार हैं :-

निविदा सूचना क्र./दिनांक	ई- टेण्डरिंग पद्धति क्रमांक	कार्य का नाम	कुल अनुमानित लागत (रू.लाख में)	कुल अमानती राशि (रू. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू.मं.)	निविदा प्रपत्र क्रय करने की अंतिम तिथि	ऑन लाइन बिड प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	समय अवधि	ठेकेदार की श्रेणी
10 / नि.प्र. /2025-26 दिनांक 22/07/2025	2025 _PHED_ 439154_1	सिवनी जिले के विकासखण्ड लखनादौन के विभिन्न ग्रामों में स्थापित हैण्डपम्पों का मरम्मत, संचालन / संधारण एवं क्लोरीनेशन हेतु आवश्यक मजदूर एवं वाहन सहित उपलब्ध कराने का कार्य।	17.42	34,840.00	2,000.00	11/08/2025	11/08/2025	365 दिवस (वर्षाकाल सहित)	म.प्र. लोक निर्माण विभाग, भोपाल में केन्द्रीयकृत पंजीयन प्रणाली केअन्तर्गत पंजीकृत फर्म / ठेकेदार

कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड, सिवनी (म.प्र.)
G-16322/25 "पॉक्सो है सुरक्षा का हथियार, बच्चों पर न करें अत्याचार"

चिंतन

इजरायल का फैसला मानवता के हित में

आखिरकार संयुक्त राष्ट्र के दबाव में इजरायल ने गाजा पट्टी के तीन घनी आबादी वाले वाले क्षेत्रों में प्रतिदिन 10 घंटे के लिए लड़ाई रोकने का ऐलान किया है। मानवीय सहायता की दिशा में यह अहम कदम है। इजरायल ने यह कदम इस क्षेत्र में बढ़ती भुखमरी की चिंताओं को देखते हुए उठाया है। भारत, यूएन, अमेरिका, चीन आदि देश इजरायल से शांति की अपील लगातार कर रहे हैं। लेकिन इजरायल का प्रण वैश्विक आतंकी गुट हमास के खात्मे तक सैन्य एक्शन जारी रखने का है। पिछले 21 महीने से इजरायल की सेना गाजा पट्टी में हमास के खिलाफ जंग लड़ रही है। इस दौरान गाजा के हालात बद से बदतर होते गए हैं। हमास के आतंकी कुकृत्य के अंजाम गाजापट्टी के निर्दोष नागरिक व बच्चे भुगत रहे हैं। इजरायल की एक ही मांग है कि यदि हमास आत्मसमर्पण कर दे और क्षेत्र को छोड़ दे, तो वह युद्ध समाप्त करने के लिए तैयार है। हमास ने हजरायल के इस प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। साफ है कि जंग रुकने के आसार निकट भविष्य में नहीं हैं। ऐसे में गाजापट्टी में आमलोगों के हालात खराब ही होते जा रहे हैं। जंग जारी रखने के चलते इजरायल को अंतरराष्ट्रीय आलोचना का सामना भी करना पड़ रहा है, हालांकि इजरायली सेना का तर्क है कि वह अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहा है। ग्लोबल आतंकी गुट हमास ने इजरायल में 7 अक्टूबर 2023 को पिकनिक मना रहे निहत्थे व बेकसूर लोगों पर हमला कर दिया था, जिसमें करीब 1200 लोग शिकार हुए थे। उसके बाद से इजरायल व हमास के बीच लड़ाई जारी है, जिसमें करीब 15 हजार से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। खाद्य विशेषज्ञ महीनों से गाजा में भुखमरी के खतरे की चेतावनी दे रहे हैं क्योंकि इजराइल ने सहायता पर रोक लगा दी थी। हाल के दिनों में गाजा से कमजोर बच्चों की तस्वीरें सामने आई थीं, जिसके बाद इजरायल की वैश्विक आलोचना तेज हो गई। अब इजरायल की सेना के मुताबिक, वह गाजा में सहायता पहुंचाने के लिए सुरक्षित मार्ग बनाएगीजिसमें आटा, चीनी और डिब्बाबंद खाद्य सामग्री शामिल है। गाजा युद्ध से उत्पन्न मानवीय त्रासदी को झेल रहा है। संयुक्त राष्ट्र की खाद्य एजेंसी ने सहायता प्रतिबंधों में ढील देने के इजरायली कदमों का स्वागत किया है, लेकिन कहा कि गाजा में जरूरतमंद सभी लोगों तक सामान पहुंचाने के लिए व्यापक युद्धविराम की आवश्यकता है। इजराइल ने स्पष्ट किया है कि वह इन तीन क्षेत्रों को छोड़कर अन्य इलाकों में हमास के खिलाफ अपना अभियान जारी रखे हुए है। गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, 9 लाख बच्चे भूखे हैं और 70 हजार से ज्यादा बच्चे पहले से ही कुपोषण के लक्षण दिखा रहे हैं। गाजा में 127 लोग भुखमरी और कुपोषण के कारण मर चुके हैं। बहुत से बच्चे भूख से बिलख रहे हैं, महिलाएं अपनी आंखों के सामने बच्चे को मरते देखने के लिए मजबूर हैं, तो आतंकी गुट हमास के आकाओं से पूछा जाना चाहिए कि गाजा के लोगों को इस हालात में किसलिए और क्यों पहुंचाया? इजरायल के बेकसूरों को मौत के घाट क्यों उतारा? क्या सांस्कृतिक विचारधारा और कट्टर धार्मिकता का युद्ध आम आदमी की हत्या कर लड़ा जाएगा? इजरायल की लड़ाई हमास से है, इसलिए उसे गाजा के आम नागरिकों को जरा भी क्षति नहीं पहुंचानी चाहिए। हमास, हिज्बुल्ला, अलकायदा, इस्लामिक स्टेट, अल शबाब, हूती, लश्कर, जैश, टीटीपी, तालिबान जैसे आतंकी गुटों को कट्टरता, रसद, धन और हथियार देने वाले मानवता के इनसे बड़े दुश्मन हैं। भारत गाजा में शांति का पक्षधर है।

युद्ध
राजेश जैन

कंबोडिया और थाईलैंड खतरनाक सीमा संघर्ष में उलझ गए हैं। अब तक 27 लोगों की मौत हो चुकी है और हजारों को अपने घर छोड़ने पड़े हैं। इस बार भी विवाद की जड़ वही पुरानी है, प्रीह विहेयर मंदिर। हजारों साल पुराना यह मंदिर खमेर साम्राज्य की धरोहर है, लेकिन इस पर मालिकाना दावा थाईलैंड और कंबोडिया दोनों करते हैं। 1962 में अंतरराष्ट्रीय न्यायालय ने इसे कंबोडिया का हिस्सा माना था, पर थाईलैंड ने यह फैसला पूरी तरह स्वीकार नहीं किया। इस तनाव को सुलझाने के लिए अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता की भूमिका अहम हो सकती है। अगर चीन इस संघर्ष में 'शांति-निर्माता' बनकर उभरता है, तो वह दक्षिण-पूर्व एशिया में अमेरिका की साख को और कमजोर करेगा और भारत की रणनीतिक स्थिति पर भी असर डालेगा।

थाईलैंड-कंबोडिया के संघर्ष खत्म हों

दक्षिण-पूर्व एशिया एक बार फिर अशांत है। कंबोडिया और थाईलैंड खतरनाक सीमा संघर्ष में उलझ गए हैं। अब तक 27 लोगों की मौत हो चुकी है और हजारों को अपने घर छोड़ने पड़े हैं। इस बार भी विवाद की जड़ वही पुरानी है, प्रीह विहेयर मंदिर। हजारों साल पुराना यह मंदिर खमेर साम्राज्य की धरोहर है, लेकिन इस पर मालिकाना दावा थाईलैंड और कंबोडिया दोनों करते हैं। 1962 में अंतरराष्ट्रीय न्यायालय ने इसे कंबोडिया का हिस्सा माना था, पर थाईलैंड ने यह फैसला पूरी तरह स्वीकार नहीं किया। वैसे भी 817 किलोमीटर लंबी थाई-कंबोडिया सीमा पर दशकों से विवाद चला आ रहा है। इसकी जड़ें फ्रांसीसी औपनिवेशिक काल के नक्शों में हैं। 1907 में बने नक्शों को थाईलैंड अब भी विवादित मानता है। कंबोडिया का कहना है कि प्रीह विहेयर और ता मुएन थोम जैसे ऐतिहासिक मंदिर उसके क्षेत्र में आते हैं, वहीं थाईलैंड इन्हें अपनी सांस्कृतिक विरासत मानता है। 2008 से 2011 के बीच इसी विवाद पर हुई झड़पों में 34 लोगों की मौत हो गई थी। 2025 की चिंगारी तब भड़की जब एक कंबोडियाई सैनिक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। 24 जुलाई को हालात और बिगड़ गए जब ता मुएन थोम मंदिर के पास भारी गोलीबारी और हवाई हमले हुए। अब, जब व्यक्तिगत कटुता, राजनीतिक अस्थिरता और ऐतिहासिक विवाद आपस में गुत्थमगुत्था हो चुके हैं, दक्षिण-पूर्व एशिया के लिए एक और गंभीर संकट खड़ा हो गया है।

यह सैन्य लड़ाई दो राजवंशों के बीच की अदावत का विस्तार भी है। यह सीमा विवाद से लेकर दो राजवंशों के बीच की रंजिश की लड़ाई है। जुलाई की पहली तारीख को थाईलैंड की प्रधानमंत्री पैतोंगतार्न शिनावात्रा को कंबोडिया के पूर्व प्रधानमंत्री हुन सेन को टेलीफोन किया था। इस दौरान तत्करलीन प्रधानमंत्री पैतोंगतार्न ने कंबोडियाई नेता को 'अंकल' कहकर संबोधित किया था। उस टेलीफोन कॉल की ऑडियो रिकॉर्डिंग को हुन सेन ने फेसबुक पर पोस्ट कर दिया, जिसमें पैतोंगतार्न उन्हें अंकल कहकर संबोधित कर रहीं थी और उनके बातचीत के अंदाज से ऐसा लग रहा था कि वो बातचीत को भावनात्मक बनाकर विवाद सुलझाना चाहती थीं। इस दौरान उन्होंने थाईलैंड सेना को भी नजरअंदाज किया, लेकिन ऑडियो फेसबुक पर आते ही बवाल मच गया। प्रधानमंत्री पैतोंगतार्न को इस्तीफा देना पड़ा और उनके पिता थाकसिन शिनवात्रा ने सार्वजनिक तौर पर कंबोडियाई नेता हुन सेन से संबंध तोड़ने का ऐलान कर दिया। थाकसिन और हुन सेन, अपने-अपने देश के दिग्गज नेता रहे हैं और उनके बच्चे भी एक ही साल के अंतराल में देश की सत्ता में पहुंच गये। एक वक्त था जब थाईलैंड के थाकसिन और कंबोडिया के हुन सेन की दोस्ती काफी मशहूर थी। माना जाता था कि दोनों देशों के बीच विवाद के बावजूद दोनों की दोस्ती की वजह से लड़ाई नहीं होगी और क्षेत्रीय शांति और स्थिरता बनी रहेगी।लेकिन ऑडियो लीक होने के बाद सबकुछ बदल गया। दोनों नेताओं ने सार्वजनिक तौर पर एक दूसरे के खिलाफ जहर उगले। थाकसिन ने कहा कि वो थाईलैंड सेना को हुन सेन को सबक सिखाने का मौका देना चाहते हैं। जिसपर हुन सेन ने उनके बयान को 'युद्ध की आग भड़काने' वाला बताया। हुन सेन, थाईलैंड की राजनीति में चल रही अस्थिरता का लाभ उठाकर अपने बेटे और

वर्तमान प्रधानमंत्री हुन मानेट की राष्ट्रवादी छवि को मजबूत करना चाहते हैं। वहीं थाकसिन के खिलाफ राजद्रोह का मामला चल रहा है, जिसने उनकी राजनीतिक पकड़ को कमजोर कर दिया है। उनका 2023 में स्वदेश लौटना और मिलिटरी-रॉयल गठजोड़ से समझौता करना भी उनके पारंपरिक समर्थकों में नाराजगी की वजह बना है।थाईलैंड के पूर्व विदेश मंत्री कासित पिरोम्या ने न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट में कहा कि दोनों परिवारों की आकांक्षाएं और धन-संपत्ति का सपना साकार नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि हुन सेन शायद इसे थाकसिन की नाकामी मानते थे। हुन सेन अपने देश पर पूर्ण नियंत्रण रखते थे और वे अपने वादे को पूरा कर सकते थे, लेकिन थाकसिन पिछले 20 वर्षों से थाई समाज पर अपनी चमक और नियंत्रण खोते जा रहे हैं। इसके अलावा थाकसिन ने हाल ही में कंबोडिया की सीमा से सटे इलाकों में कैसीनो और ऑनलाइन स्कैम हब्स के खिलाफ कार्रवाई की चेतावनी दी थी और खुद एक ऐसे इंटरटेनमेंट कॉम्प्लेक्स की योजना की बात की, जो कंबोडियाई कैसीनो उद्योग को चुनौती दे सकता था। यह कदम हुन सेन के लिए सीधा आर्थिक और रणनीतिक खतरा बन गया, जिससे तनाव और गहरा गया। फिलहाल थाईलैंड ने सीमाएं सील कर दी हैं और कंबोडिया ने भी थाईलैंड से आने वाले आयात जैसे फल, सब्जियां, गैस और फिल्मों पर रोक लगा दी है। कंबोडिया पहले से ही चीन के प्रभाव में है। पूर्व प्रधानमंत्री हुन सेन और वर्तमान प्रधानमंत्री हुन मानेट दोनों को चीन का भरोसेमंद साथी माना जाता है। यही वजह है कि चीन इस पूरे घटनाक्रम में शांत तो है, पर उसकी मौजूदगी हर स्तर पर महसूस की जा सकती है। दक्षिण कंबोडिया में चीन द्वारा विकसित किया गया रीम नौसैनिक अड्डा अमेरिका और भारत जैसे देशों के लिए चिंता का विषय है। माना जाता है कि ऐसे ठिकाने दक्षिण चीन सागर से लेकर हिंद महासागर तक चीन की सामरिक पहुंच बढ़ा सकते हैं। थाईलैंड लंबे समय से अमेरिका का रणनीतिक साझेदार रहा है और कोबरा गोल्ड जैसे संयुक्त सैन्य अभ्यासों में अमेरिका के साथ बढ़-चढ़कर हिस्सा लेता है। लेकिन बीते वर्षों में चीन से उसके आर्थिक और सैन्य रिश्ते भी गहरे हुए हैं। अगर चीन इस टकराव में मध्यस्थ बनता है, तो वह अमेरिका के प्रभाव को तो काफी हद तक कम कर ही सकता है, साथ ही दोनों देशों के साथ व्यापार और निवेश को भी अपनी शर्तों पर आगे बढ़ा सकता है। भारत के लिए यह संघर्ष कई वजहों से चिंता का कारण है। थाईलैंड 'एक्ट ईस्ट पॉलिसी' का मुख्य प्रवेश द्वार है, जबकि कंबोडिया 'मेकोंग-गंगा सहयोग' में एक अहम साझेदार। भारत ने दोनों देशों में डिजिटल कनेक्टिविटी, सांस्कृतिक परियोजनाओं और रणनीतिक संवादों पर काम किया है। लेकिन अगर दोनों देशों के बीच यह तनाव लंबा चलता है, तो भारत की कूटनीतिक स्थिति अस्थिर हो सकती है। भारत को संतुलन साधना होगा और दोनों पक्षों से संबंध बनाए रखते हुए अपने हितों की रक्षा करनी होगी। भारत को चाहिए कि वह आसियान के साथ संवाद और सहयोग को और मजबूत करे। क्षेत्रीय मंचों का उपयोग करके सामूहिक सुरक्षा व्यवस्था पर संवाद बढ़ाना भारत की प्राथमिकता होनी चाहिए। कंबोडिया ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से आपात बैठक की मांग की है और मामला फिर से अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में ले जाने की तैयारी कर रहा है। लेकिन थाईलैंड ने अंतरराष्ट्रीय न्यायालय के अधिकार को नकारते हुए सिर्फ द्विपक्षीय बातचीत पर जोर दिया है। इसके लिए उसने पहले युद्धविराम की शर्त रखी है। इस तनाव को सुलझाने के लिए अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता की भूमिका अहम हो सकती है। अगर चीन इस संघर्ष में 'शांति-निर्माता' बनकर उभरता है, तो वह दक्षिण-पूर्व एशिया में अमेरिका की साख को और कमजोर करेगा और भारत की रणनीतिक स्थिति पर भी असर डालेगा।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया edit@haribhoomi.com पर दे सकते हैं।

शिक्षा प्रणाली

सुनील कुमार महला

भारत के लिए फिनलैंड जैसा शिक्षा इंफ्रास्ट्रक्चर जरूरी

हाल ही में राजस्थान के झालावाड़ के पिपलोदी गांव में एक सरकारी स्कूल की इमारत का एक हिस्सा गिरने से सात मासूम बच्चों की मौत हो गई, यह बहुत ही दुखद और हृदयविदारक घटना है। वास्तव में झालावाड़ में हुई यह घटना हमारे देश के सरकारी स्कूलों की बदहाली के साथ ही हमारे एजुकेशनल सिस्टम पर गंभीर सवाल भी खड़े करती है। सच तो यह है कि इस हादसे के बाद स्कूल और प्रशासन की भूमिका पर लगातार सवाल उठ रहे हैं। हादसे के बाद जब बच्चों की मौत हो गई तब शिक्षा मंत्री मदन दिलावर कह रहे हैं कि 2000 स्कूलों को ठीक किया जा रहा है और हादसे के दोषी वे खुद हैं, लेकिन सवाल यह है कि क्या मात्र स्वयं को दोषी ठहराने से इस हृदयविदारक हादसे की भरपाई संभव हो सकती है ? ऐसा भी नहीं है कि जर्जर व खराब हालात वाले स्कूल भवनों के बारे में किसी को जानकारी या सूचनाएं नहीं होती हैं, लेकिन दुखद यह है कि जानकारी होने के बावजूद समय रहते एक्शन नहीं लिया जाता और हादसे हो जाते हैं। आज राजस्थान ही नहीं हमारे देश में हजारों स्कूल ऐसे हैं, जहां स्कूल बिल्डिंग्स को लेकर डर का साया है और बहुत से स्कूल आज भी मरम्मत, रख-रखाव के इंतजार में हैं। खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में स्कूलों की इमारतें जर्जर हैं, शिक्षकों की कमी है और स्वच्छ पेयजल, शौचालय और बिजली जैसी बुनियादी सुविधाओं तक का अभाव है। यहां पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि हमारे देश की नई शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 में स्कूलों के बुनियादी ढांचे (इंफ्रास्ट्रक्चर) को बेहतर बनाने पर जोर दिया गया है। इसमें सभी स्कूलों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त सुविधाएं और संसाधन उपलब्ध कराने की बात कही गई है। आज नई शिक्षा नीति के अनुसार स्कूलों में इंफ्रास्ट्रक्चर मौजूद नहीं है। इस संदर्भ में हमें फीनलैंड से प्रेरणा लेने की जरूरत है। बता दें कि दुनिया में सर्वश्रेष्ठ स्कूली शिक्षा प्रणाली फिनलैंड की मानी जाती है। दरअसल, फिनलैंड की शिक्षा प्रणाली में बुनियादी ढांचा (इंफ्रास्ट्रक्चर) आधुनिक, सुसज्जित और छात्रों की जरूरतों के अनुसार बनाया गया है। इसमें आधुनिक क्लासरूम, खेल के मैदान, पुस्तकालय, और तकनीकी उपकरण जैसे कि कंप्यूटर, टैबलेट आदि, आधुनिक लैब, विशेष आवश्यकता वाले छात्रों के लिए सुविधाएं आदि शामिल हैं। फिनलैंड में शिक्षा प्रणाली में बुनियादी ढांचे के लिए सरकार और स्थानीय प्राधिकरण दोनों मिलकर काम करते हैं, और शिक्षा को बेहतर बनाने के लिए लगातार निवेश करते हैं। कुल मिलाकर यह बात कही जा सकती है कि फीनलैंड में यह सुनिश्चित किया जाता है कि सभी स्कूलों में छात्रों को सीखने के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचा उपलब्ध हो। कहना ग़लत नहीं होगा कि जब स्कूलों में बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध होता है तो छात्र सक्रिय, रचनात्मक और आत्मविश्वास से सीखने के लिए प्रोत्साहित होते हैं। बहरहाल, यहां यह भी उल्लेखनीय है कि फिनलैंड के अलावा, दक्षिण कोरिया, सिंगापुर, स्विट्जरलैंड, और कनाडा जैसे देशों की शिक्षा प्रणालियों को भी दुनिया में सर्वश्रेष्ठ माना जाता है। कहना ग़लत नहीं होगा कि दुनिया बदलने के लिए शिक्षा ही सबसे ताकतवर हथियार है और अच्छी शिक्षा प्रणाली वाले देश अपने छात्रों को उस जरूरी ज्ञान और कौशल से लैस करते हैं, जिनके जरिए वे ना सिर्फ समाज में योगदान दे पाएं, बल्कि आर्थिक तरक्की भी कर पाएं। बहरहाल, भारत एक विकासशील देश है और हम अपने देश को वर्ष 2047 तक विकसित बनाने का सपना देख रहे हैं। यह तभी संभव है जब हमारे यहां अपनी शिक्षा प्रणाली को और बेहतर बनाने की ओर कदम उठायेंगे। इसके लिए हमें जमीनी स्तर पर उतर कर पूरी ईमानदारी, इच्छाशक्ति व संकल्प के साथ काम करना होगा। आज जरूरत इस बात की है कि हम हमारे देश के स्कूलों के इंफ्रास्ट्रक्चर पर अपना ध्यान केंद्रित करें। वास्तव में होना तो यह चाहिए कि सभी स्कूलों की इमारतों की नियमित व पारदर्शी जांच हो और इसके लिए स्वतंत्र विशेषज्ञों की एक समिति गठित हो जो स्कूल भवनों के स्ट्रक्चर और सिक्योरटी का समय-समय पर आकलन करती रहे। वैसे भी हाल फिलहाल पूरे देश में मानसून का समय चल रहा है, ऐसे समय में हमारे अधिकारियों और प्रशासन को यह चाहिए कि वे देश के तमाम स्कूली और जर्जर सरकारी इमारतों का हाल जानें कि वे किस हालात में हैं और यदि वे ठीक नहीं हैं तो उनके रख-रखाव के लिए कार्रवाई को समय रहते जवाबदेही के साथ अंजाम दिया जाना चाहिए। इसके लिए स्थानीय प्रशासन और शिक्षा विभाग के अधिकारियों की जवाबदेही भी तय होनी चाहिए और अगर कोई स्कूल असुरक्षित स्थिति में पाया जाता है, तो संबंधित अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई भी होनी चाहिए।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार व साहित्यकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।

अच्छा काम करने आलस छोड़कर तुरंत करें

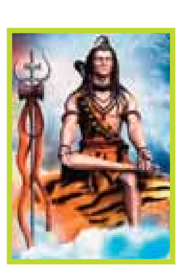

संकलित
दर्शन

शिव का अर्थ है- भोलापन। दुनिया में भोलापन उदय हो जाए, इसका उपाय है- 'शिव सूत्र'। शिव सूत्र छोटे-छोटे सुंदर सूत्र हैं। जीवन के लिए एक सूत्र ही काफी है। आपका जीवन इन सूत्रों के आनंदमय प्रकाश से भर जाएगा। जीवन में भोलापन उदय हो जाएगा। हमारा शरीर और मन दोनों अलग-अलग नियमों पर चलते हैं; जैसे- आप जितना व्यायाम करेंगे, शरीर उतना हष्ट-पुष्ट होने लगता है, लेकिन मन के लिए एक अलग ही ढंग है। आप जितना विश्राम करेंगे, मन उतना ही तेज होने लगेगा। सबने सुना है, सब भगवान की इच्छा से होता है। 'तेन विना तृणमपि न चलति' उसकी इच्छा के बिना एक पत्ता भी नहीं हिलता। तो जो भी होता है, सब भगवान ही करते हैं। जब हमें अपना पुरुषार्थ या उद्यम नहीं करना होता है, तो हम कह देते हैं कि जैसी भगवान की इच्छा। जब हमारा संकल्प मजबूत नहीं होता है, तब कह देते हैं कि भगवान की इच्छा। लेकिन, ये बात और जगहों पर लागू नहीं होती है। जब भगवान भोजन कराएंगे, तब करेंगे। जब भगवान सिनेमा दिखाएंगे, तब देखेंगे। हम अपनी इच्छा और प्रभु की इच्छा को अलग-अलग मानते हैं। ऐसे लोगों को 'अनुकूल सिंधु' कहते हैं। जो अपने अनुकूल हुआ, वह मैंने किया है और जो प्रतिकूल हुआ, वह भगवान ने किया। कहीं जीत हो जाए तो मैंने जीता और कहीं हार गए तो भगवान की इच्छा। हम यह नहीं कहते हैं कि हमने अपनी पूरी शक्ति नहीं लगाई थी, इसलिए हम हार गए।

भगवान या भाग्य को दोष नहीं देना चाहिए

संकलित
प्रेरणा

एक बूढ़ी महिला गौतम बुद्ध के पास पहुंची। उस महिला की बुद्ध के लिए गहरी आस्था थी। दरअसल, उस महिला के बेटे की मृत्यु हो गई थी। महिला बहुत दुखी थी और उसने बुद्ध से कहा कि आप मेरे बच्चे को जीवित कर दीजिए। महिला को लग रहा था कि बुद्ध उसके बेटे का जीवन बचा सकते हैं। बुद्ध ने महिला की बात सुनी और कुछ देर सोचने के बाद उन्होंने कहा कि ठीक है, मैं ऐसा कर दूंगा, लेकिन तुम्हें किसी ऐसे घर से मुट्ठी भर सरसों के दाने लेकर आना है, जहां कभी किसी की मौत न हुई हो। जिस परिवार ने किसी की मृत्यु का दुख नहीं देखा है, वहां से सरसों ले आओ। महिला ने सोचा कि ये तो छोटा सा काम है। बूढ़ी महिला गांव की ओर चल दी और एक-एक घर में जाकर पूछने लगी। महिला जिस घर में जाती, वहां कहती कि अगर आपके घर में कभी किसी की मृत्यु न हुई हो तो एक मुट्ठी सरसों के दाने दे दीजिए। गांव के सभी लोगों का यही जवाब रहता था कि हमारे घर में मृत्यु तो हुई है। कुछ लोगों की बढ़ी उम्र में हुई है तो किसी की असमय हुई। जब सभी घरों से ऐसे ही उत्तर मिल रहे थे तो महिला समझ गई कि बुद्ध ने मुझे जरूर कुछ सोचकर ही भेजा है। जब वह लौटकर बुद्ध के पास पहुंची, तब तक वह जान चुकी थी कि एक दिन मौत सबको आनी है। उसका शोक लंबे समय तक नहीं मनाना चाहिए।

सटाका

आज की पाती

बेईमानी का धन

आज भौतिकवादी और आधुनिक युग में कुछ लोगों को धन की इतनी भूख बढ़ रही है कि वो इसे पाने के लिए किसी भी हद तक गिर रहे हैं। स्वामी दयानंद सरस्वती जी ने कहा है कि, धन एक वस्तु है जो ईमानदारी और न्याय से कमाई जाती है, और इसका विपरीत है अधर्म का खजाना। लेकिन आज बहुत से लोग अमीर बनने के चक्कर में बेईमानी, हेराफेरी, अनैतिकता की राह पर चल पड़ते हैं। ऐसे लोग यह भूल जाते हैं कि गलत तरीकों से कमाई धन-दौलत ज्यादा दिन सुख नहीं दे सकती। कहते हैं कि जैसा खाओ अन्न वैसा हो मन। अगर हम बेईमानी कि कमाई से अन्न खरीद कर खाएंगे या अपने परिवार को खिलाएंगे तो क्या वो अन्न हमारे या हमारे परिवार के लिए उचित भोजन होगा? शायद नहीं। पाप की कमाई से अगर बच्चों का पालन-पोषण किया जाए तो इससे बच्चे पथभ्रष्ट ही होंगे। *- प्रखर जैन, राजनांदगांव*

करंट अफेयर

इजराइल ने जहाज से गाजा जा रही राहत सामग्री रोकी

इजराइली सेना ने फलस्तीनी क्षेत्र की नाकेबंदी तोड़ने की कोशिश कर गाजा जाने वाले एक राहत सहायता जहाज को रोक लिया तथा 21 अंतरराष्ट्रीय कार्यकर्ताओं और पत्रकारों को हिरासत में ले लिया।

फलस्तीन समर्थक समूह 'फ्रीडम फ्लोटिला कोलेशन' ने रविवार को यह जानकारी दी। समूह ने बताया कि इसके अलावा, इजराइली सेना ने जहाज पर लदे शिशु उपयोग के लिए दूध, खाद्य सामग्री और दवा सहित सभी माल जब्त कर लिए। जहाज 'हंडाला' का संचालन करने वाले समूह ने कहा कि इजराइली सेना ने शनिवार आधी रात से ठीक पहले गाजा से लगभग 40 समुद्री मील दूर अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र में जहाज को बल प्रयोग कर रोका' और इसके संचार नेटवर्क को काट दिया। समूह ने एक बयान में कहा, 'जहाज पर लदा पूरा माल गैर-सैन्य उपयोग के लिए था तथा यह इजराइल की अवैध नाकेबंदी के कारण भुखमरी और चिकित्सा संकट से जूझ रही आबादी को सीधे वितरित करने के लिए था।' इस सिलसिले में इजराइली सेना ने अभी कोई टिप्पणी नहीं की है इजराइल के विदेश मंत्रालय ने रविवार तड़के 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि नौसेना ने जहाज को रोक लिया और उसे तट पर ला रही है।

ऑफ बीट

क्या वजन से स्वास्थ्य का आकलन हो सकता है

हमें पढ़ाया गया है कि दुबलेपन का सेहत से और अधिक वजन का बीमारी से संबंध होता है। लेकिन विज्ञान एक ज़्यादा बारीक कहानी कहता है-जहां वजन

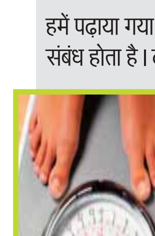

एक कहीं ज़्यादा जटिल तस्वीर में सिर्फ एक आंकड़ा भर है। तो अगर अकेले वजन ही यह नहीं दर्शाता कि हम कितने स्वस्थ हैं, तो और क्या दर्शाता है? शरीर का वजन स्वास्थ्य के सबसे ज्यादा मापे जाने वाले पैमानों में से एक है। समाज इस पर बहुत जोर देता है और किसी व्यक्ति के वजन की आलोचना को अक्सर स्वास्थ्य संबंधी चिंता के रूप में देखा जाता है। तो वजन असल में कितनी सार्थक स्वास्थ्य जानकारी प्रदान करता है? सीधे शब्दों में कहें तो, व्यक्ति का वजन शरीर द्वारा ग्रहण की जा रही कैलोरी पर निर्भर करता है। समय के साथ वजन में बदलाव कैलोरी की खपत की ओर इशारा कर सकता है। अगर उनका वजन बढ़ रहा है, तो इसका मतलब यह है कि वे जितनी कैलोरी जला रहे हैं, उससे ज़्यादा सेवन कर रहे हैं। वहीं, अगर उनका वजन घट रहा है, तो इसका मतलब यह है कि वे जितनी कैलोरी ले रहे हैं, उससे ज़्यादा जला रहे हैं। शायद यह समझना ज़्यादा उपयोगी होगा कि वजन हमें स्वास्थ्य संबंधी कौन-सी जानकारी नहीं देता।

X ट्रेंड

पुण्यतिथि पर नमन

भारत के पूर्व राष्ट्रपति, महान वैज्ञानिक, भारत रत्न, 'मिसाइल मैन' डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि पर उन्हें सादर नमन। भारत को परमाणु सम्पन्न बनाने में उनका अतुलनीय योगदान अविस्मरणीय है।

-जेपी नड्डा, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री

जनहानि अत्यंत दुखद

हरिद्वार स्थित श्री मनसा देवी मंदिर मार्ग में दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना में हुई जनहानि अत्यंत दुखद एवं हृदय विदारक है। मां मनसा देवी से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को सद्गति, शोकाकुल परिजनों को यह अथाह दु:ख सहन करने की शक्ति एवं घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें। ॐ शांति।

- योगी आदित्यनाथ, सीएम, उप्र

हार्दिक बधाई

पेरिस, फ्रांस में आयोजित 55वें अंतरराष्ट्रीय भौतिकी ओलंपियाड 2025 में इंदौर के रिद्धेश बेंडाले एवं जबलपुर के स्नेहिल झा को स्वर्ण पदक प्राप्त करने पर हार्दिक बधाई। दोनों की यह सफलता मध्यप्रदेश को गौरवान्वित करने वाली है।

- डा. मोहन यादव, सीएम, मप्र

हम हर मोर्चे पर लड़ेंगे

दिल्ली की झुग्गियों में रहने वाले सैकड़ों ग़रीब परिवार के छोटे-छोटे घरों को भाजपा सरकार ने बेरहमी से उजाड़ दिया। हम इन उजाड़े गए परिवारों के साथ मजबूती से खड़े हैं और हम हर मोर्चे पर लड़ेंगे।

- राहुल गांधी, सांसद, कांग्रेस

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
66/1 इंडस्ट्रियल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मप्र)
पिन कोड-482002
ई-मेल : edit@haribhoomi.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com

ग्राम पाथरवाड़ा के तालाब और कतरकना शमशाट घाट के पास नवजात शिशु का शव बोरी में बंधा हुआ बरामद

इंसानियत हुई शर्मसार : बोरी में बंधा मिला मृत नवजात शिशु का शव

हरिभूमि न्यूज कटंगी।

बालाघाट जिले के कटंगी थाना क्षेत्र से इंसानियत को शर्मसार करने वाली एक घटना सामने आई है. थाना क्षेत्र के ग्राम पाथरवाड़ा के तालाब और कतरकना शमशाट घाट के पास कच्ची सड़क में एक नवजात शिशु का शव बोरी में बंधा हुआ बरामद किया गया है. इस घटना से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई. रविवार की सुबह करीब साढ़े 10 बजे के आस-पास रामनगर निवासी राम गुर्जर और राजा ऐडे.ने सबसे पहले शव को देखा और डॉयल 100 पुलिस को सूचना दी. यह दोनों बिसापुर गए थे वापस में लौटकर कतरकना के रास्ते से पाथरवाड़ा की तरफ जा रहे थे. जिन्हें तालाब के पास बोरी दिखाई दी. जिसे उन्होंने खोलकर देखा और बोरी को खोलते ही उनके होश उड़ गए. बोरी में नवजात शिशु का शव था. नवजात शिशु का शव मिलने की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी जयंत मर्सकोले स्टाफ के साथ घटनास्थल पर पहुंचे. पुलिस ने शव बरामद किया और दोपहर 12 बजे के बाद शव का पीएम कराकर विधिवत अंतिम संस्कार भी कर दिया. थाना प्रभारी जयंत मर्सकोले ने बताया कि मामले की जांच विवेचना जारी है।

बता दें कि नवजात शिशु को पहले पॉलीथिन के भीतर लपेटा गया था जिसके बाद ऊपर से दो अतिरिक्त बोरियां बांधी गई थी. नवजात के शव को नष्ट करने के लिए नमक का भी इस्तेमाल किया गया था. अनुमान लगाया जा रहा है कि शव को सड़क के किनारे तालाब में या किसी अन्य स्थान पर फेंका गया होगा. आवारा कुत्तों ने बोरी को खीचतें हुए सड़क तक लाया. जिस पर लोगों की नजर पड़ी. हालांकि इसकी कोई ठोस तरीके से पुष्टि नहीं हो पाई है. मगर, खेत में कृषि कार्य के लिए जाने वाली कुछ महिलाओं ने बताया कि शनिवार की शाम सड़क पर कोई बोरी नहीं थी. शनिवार की रात्रि 10 बजे इस रास्ते से गुजरने वाले एक युवक ने भी उस वक्त तक बोरी नहीं होने की बात कहीं है. बोरी किसने फेंकी है इसका कोई प्रत्यक्षदर्शी नहीं है. नवजात का शव मिलने के बाद चर्चा रही कि यह कृत्य एक मां का नहीं हो सकता. यह अमानवीय कृत्य है, जिसने समाज को झकझोर कर रख दिया है. वहीं, पुलिस का कहना है कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है. पुलिस की जांच और पीएम रिपोर्ट के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी. बहरहाल, अभी सभी के जेहन में यहीं सवाल है कि शिशु की हत्या की गई या फिर शिशु ने मृत जन्म लिया था. शिशु का जन्म कब हुआ था. उसे जन्म देने वाले कौन है. क्या यह नवजात शिशु कटंगी थाना क्षेत्र का ही है या फिर किसी अन्य स्थान से लाकर यहां फेंका गया है. इन तमाम सवालों के जवाब जांच के बाद ही मिलेंगे।

इस पूरी घटना के सामने आने के बाद जिला बाल कल्याण समिति सदस्य रामेश्वर मटाले ने घटना की निंदा की है. उन्होंने बताया कि समिति ऐसे बच्चों की पहचान करती है जो खोए हुए, परित्यक्त, अनाथ, या माता-पिता द्वारा स्वेच्छा से छोड़े गए हैं. उन्होंने आमजन से अपील की है कि यदि कोई नवजात शिशु असुरक्षित स्थिति में पाया जाता है, तो उसे तुरंत समिति के पास पहुंचाए. उन्होंने बताया कि कई बार नाजायज नवजात शिशु की हत्या कर दी जाती है या फिर उसे कहीं भी फेंक दिया जाता है ऐसा करने की बजाए समिति से संपर्क किया जा सकता है उनका नाम गोपनीय रखा जाएगा।

चारपाई पर लिटाकर मरीज को अस्पताल ले गए परिजन

छतरपुर। मामला गौरिहार जनपद पंचायत के हटवा गांव का है, जहां पक्की सड़क न होने से ग्रामीणों का जीवन संघर्षमय बना हुआ है। गौरिहार से करीब 22 किलोमीटर दूर हटवा पंचायत के तुलसिया पुरवा, नाई का पुरवा, बहादुर का पुरवा और पालो का पुरवा में करीब 400 लोग निवास करते हैं, लेकिन इन गांवों तक पक्की सड़क नहीं पहुंची। कच्चे और कीचड़ भरे रास्तों के कारण बीमार व्यक्तियों को खाट पर ढोकर मुख्य सड़क तक ले जाना पड़ता है, जहां से ही एम्बुलेंस या अन्य वाहन उपलब्ध हो पाते हैं। ग्रामीण पप्पू पाल ने बताया कि पंचायत कार्यालय की दूरी 2 किलोमीटर है, लेकिन कीचड़ भरे रास्तों के कारण मरीजों को समय पर अस्पताल पहुंचाना मुश्किल हो जाता है। बरसात में स्थिति और बदतर हो जाती है, जब रास्ते दलदल में बदल जाते हैं। ग्रामीणों ने कई बार प्रशासन से पक्की सड़क की मांग की, लेकिन केवल आश्वासन ही मिले। ग्रामीणों का कहना है कि विकास के नाम पर सिर्फ कागजी वादे किए जा रहे हैं, जबकि जमीनी हकीकत में वे मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं।

सिस्टम पर सवाल, ग्रामीणों में आक्रोश

मड़वा में मुक्तिधाम की कमी और हटवा में पक्की सड़क का अभाव न केवल प्रशासन की उदासीनता को दर्शाता है, बल्कि सरपंच, सचिव और जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही पर भी सवाल खड़े करता है। ग्रामीणों का कहना है कि जब तक ठोस कार्रवाई नहीं होगी, तब तक विकास के दावे खोखले ही रहेंगे। जिला प्रशासन और जनपद पंचायत से ग्रामीणों ने तत्काल कार्रवाई की मांग की है। मड़वा में मुक्तिधाम निर्माण और हटवा में पक्की सड़क बनाने के लिए ठोस कदम उठाने की जरूरत है, ताकि ग्रामीणों को इन अमानवीय परिस्थितियों से निजात मिल सके। वहीं लवकुशनगर के कटहरा गांव के मड़वा में मुक्तिधाम न होने से ग्रामीण बरसात में तिरपाल के नीचे अंतिम संस्कार करने को मजबूर नजर आए, तो वहीं दूसरी ओर गौरिहार के हटवा गांव में पक्की सड़क न होने से मरीजों को चारपाई पर ढोकर अस्पताल ले जाना पड़ा। पहला मामला लवकुशनगर जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत कटहरा के मड़वा गांव का है, जहां बीमारी के कारण बीते रोज विपिन शर्मा की पत्नी रोशनी की मृत्यु हो गई थी। जब अंतिम संस्कार के लिए परिजन शव को गांव के शमशान घाट ले गए, तभी बारिश शुरू हो गई। यहां मुक्तिधाम की सुविधा न होने के कारण परिजनों को मजबूरन तिरपाल (प्लास्टिक की पन्नी) लगाकर चिता को जलाना पड़ा।

ट्रैक्टर इंजन पलटने से चालक की दर्दनाक मौत

शहडोल। जिले के ब्यौहारी थाना क्षेत्र अंतर्गत झरौसी गांव में शनिवार दोपहर एक दर्दनाक हादसे में 42 वर्षीय किसान प्रमोद पटेल की ट्रैक्टर इंजन के नीचे दबकर मौत हो गई। यह हादसा उस समय हुआ जब प्रमोद पटेल अपने खेत में जुताई कर रहे थे। अचानक ट्रैक्टर इंजन का संतुलन बिगड़ गया और वह पलट गया, जिससे प्रमोद पटेल उसके नीचे दब गए। घटना के समय खेत में आसपास मौजूद ग्रामीणों ने तुरंत मदद की कोशिश की, लेकिन इंजन की भारी संरचना के कारण उन्हें समय पर बाहर नहीं निकाला जा सका। जब तक ट्रैक्टर को हटाया गया, तब तक प्रमोद पटेल की मौत हो चुकी थी। घटना की जानकारी मिलते ही ब्यौहारी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। थाना प्रभारी अरुण पांडे ने बताया कि जेसीबी मशीन की मदद से इंजन को सीधा किया गया और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। प्रमोद पटेल झरौसी गांव के निवासी थे और अपने परिवार की जीविका कृषि पर निर्भर थी। उनकी असमय मृत्यु से परिजनों पर आर्थिक संकट गहरा गया है।

सतना में गूगल मैप बना तीर्थ यात्रियों के लिए भटकाव का सबब

सतना।

धार्मिक नगरी सतना में बाहर से आने वाले तीर्थयात्रियों को गूगल मैप के भरोसे चलना अब भारी पड़ रहा है।अक्सर देखा जा रहा है कि गूगल मैप उन्हें सही रास्ते के बजाय ऐसे सुनसान या गलत रास्तों पर पहुंचा देता है,जहां से उन्हें अपने गंतव्य तक पहुंचने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।इस समस्या के कारण कई बार तीर्थयात्री घंटों भटकते रहते हैं,जिससे उनका समय और ऊर्जा दोनों व्यर्थ होती है। यहां मैहर देवी मंदिर,चित्रकूट धाम और अन्य कई महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल हैं,जहां हर साल लाखों की संख्या में श्रद्धालु दूर-दूर से आते हैं। आधुनिक समय में अधिकतर लोग यात्रा के लिए गूगल मैप पर निर्भर रहते हैं,लेकिन सतना में यह सुविधा मददगार साबित होने के बजाय भटकाने वाली बन गई है। हाल ही में चित्रकूट दर्शन करने आए भोपाल के एक परिवार ने बताया कि गूगल मैप ने उन्हें शहर से बाहर एक कच्चे रास्ते पर पहुंचा दिया,जहां से कोई वाहन उपलब्ध नहीं था और उन्हें काफी दूर तक पैदल चलना पड़ा। इसी तरह मैहर जा रहे रीवा के कुछ श्रद्धालुओं को भी गूगल मैप ने ऐसे इलाके में भेज दिया,जहां सड़क निर्माण का कार्य चल रहा था और रास्ता पूरी तरह बंद था। उन्हें वापस लौटकर दूसरा रास्ता तलाशना पड़ा। स्थानीय निवासियों का कहना है कि गूगल मैप पर कई ग्रामीण और कच्चे रास्तों को मुख्य मार्ग के रूप में दर्शाया गया है,जिससे भ्रम की स्थिति पैदा होती है। इसके अलावा,कई जगहों पर सड़क निर्माण या मरम्मत कार्य के कारण रास्ते बंद होते हैं,जिनकी जानकारी गूगल मैप पर अपडेट नहीं होती है। इस वजह से बाहर से आने वाले लोग,जो इन रास्तों से अनजान होते हैं,आसानी से भटक जाते हैं। इस समस्या के समाधान के लिए स्थानीय प्रशासन और गूगल को मिलकर काम करने की आवश्यकता है।प्रशासन को चाहिए कि वह गूगल से संपर्क कर मैप पर गलत रास्तों को ठीक करवाए और नए विकसित रास्तों को अपडेट करवाए। साथ ही,महत्वपूर्ण धार्मिक स्थलों के लिए स्पष्ट साइनेज और वैकल्पिक मार्गों की जानकारी भी प्रमुखता से प्रदर्शित की जानी चाहिए ताकि तीर्थयात्रियों को किसी भी तरह की असुविधा न हो। तब तक,बाहर से आने वाले तीर्थयात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे गूगल मैप पर पूरी तरह निर्भर रहने के बजाय स्थानीय लोगों से भी रास्ते की जानकारी अवश्य लें।

चित्रकूट में बढ़ा मंदाकिनी नदी का जलस्तर, बाढ़ का खतरा मंडराया

सतना।

चित्रकूट में मंदाकिनी नदी का जलस्तर एक बार फिर बढ़ गया है,जिससे नदी की जलधारा सामान्य स्तर से ऊपर आ गई है। दिनभर रुक-रुक कर हुई बारिश के कारण यह स्थिति बनी है,और अभी भी ऊंचे पहाड़ी इलाकों में तेज बारिश जारी है। इस वजह से चित्रकूट में एक बार फिर बाढ़ का खतरा पैदा हो गया है। स्थानीय प्रशासन ने लोगों से सतर्क रहने और निचले इलाकों से सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की है।पिछले अनुभवों को देखते हुए,नदी के बढ़ते जलस्तर से आसपास के गांवों और शहरी क्षेत्रों में चिंता बढ़ गई है। यदि बारिश इसी तरह जारी रही,तो स्थिति और गंभीर हो सकती है,जिससे जनजीवन प्रभावित होने की आशंका है। प्रशासन ने राहत और बचाव कार्य के लिए टीमों को अलर्ट पर रखा है।

गाडासरई पुलिस ने बोलेरो से पकड़ी अवैध शराब

डिंडौरी। गाडासरई थाना पुलिस ने अवैध शराब तस्करी पर बड़ी कार्रवाई करते हुए एक बोलेरो वाहन से भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब जब्त की है। मुखबिर से मिली सूचना पर पुलिस टीम ने बेनीबारी-मझियाखार रोड पर ग्राम गन्नागुड़ा हार स्थित ईंट भट्टे के पास घेराबंदी की। कुछ समय बाद संदिग्ध बोलेरो (क्रमांक MP36C3101) आती दिखाई दी, जिसे रोकने पर उसमें सवार दो लोग भागने का प्रयास करने लगे, लेकिन पुलिस ने घेराबंदी कर उन्हें पकड़ लिया। तलाशी के दौरान वाहन से 10 पेटी जीनियस व्हिस्की और 2 पेटी एमडी रम (कुल 107.280 लीटर), जिसकी अनुमानित कीमत 81,780/- है, बरामद की गई। इसके अलावा दो एंड्रॉयड मोबाइल, नगद राशि और 8 लाख कीमत की बोलेरो वाहन भी जप्त की गई। महेश शिवहरे (40 वर्ष) निवासी डबरा, जिला ग्वालियर (हाल निवासी राजेन्द्रग्राम) प्रमोद शिवहरे (43 वर्ष) निवासी शिवपुरी (हाल निवासी राजेन्द्रग्राम) दोनों आरोपियों के खिलाफ अपराध क्रमांक 245/2025, धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उन्हें न्यायालय में पेश किया गया है। पुलिस अन्य संलिप्त लोगों की तलाश में जुटी है।

तीन किलो गांजा के साथ पकड़ा गया तस्कर

छतरपुर। नशा मुक्ति अभियान के तहत चलाए जा रहे अभियान के तहत छतरपुर की सिविल लाइन पुलिस ने थाना क्षेत्र में 3 किलोग्राम गांजा के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए संदिग्ध को रोका और तलाशी ली, जिसमें उसके बैग से टैपिंग किए पैकेट में 3 किलोग्राम गांजा कीमत करीब 45,000 रुपये बरामद हुआ। पूछताछ में आरोपी कृष्णा पुत्र ओमप्रकाश बाजपेई निवासी बसारी दरवाजा छतरपुर ने बताया कि गांजा उसके मामा विनय पाराशर निवासी शाहगढ़ जिला सागर ने विक्रय के लिए दिया था। पुलिस ने दोनों के खिलाफ एनडीपीएस अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया।

मनमाने दामों पर बिक रहा डीएपी और यूरिया

तेंदूखेड़ा। एक तरफ जहां किसानों की आमदनी को दुगुना करने से लेकर तरह-तरह की लोभ लुभावनी घोषणाएं की जा रही है वहीं वर्तमान में किसान परेशान देखा जा रहा है। वर्तमान में जहां मूंग फसल को बेचने के लिए एक पखवाड़े से मुख्य सड़क मार्गों पर ट्रेक्टर लेकर पड़ा हुआ है। लगातार हो रही वारिस के चलते जहां सोयाबीन और अरहर का बीज खराब हो गया है। मक्का फसल भी अधिक पानी के कारण ग्रोथ नहीं कर पा रही है।इसी बीच किसानों को डी ए पी और यूरिया को लेकर काफी मशक्कत करनी पड़ रही है। बाजार में कुछ डी ए पी विक्रेताओं द्वारा मनमाने दामों में विक्री की जा रही है। यूरिया में भी गुणवत्ता देखनें को नहीं मिल रही है। कृषकों ने हमारे प्रतिनिधि को बताया कि कुछ व्यापारियों द्वारा निर्धारित मूल्य से भी अधिक दामों पर मौके का फायदा उठाकर बिक्री की जा रही है। जरुरत मंद किसानों को मजबूर होकर खरीदना ही पड़ता है। क्रृषि विभाग के अधिकारियों को चाहिए कि इन व्यापारियों की गोदामों का छापामार शैली में औचक निरीक्षण कर दंडात्मक कार्यवाही की जाये। कुछ कृषकों का कहना है कि इन व्यापारियों को पूर्व में सूचना मिल जाती है निरीक्षण के समय या तो व्यापारी अपनी दुकान और गोदाम में ताला डालकर चलते बनते हैं या फिर किसी भी तरह बच जाते हैं।

गांव वीरान.. न हाथी सुरक्षित, न इंसान

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

हाथियों का झुंड एक तरफ फसल को चट कर ही रहा है दूसरी तरफ पैरों से दबाकर फसलों को कुचल भी रहा है। कई बार हाथियों के हमले में लोगों की मौत भी हो रही है। लोगों ने वन विभाग की कार्रवाई पर भी सवालिया निशान लगाया और कहा कि विभाग की ओर से जो भी कार्य किए गए हैं उसका लाभ ग्रामीणों को नहीं मिला है बल्कि पहले की तुलना में हाथियों का झुंड लोगों और अधिक परेशान कर रहा है। हाथियों का झुंड आबादी वाले क्षेत्रों में घुस रहा है।

प्रभावित किसानों का कहना है कि हाथियों के झुंड से जितना उन्हें फसल का नुकसान हो रहा है उसकी भरपाई वन विभाग की ओर से नहीं की जा रही है। इससे ग्रामीणों का आर्थिक अहित हो रहा है। ग्रामीण आंदोलन की तैयारी कर रहे हैं। मिली जानकारी के अनुसार मध्य प्रदेश सरकार हाथियों के हमले में ग्रामीण क्षेत्र के मकानों को क्षतिग्रस्त करने पर महज पांच हजार रुपये मुआवजा देती है। यह तब है जब कच्चा मकान बनाने में भी लाखों रुपये का खर्च आता है। हाथी के हमले से मकान 50 प्रतिशत से अधिक क्षतिग्रस्त हो जाए तो पांच हजार रुपये, यदि मकान कच्चा है तो यह राशि घटकर तीन हजार रुपये हो जाती है। फसल की बात करें तो आज की मंहगाई में एक एकड़ जमीन में लगभग बीस हजार रोपाई का खर्च होता है जिस पर राहत राशि अधिकतम पांच हजार रुपए दिया जाता है, यह कैसी राहत और कैसा न्याय है।

छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णु देव साय ने सीएम आवास में किया सम्मान

बालाघाट की बेटी अंजली पंवार बनीं 2025 मिस यूनिवर्स छत्तीसगढ़

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

बालाघाट जिले की संस्कारधानी वारासिवनी तहसील मुख्यालय की बेटी डा. अंजली पंवार ने मिस यूनिवर्स छत्तीसगढ़ 2025 का खिताब अपने नाम किया हैं। इसके चलते अंजली का छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सीएम आवास में बुलाकर सम्मान किया गया। अब वह मिस यूनिवर्स इंडिया 2025 में प्रतिभागी बनकर नगर का नाम पूरे देश में रोशन कर रही हैं। डा. अंजली पंवार वारासिवनी नगर के वार्ड नंबर एक मिश्रा नगर निवासी पिता भुवन प्रसाद राहंगडाले (रसायन) व्याख्याता तथा माता पूजा राहंगडाले गृहणी हैं। डा. अंजली पंवार ने नगर में ही शिक्षा अध्ययन की थीं। उसके बाद दंत चिकित्सक की पढ़ाई इंदौर से पूरी की है। वर्ष 2018 में वहां पढ़ाई के साथ ही मिस इंदौर का खिताब अर्जित किया था, इसलिए उन्हें पूर्व मुख्यमंत्री व वर्तमान केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान भी सम्मानित कर चुके है। उनका विवाह रायपुर निवासी भारतीय इंजीनियर सेवा (आईईएस) में कार्यरत प्रसन्न बोपचे से हुआ। डा. अंजली पंवार गृहस्थी व दंत चिकित्सा का कार्य करने के साथ ही विभिन्न स्पर्धाओं में शामिल होते रहती हैं। गत मई माह में संपन्न हुए मिस यूनिवर्स छत्तीसगढ़ 2025 में हिस्सा लेकर अव्वल स्थान प्राप्त कर मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले का नाम रोशन किया हैं। मिस यूनिवर्स यूनिवर्स छत्तीसगढ़ बनने के बाद मिस यूनिवर्स इंडिया वर्ष 2025 के लिए इंदौर में चल रही प्रतियोगिता में प्रतिभागी के रूप में हिस्सा लिया हैं। बता दें कि मिस यूनिवर्स का खिताब प्रत्येक राज्य में आयोजित किया जाता है। यहां से अव्वल रहने वाले प्रतिभागी इंडिया लेवल में होने वाले मिस यूनिवर्स इंडिया में हिस्सा लेते है। 18 जुलाई से इंदौर में प्रारंभ हुए मिस यूनिवर्स इंडिया में डा. अंजली पंवार समेत 53 प्रतिभागियों ने शिरकत की हैं। मिस यूनिवर्स इंडिया लेवल की स्पर्धा इंदौर के अलावा जयपुर और कानपुर में भी होना है। आगामी 18 अगस्त को फाइनल फिलाने जयपुर में संपन्न होना है। डा. अंजली पंवार ने मिस यूनिवर्स छत्तीसगढ़ 2025 अपने नाम करने पर उनके उज्जवल भविष्य की कामना परिजनों, मित्रों समेत बालाघाट जिले के निवासियों ने की हैं।

झाड़-फूंक के बहाने किया दुष्कर्म, वीडियो बनाकर दो साल तक करता रहा ब्लैकमेल, पीड़िता ने अपने ही जेठ पर लगाया गंभीर आरोप, कहा पति और बच्चों की हत्या की दी थी धमकी

रीवा। जिले के बैकुंठपुर थाना क्षेत्र की एक महिला ने झाडफ़ूक के नाम पर दुष्कर्म का आरोप लगाते हुए शिकायत की है कि आरोपी उसका अशील वीडियो भी बनाया है, और उसे ब्लैकमेल कर रहा है। महिला ने रिश्ते में जेठ लगने वाले शख्स पर रेप करने का आरोप लगाया है। पीड़ित महिला का आरोप है कि आरोपी ने उसके साथ 2 साल पहले दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया था। जिसके बाद उसने धमकी दी थी कि अगर वह इस संबंध में किसी को बताई तो उसके पति और बच्चे को जान से मार देगा। पीड़ित महिला की शिकायत पर बैकुंठपुर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्ध कर उसे अभिरक्षा में लेकर पूंछताछ शुरू कर दी है। पीड़ित महिला की माने तो आरोपी ससुराल पक्ष की ओर से रिश्ते में जेठ लगता है जबकि मायके पक्ष की ओर से वह रिश्ते में उसका मौसा लगता है। बताया गया कि पीड़ित महिला आरोपी से पूर्व की परिचित थी जिसके चलते उसका अक्सर घर आना जाना भी हुआ करता था। पीड़िता के मुताबिक 2 वर्ष पूर्व आरोपी ने उसके साथ रेप की घटना को अंजाम दिया और घटना का वीडियो बना उसे ब्लैकमेल करने लगा, साथ ही घटना का किसी से भी जिक्र करने पर उसके बच्चे और पति को जान से मारने की धमकी दी। आरोपी द्वारा लगातार ब्लैकमेल कर की जा रही दुष्कर्म की घटना से परेशान होकर पीड़िता ने शुक्रवार की रात बैकुंठपुर थाने पहुंचकर मामले की शिकायत दर्ज कराई है। थाना प्रभारी जेपी पटेल के मुताबिक आरोपी द्वारा झाडफ़ूंक के नाम पर महिला को घर बुलाकर उसके साथ दुष्कर्म किया जा रहा था। महिला की शिकायत पर मामला पंजीबद्ध कर कार्रवाई की जा रही है।

जबलपुर। श्रावण मास का आज तृतीय सोमवार है। श्रावण मास के मेले लगेंगे। धार्मिक दृष्टि से अति महत्वपूर्ण श्रावण मास में शिवजी की आराधना की जा रही है। शिवालयों में अनुष्ठान चल रहे है। वहीं श्रावण मास पर मदनमहल की पहाड़ियों पर स्थित मां शारदा देवी के मंदिर में ध्वज जुलूसों का जोरदार समागम होगा।

मदन महल में भरेगा मेला : शिवालयों में अनुष्ठान

श्रावण के तृतीय सोमवार पर आज निकलेंगे ध्वज जलूस

श्रावण मास में हर वर्ष मदन महल की पहाड़ियों पर मेला लगता है। यहां विभिन्न सामाजिक और धार्मिक संगठन लाल ध्वज लेकर मां की वंदना करने पहुंचते है। श्रावण मास के इस मेले में सांम्प्रदायिक सौहार्द के नजारे भी दिखायी देते है। मंदिर जाने वाले रास्ते पर पीराने पीर की दरगाह में भी श्रद्धालु हरे निशान लेकर हाजिरी देने प्रकृति की हरियाली और पहाड़ियों के बीच ऊंचाईयों पर स्थित मंदिर में श्रद्दालु बड़ी संख्या में पहुंचते है। इसके अलावा गुप्तेश्वर महादेव मंदिर, कचनार सिटी स्थित बड़े शंकर जी के मंदिर, पिंपलेश्वर महादेव मंदिर, नर्मदेश्वर मंदिर जिलहरीघाट, बड़े शंकर जी के मंदिर गंजीपुरा में आज श्रावण सोमवार पर शिवजी के अभिषेक के बाद अद्भुत श्रंगार किया जाएगा। विभिन्न अखाड़ों के द्वारा ध्वज जुलूस निकाले जाएंगे। भगवान शिव की भक्ति और प्रकृति के श्रंगार से जुड़े श्रावण मास का आज तीसरा 28 जुलाई को पड़ रहा है। इस अवसर पर शिवालय में अच्छी खासी भीड़ नजर आएगी। सावन के महीने में देवाधिदेव महादेव भगवान शंकर की पूजा अर्चना और आराधना का दौर चल रहा है। सुबह से ही दुग्धाभिषेक और जलाभिषेक होंगे वहीं महिलाएं सावन सोमवार का उपवास रखकर भगवान भोलेनाथ से अपने पति की लंबी आयु की प्रार्थना करेंगी। श्रावण मास में भगवान भोलेनाथ को बिल्वपत्र (बेलपत्री) के साथ-साथ कच्चा दूध, सफेद, फल, धतूरा, भस्मी, भांग व सुगंधित द्रव्य खासतौर पर अर्पित की जाती है। धार्मिक मान्यता के अनुसार सावन मास में शिवजी को एक बेलपत्री चढ़ाने से 3 जन्मों के पापों का विनाश होता है।

सावन मास में नगर में अनेक स्थानों पर परंपरानुसार श्रावणी मेले भरते हैं। श्री गुप्तेश्वर महादेव मंदिर, कचनार सिटी बड़े शिवालय, श्री पाटबाबा मंदिर, श्री शारदा मंदिर मदन महल, श्री मंगलचण्डी माता मंदिर बधैया मोहल्ला, पिंपलेश्वर महादेव मंदिर, नर्मदेश्वर महादेव मंदिर, में सावन मास के मेले आयोजित होते हैं। मदन महल के शारदा मंदिर में सबसे पुराना श्रावणी मेला लगता है। मदन महल की सुरम्य वादियों के बीच ऊंचाई पर स्थित मंदिर में पहुंचने पर प्रकृति की अनुपम छटा का भी दर्शन होता है। चारों तरफ हरियाली और पहाड़ी का मनोरम दृश्य नजर आता है। यहां बड़ी संख्या में लोग मातारानी के दर्शन करने और लाल निशान (ध्वज) चढ़ाने बड़ी श्रद्धा और आस्था के साथ बाजे गाजे लेकर पहुंचते हैं। श्रावण मास के प्रत्येक सोमवार और शुक्रवार को मेले का माहौल रहता है। इसके अलावा कचनार सिटी, श्री पाटबाबा मंदिर, श्री गुप्तेश्वर महादेव मंदिर में भी सावन मास के मेले आयोजित होते हैं।

किया जा रहा निशुल्क काढ़ा और हवन सामग्री का वितरण

जबलपुर। सावन के महीना में 60 जड़ी बूटियां से तैयार की गई हवन सामग्री एवं सर्दी जुकाम बुखार खांसी के लिए आयुर्वेदिक काढा एवं सरयू नदी के जल का वितरण 13 जुलाई से 9 अगस्त तक बड़े फुहारा खुन्नेलाल एंड कंपनी आयुर्वेदिक दवाई की दुकान में प्रातः 9:00 बजे से रात के 9:00 बजे तक निशुल्क वितरण किया जा रहा हैं. सावन के महीने भर 60 जड़ी बूटियां से तैयार की गई हवन सामग्री से हवन करने से रोगों से मुक्ति मिलती है. जमुना प्रसाद अग्रवाल एडवोकेट ट्रस्ट के द्वारा लगातार सेवा कार्य जारी है. उपस्थिति की अपील शीर्ष अग्रवाल एडवोकेट स्पर्श अग्रवाल संस्कार अग्रवाल ने की है।

कांग्रेस सेवादल ने आयोजित किया मासिक ध्वजवंदन

जबलपुर। शहर कांग्रेस सेवादल जबलपुर द्वारा स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. रतन चंद नामदेव की पुण्य स्मृति में उनके छायाचित्र पर लॉर्डगंज चौक, जबलपुर में माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई एवं मासिक ध्वज वंदन का आयोजन किया गया। इस झंडा बंधन अवसर पर शहर सेवादल अध्यक्ष सतीश तिवारी की अगुवाई में ध्वजारोहण वरिष्ठ कांग्रेस नेत्री रुक्मणि गोटियां ने किया. इस अवसर पर अनुराग जैन गढ़वाल, रुक्मणि गोटियां, श्वेता तिवारी, मीनाक्षी स्वामी, रज्जू सराफ, मनोज नामदेव,अरुण पवार, मुन्ना सेन, महेशदत्त राय, विष्णु विनोदिया, विनय नेमा, उमेश पटेल, मनोज बैरागी, रिंकू कुशवाहा, राकेश चक्रवर्ती, सुनील दुबे, शिवकुमार गुड्डू चौबे, अभय सोनी, अनिल गुप्ता, हर्षवर्धन सिंह, इस्माइल पठान, रवि शर्मा, गौरी सेन एवं कमल चौधरी उपस्थित रहे।

फैमिली प्लानिंग एसोसिएशन ने मनाया 76वां स्थापना दिवस

जबलपुर। फैमिली प्लानिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया के 76वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य पर आज फैमिली प्लानिंग जबलपुर शाखा द्वारा इंदिरा मार्केट स्थित प्रशिक्षण केंद्र में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। जबलपुर शाखा प्रबंधक रवि शरण गौतम द्वारा जानकारी दी गई कि फैमिली प्लानिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया की स्थापना सन 1949 में पद्मश्री, पद्म भूषण से सम्मानित स्वर्गीय आवाबाई बोमनजी वाडिया और श्रीमती धनवंती रामा राउ के द्वारा की गई थी तब से लेकर आज दिनांक तक संपूर्ण भारत वर्ष में फैमिली प्लानिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया की 40 से भी अधिक शाखाएं संचालित हैं जिनके माध्यम से प्रजनन स्वास्थ्य, किशोर एवं युवा स्वास्थ्य, एचआईवी/एड्स, एसटीआई व आरटीआई (यौन जनित रोगों) का उपचार विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा न्यूनतम शुल्क लेकर किया जाता है। शाखा प्रबंधक रवि शरण गौतम द्वारा जानकारी दी गई कि आज के स्थापना दिवस कार्यक्रम में जबलपुर शाखा के संरक्षक अरुण देशमुख, अध्यक्ष डॉ. सदन यादव, उपाध्यक्ष डॉ. मुक्ता भटेले, कोषाध्यक्ष शशि अग्रवाल, विशेष सलाहकार डॉ. कुसुम जैन, डॉ. नमिता पाराशर व सदस्य असगर अली, कर्मन बाटलीवाला, युवा प्रतिनिधि व समस्त स्टाफ उपस्थित रहे। रवि शरण गौतम ने बताया कि फैमिली प्लानिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया की जबलपुर शाखा भी शहर में पिछले 65 वर्षों से निरंतर सेवाएं दे रही है और इस शाखा की क्लीनिक आगा चौक स्थित लाइफ मेडिसिटी हॉस्पिटल की प्रथम मंजिल पर स्थानांतरित हो गई है।

शासकीय शालाओं का मरम्मत कार्य अतिशीघ्र प्रारंभ किया जाए, मांग

जबलपुर। मध्य प्रदेश जागरूक अधिकारी कर्मचारी संगठन के प्रदेश अध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन ने बताया कि इस समय जबलपुर ज़िले में चारों तरफ बारिश हो रही है, ऐसे में जिले की सभी शासकीय शालाओं का बीआरसी, जन शिक्षक और इंजीनियर के द्वारा शालाओं में पहुँचकर जिन शालाओं की हालत जर्जर है या जहां की छत रिस रही है ऐसी सभी शालाओं को स्वयं चिन्हित कर रिपोर्ट तैयार कर जिला शिक्षा केंद्र में जानकारी दें जिससे अतिशीघ्र शासकीय शालाओं का मरम्मत कार्य पूर्ण हो सके जिससे नन्हे-मुन्नों के साथ भविष्य में होने वाली दुर्घटना को रोका जा सके। क्योंकि तेज बारिश के चलते कभी भी कुछ भी हो सकता है, अतः समय के रहते सभी सुरक्षा के इंतजाम कर लिए जाए। संगठन ने जिला शिक्षा अधिकारी से मांग की है कि जिले के सभी बीआरसी, जन शिक्षक और इंजीनियर को आदेशित किया जाए कि वे शालाओं का निरीक्षण कर रिपोर्ट तैयार कर प्रस्तुत करें जिससे अतिशीघ्र सुधार कार्य प्रारंभ हो सके। यह मांग संगठन के प्रदेश अध्यक्ष

शहर के सभी 967 बूथों में भाजपा कार्यकर्ताओ ने क्षेत्रीयजनों के साथ सुना मन की बात कार्यक्रम

जबलपुर।

भारतीय जनता पार्टी जबलपुर महानगर के कार्यकर्त्ताओ ने शहर के सभी 967 बूथों में रविवार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ''मन की बात'' कार्यक्रम को सुना।

''मन की बात'' कार्यक्रम को सांसद आशीष दुबे चंद्रशेखर आज़ाद मंडल बूथ 29 में, प्रदेश कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन मुखर्जी मंडल के बूथ 198 में, विधायक अशोक रोहानी भगत सिंह मंडल के बूथ 143 में, अभिलाष पांडे विवेकानंद मंडल के बूथ 202 में, महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू कुशाभाऊ ठाकरे मंडल के बूथ 45 में एवं पूर्व मंत्री शरद जैन के बूथ 69 में, हरेंद्रजीत सिंह बब्बू महर्षि वाल्मीकि मंडल के बूथ 241 में, अंचल सोनकर तिलक मंडल के बूथ 185 में, पूर्व अध्यक्ष जीएस ठाकुर बूथ 84 में एवं प्रभात साहू बूथ 108 में, नगर निगम अध्यक्ष रिंकू विज सुभाष चंद्र बोस मंडल के बूथ 12 में, एस के मुद्दीन अब्दुल हमिद मंडल के बूथ 107 में, शरद अग्रवाल दीनदयाल मंडल के बूथ 206 एवं श्रीमती अश्वनी पराँजपे बूथ 211 में, श्री अरविन्द पाठक छत्रपति शिवाजी मंडल के बूथ 160 एवं श्री रजनीश यादव 194 में, पूर्व महापौर श्री सदानंद गोडबोले नर्मदा मंडल के बूथ 212 में,श्री पंकज दुबे रानी दुर्गावती मंडल के बूथ 3 में, श्री राममूर्ति मिश्रा रानी दुर्गावती मंडल के बूथ 117 में बूथ कार्यकर्ताओं एवं क्षेत्रीयजनो के साथ सुना। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष शैलेन्द्र विश्वकर्मा, संतोष यादव, प्रणय गुप्ता, प्रशांत दुबे, नरेश पटेल, योगेश बिलोहा, राहुल रजक, सपन यादव, पुष्पराज पांडे, योगेश लोखंडे, ऋषि सोनकर, अमित राय, अकील अंसारी, गुड्डा केवट, पुष्पराज सेंगर, आशीष राव, सौरभ गोयल के साथ पदाधिकारी उपस्थित थे।

छात्रों ने जाना तम्बाकू सेवन से होने वाले दुष्परिणाम

जबलपुर। एकीकृत शासकीय हाई स्कूल रामपुर जबलपुर में 26 जुलाई को नवज्योति नशा मुक्ति केन्द्र अवधपुरी व लक्ष्य ओडीआईसी के तत्वावधान में "नशा से दूरी है जरूरी" कार्यक्रम के अंतर्गत छात्रों ने नशा के सेवन से होने वाले दुष्परिणाम को जाना। इस कार्यक्रम में संस्था प्रभारी हेमंत सोलंकी द्वारा बच्चों को विस्तार से नशे के दुष्परिणाम को बताया गया। शाला से किरण मिश्रा ने बच्चों को बताया कि नशे को न कहना है और हर बार दूर रहना है। सभी बच्चों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर अंकुर झारिया, लखन अहिरवार, राम यादव के साथ एकीकृत शासकीय हाई स्कूल रामपुर के प्राचार्य विशाल सिंह झारिया, अरुण प्यासी, किरण मिश्रा एवं विनोद कोरटकर की उपस्थिति रही।

पमरे का 'तृतीय सोपान व निपुण जांच शिविर प्रारंभ'

जबलपुर। पश्चिम मध्य रेल भारत स्काउट्स एवं गाइड्स जबलपुर मंडल द्वारा 27 से 29 जुलाई तक आयोजित तृतीय सोपान एवं निपुण जांच टेस्टिंग शिविर (स्काउट, गाइड, रोवर एवं रेंजर) का शुभारंभ पमरे जिला स्काउट डेन में किया गया। इस शिविर में जबलपुर मंडल के सभी ग्रुप के कुल 58 स्काउट, गाइड, रोवर, रेंजर्स भाग ले रहे हैं। इसके अतिरिक्त 15 प्रशिक्षक एवं स्टाफ तथा 08 सर्विस रोवर रेंजर भी भाग ले रहे हैं। शिविर संचालक के रूप में स्काउट विंग राकेश गौतम, एसडब्ल्यूबी/ स्काउट, गाइड विंग का संचालन लक्ष्मी पाणिग्रही जिला प्रशिक्षण आयुक्त गाइड द्वारा अपनी सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। शिविर में मंडल के पदाधिकारी जिला सचिव अनिल चौबे, जिला संगठन आयुक्त विमलेश तिवारी, संयुक्त सचिव संजीव तिवारी, जिला प्रशिक्षण आयुक्त राहुल कश्यप, जिला संगठन आयुक्त आरती रैकवार एवं अन्य लीडर अपनी सेवा प्रदान कर रहे हैं।

जादू की दुनिया में दादा-दादी और नाना-नानी का स्वागत

जबलपुर।

केंगारू किड्स प्री. स्कूल में आज ग्रैंडपेरेंट्स टी पार्टी का भव्य आयोजन किया गया, जिसकी थीम थी "हैरी पॉटर"। कार्यक्रम में बच्चों के साथ उनके दादा-दादी और नाना-नानी ने भी भाग लिया और जादुई वातावरण में विभिन्न हैरी पॉटर आधारित एक्टिविटीज का आनंद लिया। स्कूल परिसर को हॉगवर्ट्स की तरह सजाया गया था, जिससे बच्चों और बड़ों सभी ने एक जादुई अनुभव प्राप्त किया। कार्यक्रम में शामिल सभी अतिथियों के लिए स्वादिष्ट स्वल्पाहार की विशेष व्यवस्था की गई थी। यह आयोजन न केवल मनोरंजन से भरपूर रहा, बल्कि बच्चों और उनके परिवारों के बीच एक मजबूत भावनात्मक जुड़ाव का अवसर भी बना।

कंगारू किड्स प्री. स्कूल का यह प्रयास बच्चों में रचनात्मकता, परिवार के प्रति प्रेम और कल्पनाशक्ति को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक सफल पहल है। दादा-दादी, नाना-नानी के अतुल्य प्रेम के सामने ये एक दिन कुछ भी नहीं पर फिर भी ये बहुत खास है क्यूंकि ये नन्हे-मुन्ने बड़े ही मनमोहक अंदाज में उनके लिए गीत गाकर उनसे अपने प्रेम का मनन करते है जो कि सभी के लिए जीवनभर की यादगार बन जाता है। इसमें सभी ग्रैण्ड पेरेण्ट्स के लिए खास तौर पर बनाए गए स्वागत उपहार दिये गए। इस दिन को और रंगीन बनाया शाला संस्थापिका श्रीमति अर्पिता मालपाणी सीईओ प्रदीप गंगाधरन और शाला की प्रधान अध्यापिका श्रीमति सोनिया कोचर की उपस्थिति ने।

"मन की बात'' के 124वां एपिसोड का कार्यकर्ताओं ने किया श्रवण

जबलपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 124वां एपिसोड "मन की बात" कार्यक्रम बूथ क्रमांक 125 और 132 में सुना और सभी कार्यकर्ताओं के बीच सहभागिता देकर श्रवण किया गया। इस अवसर पर अतिथि के रूप में अखिलेश अवस्थी गुड्डू भैया, सुरेश पांडे, बूथ अध्यक्ष रमेश सौंधिया, प्रवीण चावड़ा, राजेश कोरी बबलू, सुरेंद्र परमार इत्यादि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भक्तों ने किया पार्थिव शिवलिंग निर्माण

जबलपुर। श्रावण महामहोत्सव के अंतर्गत गुप्तेश्वर महादेव मंदिर प्रांगण में 25 से 30 जुलाई तक आयोजित पार्थिव शिवलिंग निर्माण का कार्य 27 जुलाई को भी जारी रहा। आयोजक जनशक्ति मोहल्ला समिति गुप्तेश्वर के अध्यक्ष ने बताया कि इस अवसर पर डॉ. स्वामी मुकुंददास महाराज, विनय श्रीवास्तव, पं. रघुवीर भंडारी, पं. भूपेन्द्र मिश्रा के सान्निध्य में भक्तों ने पार्थिव शिवलिंग निर्माण किया।

किया पौधा रोणन

जबलपुर। नामदेव समाज विकास परिषद शाखा जबलपुर के कार्यकर्ता सदस्यों एव सामाजिक बंधुओं ने चन्द्रशेखर उद्यान में पौधारोपण किया गया जिसमें सभी बंधुओं ने अपने बुजुर्गों के नाम पर एक-एक पौधा लगाया। इस अवसर पर अध्यक्ष अशोक नामदेव, बृजेश नामदेव अवधविहारी नामदेव सहित भानू खापरे एवं अन्य पदाधिकारियों का सहयोग सराहनीय रहा।

ग्वारीघाट में घूम-घूम कर बेच रहा था नशीले इंजेक्शन

जबलपुर। ग्वारीघाट पुलिस ने सिध्द घाट के पास नशीले इंजेक्शन बेच रहे आरोपी को गिरफ्तार कर उसके पास से 10 नशीले इंजेक्शन जप्त किये हैं।

ग्वारीघाट पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार सिध्दघाट में छुई खदान निवासी 19 वर्षीय लकी शर्मा को गिरफ्तार किया गया। इसकी तलाशी लेने पर एक थैले में फेनिरामाइन मैलेट इंजेक्शन की 10 एमएल की 05 शीशीयाँ, एवं बूप्रेनोर्फिन इंजेक्शन की 02 एमएल की 05 शीशीयां, एवं 2700 रूपये नगद रखे मिला । आरोपी के कब्जे से प्रतिबंधित 10 नशीले इंजेक्शन एवं नगद 2700 रुपए जप्त करते हुए आरोपी लकी शर्मा के विरुद्ध धारा 5/13 ड्रग कंट्रोल एक्ट के तहत कार्यवाही की गई।

पतंजलि योगपीठ में दो दिवसीय निःशुल्क कृत्रिम अंग प्रत्यारोपण शिविर हुआ संपन्न

250 से अधिक लाभार्थियों को कृत्रिम हाथ-पैर, कैलिपर और बैसाखियां बांटी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हरिद्वार

पतंजलि वेलनेस और उद्धार जैफरीज नागपुर के संयुक्त तत्वावधान में पतंजलि योगपीठ में शिविर का आयोजन किया गया था। शिविर 26 एवं 27 जुलाई को पतंजलि वेलनेस में लगाया गया। हरिद्वार की ओर से दिव्यांगजन के सशक्तिकरण को लेकर आयोजित दो दिवसीय निशुल्क कृत्रिम अंग प्रत्यारोपण शिविर का रविवार को सफलता पूर्वक समापन हुआ।

इस जनसेवा शिविर में 250 से अधिक दिव्यांग लाभार्थियों को कृत्रिम हाथ, पैर, कैलिपर, बैसाखी आदि सहायक उपकरण निःशुल्क वितरित किए गए। शिविर की सफलता को देखते हुए यह तय किया गया कि शिविर को हर तीन से चार माह के अंतराल में लगाया जाएगा।

आचार्य बालकृष्ण ने कहा-प्रत्येक मानव को आत्मनिर्भर बनना हमारी राष्ट्र सेवा

शिविर मौजूद आचार्य बालकृष्ण ने दिव्यांगजनों के साथ संवाद किया और कहा कि पतंजलि का उद्देश्य केवल आयुर्वेदिक स्वास्थ्य ही नहीं, अपितु प्रत्येक मानव को आत्मनिर्भर बनाना है, यही हमारी राष्ट्र सेवा है। इस सेवा यज्ञ का आयोजन भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति, उद्धार सेवा समिति, अनुभवी चिकित्सकों, दक्ष टेक्नीशियनों, तथा पतंजलि सेवा विभाग के सेवाभावी कार्यकर्ताओं के सहयोग से संपन्न हुआ। शिविर में उपकरण वितरण के अतिरिक्त लाभार्थियों के लिए नाप-जोख, फिटिंग, फिजियोथेरेपी और परामर्श की भी समुचित व्यवस्था की गई थी। यह आयोजन न केवल शारीरिक सहायता का माध्यम बना, बल्कि दिव्यांगजनों के आत्मबल को सशक्त करने वाला प्रेरणास्रोत भी सिद्ध हुआ। पतंजलि योगपीठ की यह पहल मानव सेवा और राष्ट्र सेवा के प्रति उसकी गहन प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

स्वामी रामदेव ने कहा- ये दिव्यांग नहीं दिव्य आत्माएं हैं

इस पुनीत अवसर पर पतंजलि योगपीठ के संस्थापक स्वामी रामदेव महाराज एवं संयुक्त महासचिव आचार्य बालकृष्ण महाराज स्वयं उपस्थित रहे। दोनों ने लाभार्थियों को उपकरण प्रदान किए और आत्मनिर्भरता की राह पर उनका उत्साहवर्धन किया। इस मौके पर स्वामी रामदेव ने कहा कि ये दिव्यांग नहीं, दिव्य आत्माएं हैं। इन्हें सहानुभूति नहीं, सशक्तिकरण चाहिए।

इंटरनेशनल कैमेस्ट्री ओलम्पियाड में 'देवेश' ने गोल्ड और 'देबदत्ता' ने जीता था सिल्वर मैडल

प्रधानमंत्री मोदी ने मन की बात में एलन कोटा के स्टूडेंट देवेश और देबदत्ता की उपलब्धि को सराहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोटा

कॅरियर और केयर सिटी कोटा के विद्यार्थी अपनी उपलब्धियों से देश का गौरव बढ़ा रहे हैं। भारतीय प्रतिभाओं के इस प्रदर्शन को देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सराहा है। रविवार को प्रसारित हुए मन की बात के 124वें संस्करण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देवेश पंकज भैया व देबदत्ता प्रियदर्शी की उपलब्धि को सराहा है। ये दोनों एलन के क्लासरूम स्टूडेंट हैं। कैमेस्ट्री ओलम्पियाड का फाइनल यूएई में हुआ, जिसमें 4 स्टूडेंट्स ने भारत का प्रतिनिधित्व किया था, इसमें दो एलन कोटा के क्लासरूम स्टूडेंट्स थे।

देवेश पंकज भैया ने गोल्ड मैडल तथा देबदत्ता प्रियदर्शी ने सिल्वर मैडल जीता। देवेश ने कक्षा 12 के साथ तथा देबदत्ता ने कक्षा 10 के साथ परीक्षा देते हुए यह उपलब्धि हासिल की। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कुछ दिन पहले हमारे छात्रों ने इंटरनेशनल कैमेस्ट्री ओलम्पियाड में मैडल जीते हैं। इसमें देवेश पंकज, संदीप कुची, देबदत्ता प्रियदर्शी और उज्जवल केसरी ने भारत का नाम रोशन किया है। इसमें इसके साथ ही आस्ट्रेलिया में हुए इंटरनेशनल मैथेमेटिकल ओलम्पियाड में भी भारत ने अपनी पहचान को और मजबूत किया है। इंटरनेशनल मैथेमेटिकल ओलम्पियाड 3 गोल्ड, 2 सिल्वर व एक ब्रोंज मैडल हासिल किया है। उल्लेखनीय है कि देवेश पंकज भैया पिछले सात वर्षों से एलन कोटा का क्लासरूम स्टूडेंट हैं। इसी तरह देबदत्ता भी पिछले तीन साल से एलन के क्लासरूम स्टूडेंट हैं।

प्रतिभाओं को आगे लाने के लिए हर संभव प्रयासरत

एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ नितिन कुकरेजा ने बताया कि एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर के ओलम्पियाड में देश की प्रतिभाओं को आगे लाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है। यही कारण है कि हर वर्ष एलन स्टूडेंट्स इंटरनेशनल ओलम्पियाड में बेहतर प्रदर्शन कर भारत का नाम रोशन कर रहे हैं। एलन ने वर्ष 2013 से ओलम्पियाड की तैयारी के लिए प्रयास शुरू किए। कुछ ही वर्षों में बेहतर परिणाम सामने आने लगे। वर्ष 2024 तक विभिन्न इंटरनेशनल ओलम्पियाड में एलन स्टूडेंट्स ने 69 गोल्ड मैडल, 54 सिल्वर मैडल और 12 ब्रोंज मैडल हासिल किए। सबसे अधिक अब तक 38 गोल्ड मैडल इंटरनेशनल जूनियर साइंस ओलम्पियाड में हासिल किए गए हैं। इसके साथ ही फिजिक्स ओलम्पियाड में 10, कैमेस्ट्री में 6, बायलॉजी में 4, मैथेमेटिकल ओलम्पियाड में 3, एस्ट्रोनॉमी एण्ड एस्ट्रोफिजिक्स में 5 एवं जूनियर एस्ट्रोनॉमी में 3 गोल्ड मैडल जीते हैं।

कोटा आगे बढ़ाता है : देबदत्ता

देबदत्ता प्रियदर्शी ने प्रधानमंत्री को धन्यवाद देते हुए कहा कि इस सफलता में मेरी मेहनत के साथ एलन और कोटा का बड़ा योगदान है। कोटा का माहौल और यहां के कम्पीटिटिव एनवायरमेंट ने मुझे हर दिन मजबूत किया और मैं इस तरह की उपलब्धियों के लिए तैयार होता गया।

एलन ने कान्सेप्ट अच्छे किए : देवेश

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा कैमेस्ट्री ओलम्पियाड की उपलब्धि की सराहना पर धन्यवाद देते हुए देवेश पंकज ने कहा कि ओलम्पिक खेलों की तरह साइंस ओलम्पियाड को भी महत्व दिया जाए। इसमें भी देशभर के स्टूडेंट्स शामिल हों। एलन कोटा में जो अकेडमिक माहौल और सपोर्ट मिला।

सावन महीने में 600 करोड़ रुपए के कारोबार का अनुमान

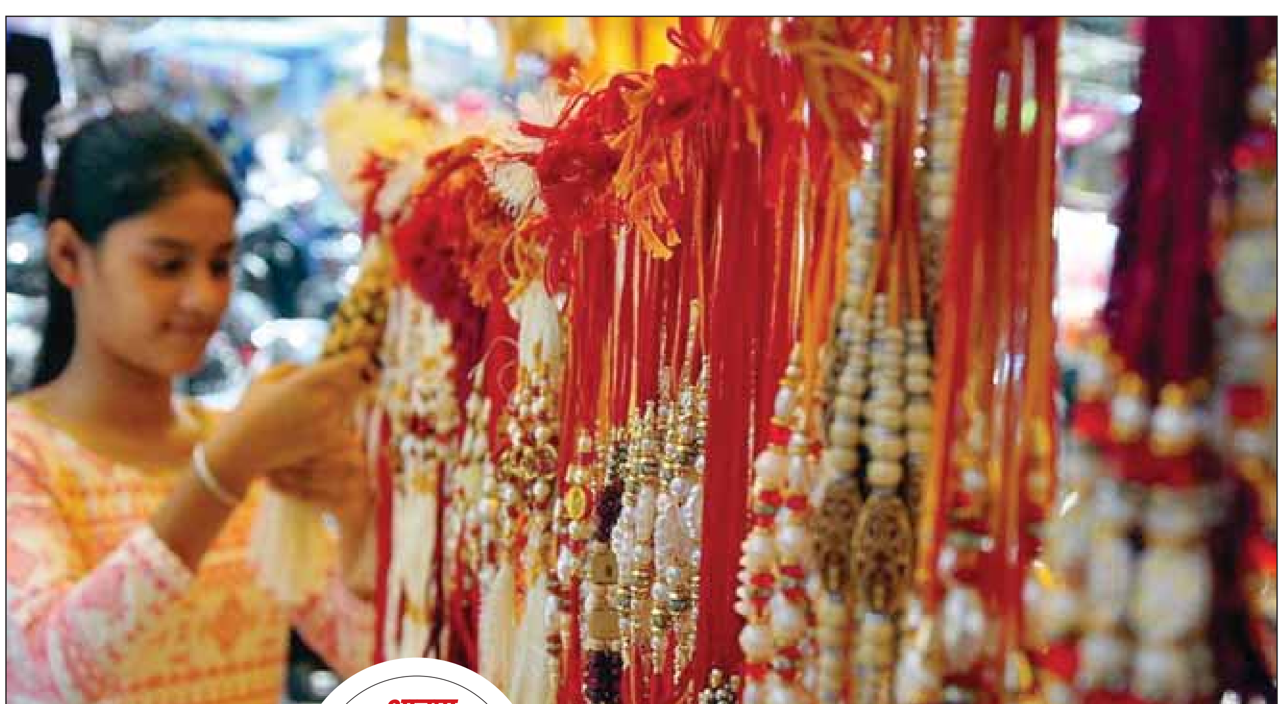

श्रावण मास में बेहतर व्यापार की उम्मीद

वाणिज्य प्रतिनिधि ▶▶| भोपाल

सावन महीने में दूध, मिठाई, व्रत में खाए जाने वाले नमकीन, प्रसाद, फल, ड्राईफ्रूट, पूजा के समान और मंदिरों की सजावट के लिए फूलों के अलावा होजरी आयटम, कपड़े, सौंदर्य प्रसाधन सामग्री, रेशम और धातुओं की राखी सहित अन्य सामग्री की काफी बिक्री होती है। बाजार में विभिन्न ट्रेडों के व्यापार-व्यवसाय से जुड़े दुकानदारों और व्यापारियों को श्रावण मास में बेहतर व्यापार की उम्मीद है। बाजार पंडितों और व्यापारिक संगठनों का अनुमान है कि सावन के महीने में राजधानी में करीब 600 करोड़ रुपए का कारोबार होने का अनुमान है। अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के प्रांतीय महामंत्री नवनीत अग्रवाल के अनुसार सावन के महीने में पूजा पाठ के आयोजन बढ़ने की वजह से धार्मिक विधि विधान के लिए पंडितों की सबसे ज्यादा मांग होती है। श्रद्धा और भक्ति में लीन लोग जमकर पैसा खर्च करते हैं जिसका फायदा बाजार को मिलता है। प्रमुख कावड़ यात्रा बारिश में भी व्यापार में गर्मी ला देती है। कावड़ बनाने के लिए बाँस, लकड़ी, रंगीन कागज, कपड़ा और घंटी या घुंघरू का बाजार गुलजार है। जबकि कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के पदाधिकारियों के अनुसार सावन की रिमझिम फुहारों के साथ बम -बम भोले की गूंज व्यापार को भी नई ऊर्जा देने वाला महीना साबित हो रहा है। इस महीने में रक्षाबंधन, जन्माष्टमी के दो बड़े त्यौहार कारोबार मजबूत करने का काम करते हैं। बाजार जानकार श्यामबाबू अग्रवाल के अनुसार सावन महीने में होजरी और कपड़ों का कारोबार भी खूब परवान चढ़ता है। टीशर्ट, निक्कर, पताका, तौलिया या फिर बटुआ, ये सब की बिक्री खूब होती है। महाकाल लिखे टीशर्ट्स हों या फिर भगवान शिव की तस्वीर वाले, इनकी मांग बढ़ी हुई।

हरी चूड़ी-साड़ी की बढ़ी मांग

न्यूमार्केट स्थित विमल साड़ी एम्पोरियम के संचालक नीलेश गोयल के अनुसार 9 अगस्त को सावन पूर्णिमा है और इसी दिन रक्षाबंधन का त्योहार मनेगा। परंपपराओं के निर्वाह के लिए महिलाएं सावन में हरी चूड़ी और साड़ी आदि पहनती हैं। इसके चलते शहर में साड़ियों का व्यवसाय करने वाले व्यवसायियों ने हरे रंग की साड़ी का स्पेशल कलेक्शन मंगवाया है। सभी अलग-अलग रेंज में हैं। उनके अनुसार सावन को लेकर इस बार साड़ियों के कई रेंज बाजार में उपलब्ध हैं। सिल्क, जॉर्जेट, कॉटन, मिक्स्ड फैब्रिक की साड़ियां महिलाओं को पसंद आ रही हैं। इन साड़ियों में चुनरी प्रिंट खासा पसंद किया जा रहा है। गोल्डेन बॉर्डर की लाइट वेट प्लेन साड़ी, लाइट वेट चुनरी प्रिंट जॉर्जेट साड़ी, तांत की कलरफुल साड़ियां इस बार ट्रेंड में हैं।

खरीदारी से दुकानदारों के चेहरे पर आने लगी रौनक

रक्षाबंधन 9 अगस्त को, सज गया सावन का बाजार

वाणिज्य प्रतिनिधि ▶▶| भोपाल

सावन के साथ ही त्योहारी सीजन की शुरुआत हो गई है। सावन माह के बाद पूर्णिमा के अवसर पर रक्षा बंधन पर्व 9 अगस्त को मनाया जाएगा। दुकानदारों ने रक्षाबंधन के त्योहार की तैयारी पूरी जोर-शोर से शुरू कर रही है, तो वहीं राजधानी सभी बाजार राखी की दुकानें सजने लगी हैं और विभिन्न प्रकार की राखियां ग्राहकों के लिए उपलब्ध हैं। भाई-बहन के इस खास पर्व को लेकर हर साल की तरह इस बार भी विविध प्रकार की राखियां उपलब्ध हैं। बाजार में महिलाओं के द्वारा राखियां, उपहार, मिठाईयां व नए कपड़े खरीदे जा रहे हैं। वहीं कुछ बहनों के द्वारा अपने भाइयों के लिए सोने-चांदी की राखियां भी खरीदी जा रही है। रक्षाबंधन के त्यौहारी सीजन पर दुकानदारों के चेहरे पर भी काफी रौनक भी दिखाई दे रही है।

चमकदार रत्न, स्टोन वर्क और एम्बेलिश्ड पैटर्न शामिल

राखियों के दुकानदार बताते है कि इस बार डिजाइनर रराखियों में आधुनिक डिजाइनों के साथ-साथ पारंपरिक तत्व भी देखने को मिलते हैं। इनमें चमकदार रत्न, स्टोन वर्क और एम्बेलिश्ड पैटर्न शामिल होते हैं, जो हर उम्र के भाई के लिए उपयुक्त हैं। इसके अलावा सिल्वर और गोल्ड राखियां खास तौर पर तैयार करवाई जाती हैं। सोने चांदी के व्यापारी आनंद सोनी ने बताया कि सिल्वर और गोल्ड की इन राखियों में परंपरागत आभूषण की तरह की लुक्स होती हैं, जो खास अवसर पर पहनने के लिए उपयुक्त हैं। इसके अलावा कस्टमाइज्ड राखी यह राखी विशेष रूप से भाई की पसंद और नाम के अनुसार बनाई जाती है।

हर कोई अपनी पसंद की राखी आसानी से चुन सकता

इसके अलावा छोटे बच्चों के लिए छोटा भीम डोरेमॉन आदि कार्टून, फिल्म स्टार्स, और खेल-कूद से संबंधित डिजाइन शामिल होते हैं। स्थानीय बाजारों के साथ-साथ ऑनलाइन प्लेटफार्म्स पर भी राखियों की खूबियों और विविधताओं का खासा ध्यान रखा गया है, जिससे हर कोई अपनी पसंद की राखी आसानी से चुन सकता है।

कपड़ा बाजार और उपहार की दुकानों पर भी नया स्टॉक

आगामी रक्षाबंधन के त्योहार के मद्देनजर कपड़ा और उपहार बाजार भी सज गया है। कपड़ा बाजार में नए डिजाइन और रंग-बिरंगे कपड़े उपलब्ध हैं, जिसमें पारंपरिक और आधुनिक फैशन शामिल हैं। वहीं, उपहार की दुकानों पर विशेष रूप से सजाए गए उपहार पैकेज, खिलौने और सजावटी वस्त्र उपलब्ध हैं। इस तरह, बाजार ने त्योहार की खुशियां बढ़ाने के लिए बेहतरीन विकल्प प्रदान किए हैं

राशिफल

मेष कुटुम्ब-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। मानसिक शान्ति रहेगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। कारोबार की स्थिति सन्तोषजनक रहेगी।

वृष कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। माता के स्वास्थ्य में सुधार होगा। धन आगमन की स्थितियां बनी रहेंगी।

मिथुन आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। अति उत्साही होने से बचें। सुस्वादु खानपान में रुचि बढ़ेगी, लेकिन स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें। वाणी के प्रभाव में वृद्धि

कर्क अनियोजित खर्चों में वृद्धि होगी। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी।

सिंह कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद की स्थिति बन सकती है। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकता है।

कन्या कुटुम्ब-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। आय की स्थिति में सुधार होगा। संयत रहें। क्रोध के क्रोध से परेशान रहेंगे। भागदौड़ अधिक रहेगी।

तुला दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें। वस्त्रों के प्रति रुझान बढ़ेगा। आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। नौकरी में तरक्की मिल सकती है।

वृश्चिक आय में वृद्धि होगी। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। मन में नकारात्मकता के प्रभाव से बचें। संतान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं।

धनु कारोबार पर ध्यान दें। कठिनाइयां आ सकती हैं। भागदौड़ अधिक रहेगी। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। पठन-पाठन में रुचि रहेगी।

मकर वाणी में सौम्यता रहेगी। नकारात्मक विचारों के प्रभाव से बचें। कारोबार में वृद्धि होगी। लाभ के अवसर मिलेंगे। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

कुंभ स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। नौकरी में अफसरों से मतभेद हो सकते हैं। मन प्रसन्न रहेगा। संयत रहें। बातचीत में सन्तुलित रहें। कारोबार में सुधार होगा।

मीन शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश यात्रा पर जाना हो सकता है। मानसिक शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। कारोबार की स्थिति में सुधार होगा।

नकली उत्पाद की बिक्री पर लगेगी रोक

अब क्यूआर कोड के साथ बिकेगी कोल्हापुरी चप्पल

एजेंसी ▶▶| कोल्हापुर

भारत के सबसे प्रतिष्ठित पारंपरिक शिल्प में से एक कोल्हापुरी चप्पल, न केवल घरेलू फैशन जगत में बल्कि अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी नए सिरे से लोकप्रिय हो रही है। एक इतालवी ब्रांड प्रादा पर इस चप्पल के दुरुपयोग का आरोप लगा है।

अपनी जटिल कारीगरी और सांस्कृतिक विरासत के लिए प्रसिद्ध और भौगोलिक संकेतक (जीआई) के दर्जे वाली यह हस्तनिर्मित चमड़े की सैंडल को अब क्यूआर कोड के रूप में सुरक्षा और प्रामाणिकता की एक अतिरिक्त परत के साथ उपलब्ध है। इसका श्रेय हालिया प्रौद्योगिकी और कानूनी नवोन्मेषण को जाता है।

इतालवी ब्रांड प्रादा पर इस चप्पल के दुरुपयोग का लगा आरोप

प्रादा ने स्वीकारी गलती

हाल ही में, इटली के लक्जरी फैशन ब्रांड प्रादा के नए कलेक्शन में कोल्हापुरी चप्पल जैसे दिखने वाले फुटवियर को शामिल किए जाने पर कारीगरों ने जीआई अधिकारों के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए विरोध जताया था। इस विवाद के बाद प्रादा ने स्वीकार किया था कि उसके पुरुषों के 2026 फैशन शो में प्रदर्शित सैंडल पारंपरिक भारतीय दस्तकारी वाले फुटवियर से प्रेरित थी।

12 वीं शताब्दी से चली आ रही परंपरा

12वीं शताब्दी से चली आ रही यह चप्पल मुख्य रूप से महाराष्ट्र के कोल्हापुर, सांगली और सोलापुर जिलों में तैयार की जाती रही है। प्राकृतिक रूप से टैन किए गए चमड़े और हाथ से बुनी हुई पट्टियों से बना इनके विशिष्ट डिजाइन को कारीगरों की पीढ़ियों द्वारा संरक्षित किया है।

उद्देश्य जालसाजी से निपटना

इस डिजिटल पहल का उद्देश्य जालसाजी से निपटना और प्रत्येक उत्पाद के पीछे कारीगर या स्वयं सहायता समूह की पहचान को उजागर करना है। कोड स्कैन करके खरीदार कारीगर या उत्पादन इकाई का नाम और स्थान, महाराष्ट्र में निर्माण के जिले, शिल्प तकनीक और प्रयुक्त कच्चे माल, जीआई प्रमाणन की वैधता और स्थिति जैसी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

फेड के फैसले और तिमाही नतीजों से तय होगी शेयर बाजार की दिशा

एजेंसी ▶▶| मुंबई

भारतीय शेयर बाजार में अगले हफ्ते काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। जानकारों का मानना है कि कई बड़ी कंपनियों के तिमाही नतीजे, फेडरल रिजर्व के ब्याज पर फैसले और विदेश पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की कारोबारी गतिविधियों पर इस हफ्ते बाजार की दिशा तय हो सकती है। इसके साथ ही, मासिक वाहन बिक्री के जारी किए जाने वाले आंकड़े, व्यापक आर्थिक आंकड़ों की घोषणा और वैश्विक बाजार के रुझानों की भी भारतीय बाजार की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका होने वाली है।

यूएस टैरिफ पर नजर

बाजार का फोकस एक अगस्त से लागू होने वाले अमेरिकी टैरिफ की समय-सीमा और थाइलैंड-कंबोडिया के बीच भूराजनीतिक तनाव पर भी होगी।

हरिभूमि की एजेंसी एवं प्रतियों के लिये संपर्क करें
मों. 9340637789

शब्द पहेली - 5941

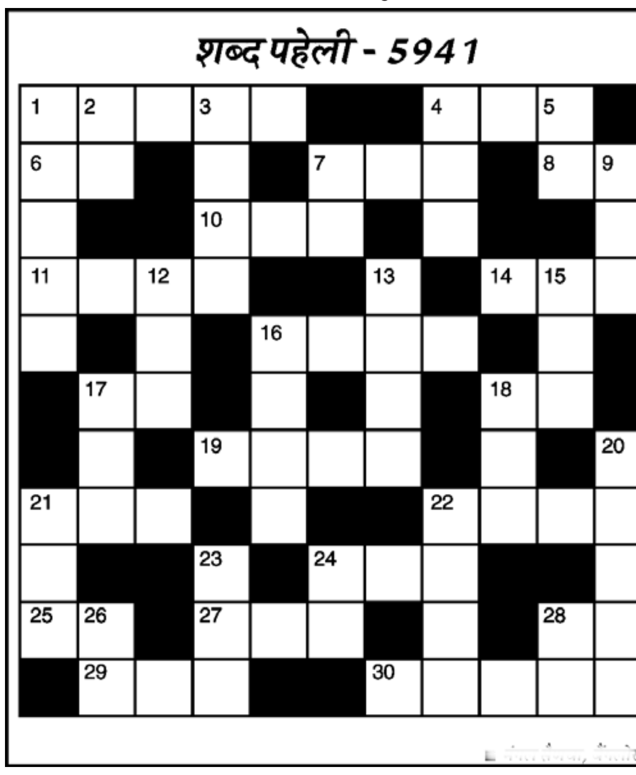

बाएँ से दाएँ
1.अशांति, उपद्रव-5
4.गुंडा, बदमाश-3
6.समान-2
7.वारंट, निर्गमपत्र-3
8.पत्र, पाती-2
10.आश्रय-3
11.भेंट, पुरस्कार-4
14.अनुमान, अंदाज-3
16.जो लायक न हो-4
17.एक खलनायक-2
18.जीव, जीवन-2
19.जांचना-परखना-4
21.ख्वाब, स्वप्न-3
22.बलशाली-4
24.रेखा, पंक्ति-3
25.प्यार (अंग्रेजी में-2)
27.भाग्य, किस्मत-3
28.पैंतरा, पारी-2
29.डांट-डपट, घुड़की-3
30.तसल्ली, विश्वास, भरोसा-5

ऊपर से नीचे
1.समानता का विलोम-5
2.सीता के पति-2
3.रोना, विलाप करना-4
4.सोच-विचार-3
5.जूं का अंडा-2
7.चाहने का भाव-2
9.भारत-पाक विभाजन की त्रासदी पर बना धारावाहिक-3
12.दशानन-3
13.मधुशाला-4
15.गुजर-बसर-3
16.नामांकित-4
17.मसविदा, रुप-रेखा-3
18.गंवार-3
20.मन को भाने वाला-5
21.आसान, सीधा-3
22.बारिश-4
23.पागल-3
24.होठ, अधर-2
26.हत्या-2
28.अन्न का एक कण-2

शब्द पहेली- 5940 का हल

■	म	हा	भा	र	त	■	प	र	वा	ना
त	न	■	रक	■	मा	हि	र	■	र	ग
न	■	त	र	क	श	■	ख	र	■	वा
ब	न्ध	क	■	■	बी	वी	■	न	ज	र
द	■	दी	■	दा	न	■	फां	■	ल	■
न	ज	र	बं	द	■	न	सी	ब	वा	ला
■	रु	■	दी	■	म	न	■	च	■	प
श	री	र	■	जं	हा	■	■	प	गा	र
रा	■	न	म	■	सा	ग	वा	न	■	वा
फ	ल	■	स	ज	ग	■	च	■	आ	ह
त	क्ष	शि	ला	■	र	द्द	क	र	ना	■

सूडोकु नवताल - 5951

सरल

5	9			3			8	7
8	7		1		5			
		2			9			4
	6				2		3	5
3	8		4	1	7		2	9
2	4		6				1	
7			3			8		
			5		8		7	3
9	3			2			6	1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

MANGAL SENACHA, BANGALORE

सूडोकु नवताल - 5950 का हल

7	4	8	3	9	2	1	5	6
2	6	9	5	7	1	8	4	3
3	1	5	4	8	6	7	2	9
5	7	4	8	6	9	3	1	2
8	9	1	2	3	4	6	7	5
6	3	2	1	5	7	4	9	8
4	8	7	6	2	5	9	3	1
9	2	6	7	1	3	5	8	4
1	5	3	9	4	8	2	6	7

पहले गेम में हम्पी और दिव्या के बीच भिड़ंत, 1-1 पर ड्रॉ, शुरुआती गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा संघर्ष

एजेंसी ⏭ बातुमी (जॉर्जिया)

फिडे महिला वर्ल्ड कप 2025 का फाइनल दिव्या और हम्पी के बीच 26 जुलाई से शुरू हुआ। फाइनल में दो क्लासिकल गेम होंगे पहले गेम 26 को खेला गया, जो कि ड्रॉ रहा। वहीं अब दूसरा गेम रविवार को खेला जा रहा है। बता दें कि, क्लासिकल फॉर्मेट में हर खिलाड़ी को पहले 40 चालों के लिए 90 मिनट मिलेंगे।

दिव्या का बेहतरीन प्रदर्शन

दिव्या देशमुख और दिग्गज कोनेरू हम्पी के बीच फिडे महिला वर्ल्ड कप का फाइनल मुकाबला खेला जा रहा है। इस दौरान शनिवार को फाइनल के पहले गेम में दिव्या ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए हम्पी को बराबरी पर रोका। विश्व रैपिड चैंपियन हम्पी का इस ड्रॉ के बावजूद पलड़ा भारी होगा क्योंकि वह काले मोहरों से खेल रही थी। दो-गेम के इस मिनी मैच में क्लासिकल शतरंज नियमों के तहत दूसरे और अंतिम गेम में हम्पी सफेद मोहरों से खेलेंगी।

हम्पी ने शुरुआत में बनाया दबाव

वहीं ये मुकाबला भी अगर बराबरी पर खत्म होगा तो विजेता का निर्धारण करने के लिए कम अवधि के गेम खेले जाएंगे। शुरुआती गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा संघर्ष देखने को मिला लेकिन दोनों अपने मौकों को भुनाने में सफल नहीं हुए। दिव्या पर हम्पी ने शुरुआत में दबाव बनाया लेकिन नागपुर की इस खिलाड़ी ने जल्द ही वापसी की और कम्प्यूटर के अनुसार 14वें चाल के बाद दिव्या का पलड़ा भारी था। हालांकि, हम्पी ने अनुभव का इस्तेमाल करते हुए मैच पर अपनी पकड़ कमजोर नहीं होने दी।

पहली चाल से 30 सेकंड को इंक्रीमेंट

फाइनल में दो क्लासिकल गेम होंगे पहले गेम 26 को खेला गया जो कि ड्रॉ रहा। वहीं अब दूसरा गेम 27 जुलाई, रविवार को हुआ। बता दें कि, क्लासिकल फॉर्मेट में हर खिलाड़ी को पहले 40 चालों के लिए 90 मिनट मिलेंगे। इसके बाद बाकी के गेम के लिए अतिरिक्त 30 मिनट दिए जाएंगे, जिसमें पहली चाल से 30 सेकंड को इंक्रीमेंट होगा।

इंक्रीमेंट के साथ होंगे दो रैपिड गेम

साथ ही अगर फिर भी क्लासिकल खेल में विजेता का फैसला नहीं होता है तो मैच टाई-ब्रेक की एक सीरीज के रूप में चलता रहेगा। सबसे पहले 10 मिनट प्लस 10 सेकंड के इंक्रीमेंट के साथ दो रैपिड गेम होंगे। इसके बाद फिर भी टाई रहता है तो 5 मिनट प्लस 3-सेकंड के इंक्रीमेंट के साथ दो पांच मिनट के गेम होंगे। ऐसे में जरूरत हो तो 3 मिनट प्लस 2-सेकंड के इंक्रीमेंट के साथ दो ब्लिट्ज गेम होंगे। बाद भी अगर मैच ड्रॉ रहता है तो खिलाड़ी तब तक 3+2 ब्लिट्ज गेम खेलना जारी रखेंगे तब तक कोई विजेता सामने नहीं आ जाता।

खबर संक्षेप

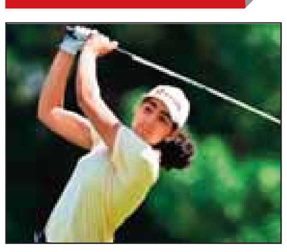

स्कॉटिश ओपनः 48वें स्थान पर पहुंची दीक्षा

नॉर्थ आयशर (स्कॉटलैंड)। भारतीय गोल्फर दीक्षा डागर 2025 आईएसपीएस हांडा महिला स्कॉटिश ओपन गोल्फ टूर्नामेंट के तीसरे दौर के बाद 11 स्थान के फायदे से संयुक्त रूप से 48वें स्थान पर हैं। लेडीज यूरोपीय टूर पर दो बार की विजेता 24 साल की दीक्षा ने तीसरे दौर में दो बर्डी और एक बोगी से एक अंडर 71 का स्कोर बनाया। वह दूसरे दौर के बाद संयुक्त रूप से 59वें स्थान पर थीं। टूर्नामेंट में हिस्सा ले रही दो अन्य भारतीय प्रणवी उर्स और त्वेसा मलिक इससे पहले कट हासिल करने में नाकाम रहीं।

जम्मू कश्मीर के खिलाड़ी जीत सकते हैं ओलंपिक में पदक : बिलकिस

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर की शीर्ष खिलाड़ियों में शामिल बिलकिस मीर का मानना है कि बर्फ से ढकी ढलानें, ग्लेशियर से निकलने वाली नदियां और खिलाड़ियों की नई पीढ़ी को देखते हुए शीतकालीन खेलों और जलक्रीड़ा में राज्य के खिलाड़ियों के पास देश के लिए ओलंपिक पदक जीतने की क्षमता है। पेरिस ओलंपिक (2024) में जूरी सदस्य के रूप में देश का प्रतिनिधित्व करने वाली पहली भारतीय महिला मीर ने कहा कि वह जम्मू-कश्मीर और देश को पोडियम के शीर्ष स्थान पर देखना चाहती हैं और इस दिशा में अपने प्रयास जारी रखेंगी। जल क्रीड़ा खिलाड़ी मीर ने कहा, 'मेरा सपना है कि जम्मू-कश्मीर और देश को वैश्विक मंच पर शीर्ष स्थान पर देखूं। जम्मू-कश्मीर में ओलंपिक में जलक्रीड़ा और शीतकालीन खेलों में भारत का सफलतापूर्वक नेतृत्व करने की क्षमता है क्योंकि हमारे पास प्राकृतिक संसाधन होने के साथ-साथ आवश्यक प्रतिभा भी है, जिसे बस निखारने की आवश्यकता है।'

सीनियर ओपनः भारतीय खिलाड़ियों की तालिका में शीर्ष पर अटवाल

सनिंगडेल (ब्रिटेन)। अर्जुन अटवाल आईएसपीएस हांडा सीनियर ओपन गोल्फ के तीसरे दौर में 1-अंडर 69 का स्कोर करने के बाद संयुक्त 29वें स्थान के साथ भारतीय खिलाड़ियों में तालिका में शीर्ष पर है। सीनियर्स टूर पर अपना दूसरा टूर्नामेंट खेल रहे अटवाल ने शुरुआती दो दौर में 67 और 72 के कार्ड खेले थे। 54 होल के खेल के बाद उनका कुल स्कोर दो अंडर का है। ज्योति रंधावा (70-71-70) एक ओवर के स्कोर के साथ संयुक्त 50वें स्थान पर है, जबकि जीव मिल्खा सिंह (71-69-74) पांच-ओवर के स्कोर साथ संयुक्त 69वें स्थान पर है।

चौथा टेस्ट: शुभमन ने सीरीज में 700 से ज्यादा रन ठोके

गिल की जुझारू पारी, इंग्लैंड के खिलाफ आधा दर्जन शतक पूरे

शुभमन गिल
बल्लेबाजी
103 रन
238 गेंद
12 चौके
00 छक्के

एजेंसी ⏭ मैनचेस्टर

भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने मैनचेस्टर में रविवार को इंग्लैंड के खिलाफ जुझारू शतक जड़ा। सीरीज में 700 से ज्यादा रन ठोक चुके गिल ने ऐसी परिस्थिति में शतक जड़ा जब भारतीय टीम पर पारी से हार का खतरा मंडरा रहा है। गिल का यह टेस्ट करियर में 9वां शतक है। गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ आधा दर्जन शतक जड़ दिए हैं।

वहीं गिल की शतकीय पारी के दम पर भारत ने पांच मैचों की श्रृंखला के चौथे टेस्ट मैच के अंतिम दिन इंग्लैंड के खिलाफ लंच के विश्राम तक चार विकेट पर 223 रन बनाकर मैच बचाने का अपना संघर्ष जारी रखा। पहली पारी में 311 रन से पिछड़ने वाली भारतीय टीम अब भी इंग्लैंड से 88 रन पीछे हैं। लंच तक वाशिंगटन सुंदर (नाबाद 21) के साथ रविंद्र जडेजा खाता खोले बिना क्रीज पर मौजूद थे।

35 साल बाद ओल्ड ट्रैफर्ड मैदान में किसी भारतीय का शतक

भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने इतिहास के पन्नों में अपना नाम दर्ज करा लिया है। मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में खेले जा रहे चौथे टेस्ट मैच में शुभमन गिल ने पांचवें दिन शतक ठोका। इसके साथ ही उनके नाम एक बड़ा रिकॉर्ड हो गया है। दरअसल, 35 साल बाद किसी भारतीय बल्लेबाज ने मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में सेंचुरी लगाई है। इससे पहले इस मैदान पर 1990 में सचिन तेंदुलकर के बल्ले से शतक निकला था।

विदेशी सरजमीं पर दो भारतीय बल्लेबाजों ने बनाए 500 रन से अधिक

टेस्ट इतिहास में ऐसा दूसरी बार हुआ, जब विदेशी सरजमीं पर एक ही टेस्ट सीरीज में दो भारतीय बल्लेबाजों ने 500+ रन बनाए। इंग्लैंड के विरुद्ध इस टेस्ट सीरीज में शुभमन गिल ने चार मुकाबलों की आठ पारियों में 99.57 की औसत के साथ 697 रन बनाए हैं। वहीं, दूसरी तरफ केएल राहुल चार मुकाबलों की आठ पारियों में 72.57 की औसत के साथ 508 रन जोड़े हैं।
पहली बार यह कारनामा भारतीय बल्लेबाजों ने वेस्टइंडीज की सरजमीं पर 1970-71 में खेली गई टेस्ट सीरीज में किया था। सुनील गावस्कर ने उस सीरीज में 774 रन बनाए थे, जबकि दिलीप सरदेसाई ने 642 रन जोड़े।

कप्तान के रूप में एक टेस्ट सीरीज में सर्वाधिक शतक

वहीं शुभमन गिल अब कप्तान के रूप में एक टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले संयुक्त रूप से विश्व के तीसरे खिलाड़ी बन गए हैं। गिल से पहले सर डॉन ब्रैडमैन भारत के खिलाफ कप्तानी करते हुए चार शतक लगा चुके हैं। वहीं भारत के सुनील गावस्कर ने कप्तान रहते हुए वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में चार शतक ठोक दिए थे।

- 4 – सर डॉन ब्रैडमैन बनाम भारत, 1947/48 (घरेलू)
- 4 – सुनील गावस्कर बनाम वेस्टइंडीज, 1978/79 (घरेलू)
- 4 – शुभमन गिल बनाम इंग्लैंड, 2025 (विदेशी)**

गावस्कर-कोहली क्लब में शामिल हुए गिल

इसके साथ ही शुभमन गिल ने किसी भारतीय बल्लेबाज की ओर से एक टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा शतक लगाने के रिकॉर्ड की भी बराबरी कर ली है। इंग्लैंड के खिलाफ जारी सीरीज में गिल ने चौथा शतक जड़ा है। भारत के लिए एक टेस्ट में सीरीज में सबसे ज्यादा शतक लगाने का रिकॉर्ड संयुक्त रूप से सुनील गावस्कर और विराट कोहली के नाम है। गावस्कर ने दो बार वेस्टइंडीज के खिलाफ एक सीरीज में चार शतक लगाए हैं। वहीं विराट ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज में चार सेंचुरी ठोकी थीं।

एक टेस्ट सीरीज में भारत के लिए सर्वाधिक शतक

- 4 – सुनील गावस्कर बनाम वेस्टइंडीज़, 1971 (विदेश में)
- 4 – सुनील गावस्कर बनाम वेस्टइंडीज़, 1978/79 (घरेलू)
- 4 – विराट कोहली बनाम ऑस्ट्रेलिया, 2014/15 (विदेश में)
- 4 – शुभमन गिल बनाम इंग्लैंड, 2025 (विदेश में)**

डीसी ओपनः फाइनल में पहुंची लेलाह फर्नांडिज और अन्ना कालिन्सकाया

एजेंसी ⏭ वाशिंगटन

लेलाह फर्नांडिज हार्ड कोर्ट टेनिस प्रतियोगिता डीसी ओपन के फाइनल में सत्र का पहला डब्ल्यूटीए खिताब जीतने उतरेंगी जबकि अन्ना कालिन्सकाया की नजरें करियर के पहले खिताब पर होंगी। अमेरिकी ओपन 2021 की उप विजेता फर्नांडिज ने 12 ऐस लगाते हुए सेमीफाइनल में 2022 की विंबलडन चैंपियन एलेना रिबाकिना को तीन घंटे और 16 मिनट में 6-7, 7-6, 7-6 से हराया।
कालिन्सकाया ने हालांकि फर्नांडिज से आधे से भी कम समय में ऐमा राडुकानु को 6-4, 6-3 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। फाइनल में जगह बनाने वाली फर्नांडिज और कालिन्सकाया दोनों गैरवरीय खिलाड़ी हैं।

फाइनल में दूसरी बार पहुंचे मनोर

पुरुष एकल में सातवें वरीय एलेक्स डि मनोर ने कोरेंटिन मोटेट को 6-4, 6-3 से हराकर दूसरी बार इस टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई। अब उनकी भिड़ंत स्पेन के 12वें वरीय एलेजांद्रो डेविडोविच फोकिना से होगी। फोकिना ने सेमीफाइनल में चौथे वरीय बेन शेल्टन को 6-2, 7-5 से हराया।

टेबल टेनिस को लगातार चैंपियन देने के लिए व्यवस्था की जरूरत

नई दिल्ली। अनुभवी टेबल टेनिस खिलाड़ी शरत कमल का मानना है कि भारतीय टेबल टेनिस को युवा प्रतिभाओं को सीनियर स्तर पर सफलतापूर्वक आगे बढ़ने में मदद करने के लिए एक सुस्पष्ट प्रणाली की आवश्यकता है। हालांकि हाल के परिणाम उत्साहजनक रहे हैं लेकिन 43 वर्षीय शरत का कहना है कि दीर्घकालिक विकास को बढ़ावा देने वाली प्रणाली के बिना केवल प्रतिभा ही पर्याप्त नहीं है। शरत ने बताया, 'हम एक-दो सितारों पर निर्भर नहीं रह सकते, हमें एक ऐसी संरचना की आवश्यकता है, जो लगातार चैंपियन तैयार करे।' उन्होंने कहा, 'युवा प्रतिभाएं तो बहुत हैं लेकिन मुख्य समस्या बदलाव के दौर की है। जब तक हम सही व्यवस्था नहीं अपनाते, हम जूनियर चैंपियन को सीनियर चैंपियन बनते नहीं देख पाएंगे।' भारत ने 2024 एशियाई चैंपियनशिप में तीन कांस्य पदक जीते, जिसमें आयहिका और सुतीर्था मुखर्जी ने महिला युगल में ऐतिहासिक पहला पदक जीता जबकि महिला टीम स्पर्धा में भी पहली बार कांस्य पदक मिला। पेरिस ओलंपिक में महिला टीम पहली बार क्वार्टर फाइनल में पहुंची और प्री क्वार्टर फाइनल में दुनिया की चौथे नंबर की रोमानियाई टीम को हराया।

ग्रीन और इंग्लिस का अर्धशतक, ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को तीन विकेट से दी मात

एजेंसी ⏭ बासेटेरे (सेंट किट्स)

कैमरन ग्रीन और जोश इंग्लिस के अर्धशतक से ऑस्ट्रेलिया ने चौथे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में वेस्टइंडीज को 3 विकेट से हराकर 5 मैच की श्रृंखला में 4-0 की बढ़त बना ली। वेस्टइंडीज के 206 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने ग्रीन (नाबाद 55, 35 गेंद, 3 छक्के, 3 चौके) और इंग्लिस (51 रन, 30 गेंद, 10 चौके, 1 छक्का) की पारियों की बदौलत 19.2 ओवर में सात विकेट पर 206 रन बनाकर जीत दर्ज की। वेस्टइंडीज की ओर से जेडिया ब्लेड्स ने 29 रन देकर तीन विकेट चटकाए।

- आस्ट्रेलिया ने 5 मैच की टी20 श्रृंखला में बनाई 4-0 की बढ़त

वेस्टइंडीज ने बनाए 205 रन

वेस्टइंडीज ने इससे पहले 9 विकेट पर 205 रन बनाए लेकिन उसकी तरफ से कोई बल्लेबाज टिककर बड़ी पारी नहीं खेल पाया। मेजबान टीम के चार बल्लेबाजों ने 20 रन के आंकड़े को पार किया, जिसमें शेरफेन रदरफोर्ड 31 रन बनाकर टीम के शीर्ष स्कोरर रहे। ऑस्ट्रेलिया की ओर से आरोन हार्डी, जेवियर बार्टलेट, और सीन एबट ने दो-दो जबकि एडम जंपा ने तीन विकेट चटकाए।

विश्व विश्वविद्यालय खेलः भारत ने स्पर्धा में जीते दो स्वर्ण, चार रजत और तीन कांस्य पदक

अंकिता ने 3 हजार मीटर स्टीपलचेज में जीता रजत पदक

एजेंसी ⏭ राइन रूहर (जर्मनी)

भारत की स्टीपलचेज एथलीट अंकिता ने विश्व विश्वविद्यालय खेलों के अंतिम दिन 9:31.99 सेकेंड के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय के साथ 3000 मीटर स्पर्धा में रजत पदक जीता।

रविवार को कई भारतीय एथलीट ट्रैक स्पर्धाओं में प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। 23 वर्षीय अंकिता ने अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय 9:39.00 सेकेंड से लगभग सात सेकेंड कम समय में रजत पदक जीता। वह फिनलैंड की इलोना मारिया मोनोनेन (9:31.86 सेकेंड) के मिली सेकेंड से पीछे रहीं। जर्मनी की अदिया बुड्डे ने 9:33.34 सेकेंड का समय लेकर कांस्य पदक जीता।

भारतीय पैदल चाल एथलीटों का प्रदर्शन निराशाजनक

रिले स्पर्धाओं में भारत पारंपरिक रूप से मजबूत है, जो पुरुषों की चार गुणा 400 मीटर और चार गुणा 100 मीटर तथा महिलाओं की चार गुणा 100 मीटर रिले स्पर्धाओं में पदकों की संख्या को और बेहतर करने की कोशिश करेगा। भारतीय पैदल चाल एथलीटों का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। कोई भी पुरुष और महिला वर्ग में शीर्ष 10 में भी जगह नहीं बना पाया। हालांकि कुछ ने व्यक्तिगत या सत्र का सर्वश्रेष्ठ समय निकाला।

अंकिता ने हीट 1 में हासिल किया था शीर्ष स्थान हासिल

अंकिता ने 9:54.79 सेकंड का समय निकालकर हीट 1 में शीर्ष स्थान हासिल किया था और फाइनल में अपनी जगह पक्की की थी। सुबह के सत्र में अंकिता के पदक जीतने के साथ भारत ने इस प्रतिष्ठित स्पर्धा में अपने पदकों की संख्या दो स्वर्ण, चार रजत और तीन कांस्य पदकों तक पहुंचा दी है। भारतीय महिला चार गुणा 400 मीटर रिले टीम ने 3:35.08 सेकंड से सत्र का सर्वश्रेष्ठ समय निकाला, लेकिन यह पदक के लिए पर्याप्त नहीं था।

तीरंदाज साहिल जाधव को स्वर्ण त्रिकूद में चित्रावेल ने जीता रजत

साहिल जाधव ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुषों के कंपाउंड व्यक्तिगत वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। इससे पहले परनीत कौर महिला कंपाउंड के रोमांचक फाइनल में दक्षिण कोरिया की मून यीउन के खिलाफ दबाव में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में नाकाम रही और उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा। इन दोनों के अलावा भारत ने कंपाउंड तीरंदाजों ने मिश्रित टीम स्वर्ण, पुरुषों की टीम रजत, महिलाओं की टीम कांस्य के साथ रिकर्व तीरंदाजों के निराशाजनक प्रदर्शन की काफी हद तक भरपाई भी कर दी। वहीं भारत के 24 वर्षीय एथलीट प्रवीण चित्रावेल ने अपने दूसरे प्रयास में 16.66 मीटर की शानदार छलांग लगाकर त्रिकूद में रजत पदक जीता। भुवनेश्वर ऑस्ट्रेलिया के कॉनर मर्फी से पीछे रहा, जिन्होंने 16.77 मीटर की इस सत्र की सर्वश्रेष्ठ छलांग लगाई।

विश्व तैराकी चैंपियनशिप में आर्यन-लिखित का सफर खत्म

एजेंसी ⏭ सिंगापुर

भारतीय तैराक आर्यन नेहरा विश्व एक्वाटिक्स चैंपियनशिप में फाइनल के लिए क्वालीफाई करने से चूक गए जबकि एसपी लिखित भी अपनी स्पर्धा के सेमीफाइनल में जगह बनाने में नाकाम रहे। पुरुषों के 400 मीटर फ्रीस्टाइल वर्ग में प्रतिस्पर्धा कर रहे नेहरा चार मिनट 00.39 सेकेंड के समय के साथ अपनी हीट (शुरुआती दौर की रेस) में सातवें और कुल मिलाकर 37वें स्थान पर रहे। शीर्ष आठ तैराक फाइनल में पहुंचे।

ऑस्ट्रेलिया के सैमुअल शॉर्ट ने तीन मिनट 42.07 सेकेंड के सबसे कम समय के साथ हीट में शीर्ष स्थान हासिल किया। दूसरी ओर लिखित ने पुरुषों की 100 मीटर

ब्रेस्टस्ट्रोक स्पर्धा में एक मिनट 1.99 सेकेंड का समय लेकर कुल मिलाकर 40वां स्थान हासिल किया। शीर्ष 16 तैराकों ने सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई किया। तुर्की के नुसरत अल्लाहवर्दी एक मिनट 1.11 सेकेंड के समय के साथ हीट में सबसे तेज तैराक रहे।

बम बम भोले

मतंगेश्वर महादेव मंदिर का रहस्य: हर साल बढ़ती है शिवलिंग की लंबाई

अनुरोध पटेरिया

खजुराहो। प्रति वर्ष कार्तिक माह की शरद पूर्णिमा के दिन शिवलिंग की लंबाई एक तिल के आकार के बराबर बढ़ती है.मध्य प्रदेश में खजुराहों के मंदिर अपनी हजार साल पुरानी स्थापत्य कला की वजह से पूरी दुनिया के लिए आकर्षण का केंद्र हैं और उन्हें यूनेस्को ने विश्व धरोहर में स्थान दिया है. इतिहास में यहां 85 मंदिरों के मौजूद होने के प्रमाण हैं लेकिन आज सिर्फ 25 मंदिर ही हैं.चंदेल शासक हर्षदेव के काल में मातंगेश्वर मंदिर का निर्माण हुआ था. मंदिर के गर्भगृह में विशाल शिवलिंग है।जो स्थापना के बाद से अब तक पूज्यनीय है।

मतंगेश्वर महादेव मंदिर के पुजारी प्रदीप गौतम बताते हैं कि यहां शिवलिंग 9 फीट जमीन के अंदर और उतना ही बाहर भी है.शिवलिंग में गड़ी कील के बारे में पुजारी बताते है कि बढ़ती लंबाई को देखते हुए शिवलिंग पर मंत्रों द्वारा कील स्पर्श कराई गई थी. जिससे शिवलिंग की बढ़ती लंबाई की तेज गति को स्थिर कर दिया गया था.पुजारी कहते हैं कि मंदिर की विशेषता यह है कि यह शिवलिंग जितना ऊपर की तरफ बढ़ता है, उतना ही नीचे की तरफ भी बढ़ता है. वैसे तो यह मंदिर भक्तों से सालभर भरा रहता है लेकिन सावन माह में यहां श्रद्धालुओं का तांता लगा रहता है.खजुराहो में मतंगेश्वर महादेव मंदिर ही एक ऐसा मंदिर है, जहां शिव की पूजा सदियों से रोजाना होती चली आ रही है.पौराणिक कथाओं के अनुसार भगवान शंकर के पास मरकत मणि थी, जिसे शिव ने पांडवों के भाई युधिष्ठिर को दे दी थी. युधिष्ठिर के पास से वह मणि मतंग ऋषि तक पहुंची और उन्होंने उसे चंदेल राजा हर्षवर्मन को दे दिया. मंदिर निर्माण के समय मणि को शिव लिंग के आधार में रख दिया।मतंग ऋषि की मणि की वजह से ही इनका नाम मतंगेश्वर महादेव पड़ा। तब से मणि शिवलिंग के नीचे ही है. खजुराहो में स्थित, मतंगेश्वर मंदिर भारत की समृद्ध आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत का प्रमाण है। भगवान शिव को समर्पित यह प्राचीन मंदिर न केवल धार्मिक महत्व का स्थल है, बल्कि एक स्थापत्य कला का भी अद्भुत नमूना है। यह मंदिर एक सादा, चौकोर संरचना वाला है, जिसकी योजना और बनावट ब्रह्मा मंदिर के समान है, लेकिन इसमें कुछ उल्लेखनीय अंतर हैं जो खजुराहो की स्थापत्य शैली के विकास को दर्शाते हैं। मंदिर के अंदर एक विशाल शिवलिंग और योनिपीठ है, जिसमें शिवलिंग अपनी चमकदार सतह के लिए विशेष रूप से उल्लेखनीय है। मंदिर के मुख्य भाग पर दो फ़ारसी और कई नागरी शिलालेख हैं, जो इस स्थल में ऐतिहासिक और भाषाई रुचि को बढ़ाते हैं। भक्त प्राचीन परंपराओं का पालन करते हुए योनिपीठ के चारों ओर घूमकर परिक्रमा करते हैं।मंदिर की छत एक वास्तुशिल्पीय चमत्कार है, जो एक अष्टकोणीय आधार पर टिकी हुई, एक-दूसरे पर चढ़े हुए संकेंद्रित वलयों से बनी है। यह डिज़ाइन चार जोड़ी स्तंभों पर टिकी है, जो चारों द्वारों में से प्रत्येक में एक-एक रखा गया है। दिलचस्प बात यह है कि कोनों में स्थित चार स्तंभ मूल डिज़ाइन का हिस्सा नहीं थे, बल्कि बाद में छत के टूटे हुए चौखटों को सहारा देने के लिए जोड़े गए थे, जो दर्शाता है कि मंदिर का संरक्षण बाद के राजवंशों द्वारा किया गया है।इसका संरक्षण और निरंतर उपयोग खजुराहो के आध्यात्मिक और सांस्कृतिक परिदृश्य में स्थायी महत्व को दर्शाता है।मंदिर का रहस्य आज भी दर्शनार्थियों में विस्मय और भक्ति का संचार करता है।शिवरात्रि के दौरान मतंगेश्वर मंदिर जाना एक अनोखा अनुभव होता है, जो आमतौर पर फरवरी या मार्च में मनाया जाता है। इस दौरान, मंदिर में भगवान शिव के विवाहोत्सव में यजमान बनने वाली मयंका गौतम बतातीं है कि शिव पार्वती के विवाह की पूरी रस्में बुंदेली रीती से पूरी होती है। जिसमें छई माटी, हल्दी, मेहदी, मड़ोआ, मायनों, निकाशू, बारात, द्वारचार, भांवर, कलेवा और बिदा पूरी विधान से होता है। बारात के आयोजक विधायक अरविंद पटेरिया ने बताया कि इस उपलक्ष्य में तीन दिवसीय भव्य समारोह आयोजित किया जाता है जिसमें पूरे बुंदेली राग तान के साथ शिव जी बारात निकलती है जिसमें कीट,पतंगों सहित नंदी प्रमुख बाराती होते हैं। यह आयोजन देश भर से बड़ी संख्या में भक्तों को आकर्षित करता है और प्रार्थनाओं, अनुष्ठानों और उत्सवों से भरपूर एक जीवंत वातावरण बनाता है। मंदिर का गर्भगृह भी चौरस है। इसका प्रवेश द्वार पूर्वी ओर है। मंदिर का शिखर बहुमंजिला है। गर्भगृह में वृहदाकार का शिवलिंग है, जो आठ फिट 4 इंच ऊँचा है और तीन फिट चार इंच घेरे वाला है। इस शिवलिंग को मृत्युंजय महादेव के नाम से जाना जाता है।त्रिरथ प्रकृति का यह मंदिर भद्र छज्जों वाला है। इसकी छत बहुमंजिली तथा पिरामिड आकार की है। कुर्सी इतनी ऊँची है कि मंदिर के आधार तक आने के लिए अनेक सीढियां चढ़नी पड़ती है। खार- पत्थर से निर्मित मंदिर के भद्रों पर सुंदर रथिकाएँ हैं और उनके ऊपरी भाग पर उद्गम है। इसका कक्षासन्न भी बड़ा है। पत्थरों को आपस में इस प्रकार रखा गया है की किसी जोड़ने वाले मैटीरियल जैसे सीमेंट या चूना आदि की आवश्यकता नहीं हुई है।मन के भटकाव को रोकने के लिए अंदर देव प्रतिमाएँ भी कम संख्या में है।अतः मंदिर प्रवेश के पश्चात ध्यान,उपासना सिर्फ शिव पर केंद्रित होता है।भक्तों को यदि कभी खाली वक्त मिलता है,तो वे मंदिर में ही समाधिस्थ होने का प्रयास करते हैं।

पचमढ़ी के घने जंगलों के बीच है 'नागलोक

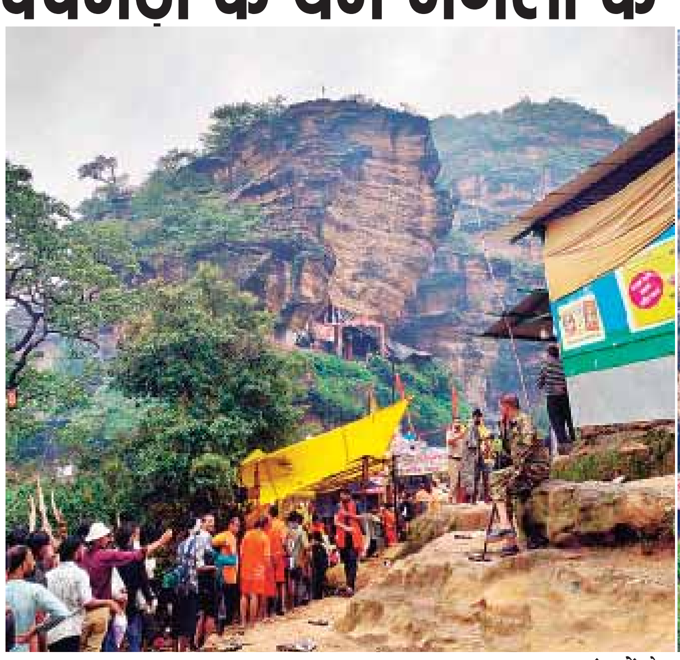

संजय जैन

जुन्नारदेव। नागपंचमी के अवसर पर यहां भव्य मेला लगता है, लेकिन इस मेले में शामिल होने का साहस बहुत कम लोग ही कर पाते हैं। कारण है यहां के घने जंगल और खतरनाक पहाड़ियां, जिनके बीच से नागद्वारी तक पहुंचना आसान नहीं है। इसके बावजूद हजारों की संख्या में भक्त यहां पहुंचते हैं। धार्मिक एवं पर्यटन नगरी पचमढ़ी में नागद्वारी मेला शुरू हो गया है। नागद्वारी की पहाड़ी यात्रा पैदल पूरी करने वाले भक्तों में युवा, महिलाएं, बुजुर्ग और बच्चे भी उत्साह से शामिल होते हैं। यदि आप एक धैर्यवान, साहसी व्यक्ति हैं और दुर्गम पहाड़ियों पर चढ़ने और उतरने का खतरा उठाने को तैयार हैं, तो आप नागराज की दुनिया के दर्शन कर सकते हैं। मध्य प्रदेश में छिंदवाड़ा जिले से लगभग 160 किमी दूर सतपुड़ा की पहाड़ियां हैं। यहां पचमढ़ी के पास घने जंगलों और बड़ी-बड़ी पहाड़ियों के बीच स्थित है नागद्वारी।

हजारों सांप है नागलोक में घने जंगलों और पहाड़ियों के बीच बसे नागद्वारी में हजारों सांप रहते हैं

अक्सर रास्ते के किनारे यात्रियों को नजर आते रहते हैं। लेकिन, लोग जरूर खौफ में रहते हैं, लेकिन सांप यात्रियों को कुछ नहीं करते। इसी प्रकार बिच्छू भी बड़ी तादाद में नजर आते रहते हैं। लेकिन, भगवान शंकर का नाम लेकर यात्री आगे बढ़ते जाते हैं।भक्तों को नुकसान नहीं पहुंचाते सांप आज से लगभग 100 वर्ष पूर्व आरंभ हुई नागद्वारी की यात्रा कश्मीर की अमरनाथ यात्रा की तरह ही अत्यंत कठिन और खतरनाक है। इसलिए इसे छोटा अमरनाथ भी कहते हैं। कई मायनों तथा परिस्थितियों में तो यह उससे भी ज्यादा खतरनाक और चुनौतीपूर्ण मानी गई है। ऊंची-नीची तथा दुर्गम पहाडि़यों के बीच बने रास्तों पर श्रद्धालुओं के लिए किसी तरह का आश्रय अथवा विराम स्थान न होने के कारण भक्तों को लगातार चलते ही रहना है। गर्मियों के मौसम को छोड़कर यहां हमेशा कोहरा बना रहता है। इस कोहरे तथा ठंड के मध्य यात्रा करने का अपना अलग ही आनंद है।

नागद्वारी की यात्रा करते समय रास्ते में आपका सामना कई जहरीले सांपों से हो सकता है, लेकिन राहत की बात है कि यह सांप भक्तों को कोई नुकसान नहीं पहुंचाते हैं। घने जंगलों के बीच है 'नागलोक'पचमढ़ी में हर साल 10 दिनों के लिए लगाने वाले नागद्वारी यात्रा मेला का आयोजन किया जाता है। ये मेला घने जंगलों के बीच लगाता है जिसे नागद्वारी मेला भी कहा जाता है। इस मेले के बारे में मप्र से ज्यादा श्रृद्वालु महाराष्ट्र और उसके आसपास के श्रद्धालु शामिल होते हैं। इस मेले की खास बात ये है नागदेव के दर्शन के लिए सतपुड़ा रिजर्व इस मेले को केवल 10 दिन के लगाने की अनुमति देता है जिसमें दस दिनो में ही करीब 10 से 12 लाख श्रद्धालु दर्शन करने पहुंचे है।नागद्वारी आने की इच्छा कम लोगों की ही पूरी होती है। मान्यता है कि नागद्वारी की यात्रा बहुत कठिन है। यह एक ऐसी यात्रा है, जिसको साहस, हौसले के बलबूते पर ही पूरा किया जा सकता है। यहां आने की इच्छा रखने वाले व्यक्ति में जोखिम उठाने का हुनर होना जरूरी है। यूं तो सालभर यहां भक्तों की भीड़ रहती है, लेकिन श्रावण मास में तो नागपंचमी के10 दिन पहले से ही कई प्रांतों के श्रद्धालु, विशेषकर महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश के भक्तों का आना प्रारंभ हो जाता है।

यहां मौजूद है नागदेवता सैकड़ों मूर्तियां नागद्वारी के अंदर चिंतामणि की गुफा है। जानकारी के मुताबिक यह गुफा 100 फीट लंबी है। इस गुफा में नागदेव की मूर्तियां विराजमान हैं। स्वर्ग द्वार चिंतामणि गुफा से लगभग आधा किमी की दूरी पर एक गुफा में स्थित है। स्वर्ग द्वार में भी नागदेव की ही मूर्तियां हैं। श्रद्धालुओं का ऐसा मानना है कि जो लोग नागद्वार जाते हैं, उनकी मांगी गई मनोकामना अवश्य पूर्ण होती है। कुछ प्रचलित कहानियां नागद्वारी यात्रा का मुख्य केन्द्र सतपुड़ा अंचल की पहाडि़यों में बसा गांव काजरी है। कहा जाता है कि गांव की काजरी नामक एक महिला ने संतान प्राप्ति के लिए नागदेव को काजल लगाने की मन्नत मानी थी। संतान होने के बाद जब वह काजल लगाने पहुंची तो नागदेव का विकराल रुप देखकर उसकी मौके पर ही मृत्यु हो गई थी, इसके बाद उस गांव का नाम काजरी पड़ा गया। बताया जाता है कि यात्रा की शुरुआत भी यहीं से होती है।

दूसरी मान्यता है कि नागद्वारी यात्रा से काल सर्प दोष दूर होता है।

नागद्वारी की पूरी यात्रा सर्पाकार पहाडि़यों से गुजरती है। पूरे रास्ते ऐसे लगता है कि जैसे यहां की चट्टाने एक दूसरे पर रखी हैं। मान्यता है कि एक बार यह यात्रा कर लेने वाले का कालसर्प दोष दूर हो जाता है। नागलोक से जुड़ी भीम की कथाएक अन्य कथा जो नागलोक से जुड़ी एक भीम की कथा भी है, उल्लेखनीय है कि भीम के पास हजारों हाथियों के बराबल बल था, कहा जाता है कि यह बल उनको नागलोक से ही मिला था, महाभारत के अनुसार भीम के इस अद्भुत बल से दुर्योधन खुश नहीं था इसलिए उसने भीम को मारने के लिए युधिष्ठिर के सामने गंगा तट पर स्नान, भोजन और खेल का प्रस्ताव रखते हुए कई प्रकार के व्यंजन तैयार करवाए। भोजन में दुर्योधन ने भीम को विषयुक्त भोजन दे दिया था, उनके बेहोश होते ही दुर्योधन ने भीम को गंगा में डुबो दिया था, मूर्छित भीम नागलोक पहुंच गए थे जहां उनको विषधर नागडंसने लगे इससे भीम के शरीर में विष का प्रभाव नष्ट होते ही वह चेतना में आ गए थे, और वह नागों में मारने लगे इसके बाद कुछ नाग भागकर आपने राजा वासुकि के पास पहुंचे, वासुकि ने पहुंचकर भीम से परिचय लिया। वासुकि नाग ने भीम को अपना अतिथि बना लिया। नागलोक में आठ ऐसे कुंड थे, जिनका जल पीने से शरीर में हजारों हाथियों का बल आ जाता था। नागराज वासुकि ने भीम को उपहार में उन आठों कुंडों का जल पिला दिया। इससे भीम गहरी नींद में चले गए। आठवें दिन जब उनकी निद्रा टूटी तो उनके शरीर में हजारों हाथियों का बल आ चुका था। भीम के विदा मांगने पर नागराज वासुकी ने उन्हें उनकी वाटिका में पहुंचा दिया।

100 करोड़ की लागत से बन रहा भव्य कॉरीडोर

बांदकपुर में जागेश्वरधाम की महिमा है निराली तेरहवें ज्योतिर्लिंग के रूप में है मान्यता

देश विदेश से श्रद्धालु पहुंचे है जागेश्वरधाम,स्वयंभू है जागेश्वरनाथ महादेव

नरेंद्र बजाज

दमोह। बुंदेलखंड के प्रसिद्ध तीर्थ स्थल श्री देव जागेश्वरनाथ धाम बांदकपुर में भगवान महादेव विराजमान हैं जिन्हे बुंदेलखंड में 13वे ज्योतिर्लिंग के रूप में भी जाना जाता है। महादेव को भूगर्भ से प्रकट हुए 312 वर्ष हो गए। भगवान जागेश्वरनाथ के दर्शन करने प्रदेश ही नहीं देश भर से श्रद्धालु पहुंचते हैं और महादेव अपने भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। परिसर में 20 मीटर लंबी पक्की सीढ़ीदार बावली, इमरती कुंड कहते है ।

यह प्राचीन कुंड है। शिव जी ने साक्षात दर्शन देकर अपने स्वयंभू होने का परिचय सन् 1711 ईस्वी में दिया था। इस इमरती कुंड का निकास मंदिर परिसर में स्थित यज्ञ मंडप की ओर है। मंदिर में आने वाले समस्त श्रद्धालु इमरती कुंड के जल से भोलेनाथ का जलाभिषेक करते हैं। जागेश्वर धाम में विराजित शिवलिंग सालों से लोगों के आश्चर्य का केंद्र बना हुआ है। यह शिवलिंग हर साल चौड़ा यानी बढ़ता जा रहा है। इसके पीछे क्या कारण है, यह अब तक अज्ञात बना हुआ है। जागेश्वरनाथ धाम बांदकपुर में भगवान शिव अनादिकाल से विराजमान हैं। इनकी ख्याति मप्र तक सीमित न रहकर संपूर्ण भारत वर्ष में है। यही कारण है कि चारों धाम की यात्रा करने वाला इस तीर्थ के दर्शन किए बिना नहीं रहता।

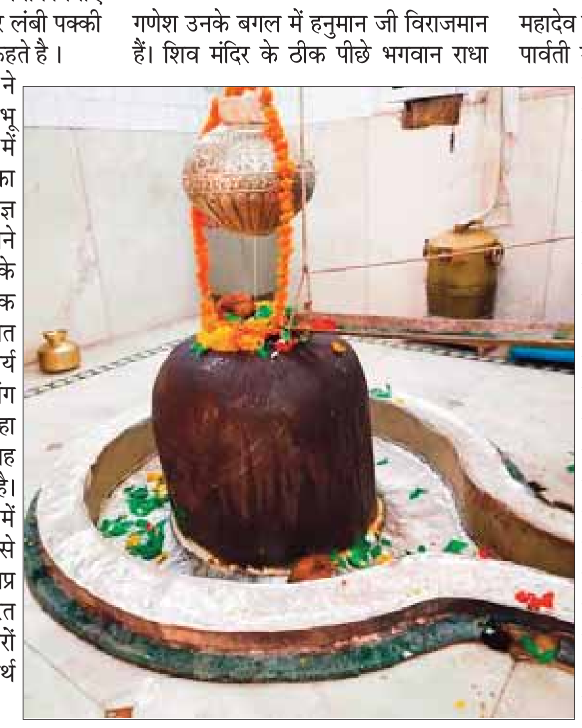

300 वर्ष पहले चांदोरकर ने कराया था निर्माण

करीब 300 वर्ष पूर्व मराठा काल यानि 1711 ईस्वी में मराठा राज्य के दीवान बालाजी राव चांदोरकर ने मंदिर का पुनःनिर्माण कराया था। ब्रिटिश लेखक आरवी रसल ने 1906 के गजेटियर (क्षेत्र विशेष का वर्णनात्मक विवरण) में उल्लेख किया है कि बालाजी राव चांदोरकर को भगवान जागेश्वर नाथ ने प्रत्यक्ष दर्शन देकर मंदिर निर्माण कराने का आदेश दिया था. तब बालाजीराव ने अपने सेवकों के साथ यहां पहुंच कर वर्तमान बावड़ी के समीप खुदाई की तो जागेश्वर नाथ का ज्योतिर्लिंग दिखाई दिया। ज्योतिर्लिंग को बाहर निकालने के लिए और भी खुदाई की गई परंतु 30 फुट खुदाई करने के बाद तक जब कहीं भी ज्योतिर्लिंग का अंत नहीं पाया तो खुदाई बंद कर दी गई। तब भगवान शिव ने बालाजी से सपने में कहा कि मैं चमत्कार दिखाने के लिए प्रकट हुआ हूं. अतः इसी स्थान पर मंदिर का निर्माण करो। तब उन्होंने विशाल मंदिर का निर्माण करवाया. जो कि कालांतर में ध्वस्त हो चुका था। तत्पश्चात 1972 में शिव मंदिर के ठीक सामने माता पार्वती के मंदिर का निर्माण किया गया। भगवान भोलेनाथ के मंदिर के ठीक सामने माता पार्वती का मंदिर विराजमान है। इसके अलावा इन दोनों मंदिरों के मध्य नंदी महाराज, सामने रूद्र, दूसरी तरफ भगवान गणेश उनके बगल में हनुमान जी विराजमान हैं। शिव मंदिर के ठीक पीछे भगवान राधा कृष्ण, दाएं हाथ पर भगवान लक्ष्मी नारायण नर्मदा जी, पार्वती मंदिर के पीछे एक तरफ भगवान राम का दरबार है। तथा दूसरी तरफ काल भैरव तथा उनके सामने मां जगदंबा विराजमान हैं। इसी तरह पार्वती मंदिर के अंदर ही भगवान भोलेनाथ घोड़े पर विराजमान हैं. जिन्हें मराठा समाज में खंडेराव देव के नाम से जाना जाता है। इस तरह परिसर में करीब नौ मंदिर बने हुए हैं. शिव मंदिर के सामने ही बाएं तरफ विशाल बावड़ी बनी है जिसे इमरती कुंड के नाम से जाना जाता है। कहा जाता है की इस कुंड का पानी कभी खाली नहीं होता. जब बालाजीराव 1711 में भगवान शिव के आदेश पर इस स्थान पर पहुंचे थे, तब उन्होंने इसी इमरती कुंड के समीप एक वृक्ष के नीचे भगवान का ध्यान लगाया था। इससे यह बात प्रमाणित होती है की इमरती कुंड भी कई सदी प्राचीन है।

हर 10 वर्ष में बदली जाती है जलहरी

जागेश्वरनाथ महादेव शिवलिंग इतना विशाल है कि श्रद्धालुओं की दोनों भुजा में समाहित नहीं हो पाता है । भगवान शिव की महिमा ऐसी है कि शिवलिंग की मोटाई बढ़ती चली जा रही है । जिसका प्रमाण है कि शिवलिंग की चांदी की जलहरी छोटी पड़ने पर हर 10 वर्ष में बदली जाती है। जागेश्वरनाथ महादेव मंदिर से सौ फीट की दूरी पर पश्चिम में पार्वती माता का मंदिर है। माता पार्वती की प्रतिमा की दृष्टि सीधे भगवान जागेश्वरनाथ महादेव पर आकर पड़ती है। शिव पार्वती के बीच में अवरोध पैदा न हो इसलिए नंदी की प्रतिमा स्थापित की गई है।आपस में मिल जाते हैं शिव-पार्वती मंदिर के झंडेमहाशिवरात्रि पर्व पर भगवान शिव और माता पार्वती का विवाह धूमधाम से संपन्न होता है । श्रावण सोमवार, बसंत पंचमी, महाशिवरात्रि पर्व पर हजारों की संख्या में कांवरिए नर्मदा जल लेकर पैदल बांदकपुर पहुंचते हैं और महादेव की पिंडी पर जल चढ़ाते हैं । प्राचीन मान्यता है कि महाशिवरात्रि पर सवा लाख कांवर चढ़ाने पर माता पार्वती और भगवान शिव के मंदिर के झंडे आपस में मिल जाते हैं और मिलकर अपने आप गांठ बंध जाती है। नर्मदा जल से होता है अभिषेकजगेश्वरनाथ महादेव को और परंपरा के चलते आज भी जागेश्वरनाथ भगवान के पट खुलते ही प्रथम जलाभिषेक नर्मदा जल से होता है। धार्मिक मान्यता है कि भगवान शिव की तपस्या मां नर्मदा ने करते हुए नर्मदेश्वर शिवलिंग की स्थापना की थी। जिससे भगवान शिव उसी शिवलिंग में लीन हो गए। इतनी पवित्रता पाकर नर्मदा प्रसन्न हो गईं। इसलिए कहा जाता है नर्मदा का हर कंकर शंकर है । नर्मदा जल के दर्शन मात्र से पुण्य का उदय होता है। इसलिए भगवान जागेश्वरनाथ का प्रथम जलाभिषेक व नित्य अभिषेक नर्मदाजल से होता है। मार्च 2019 को बांदकपुर पहुंची मप्र की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल को भी भगवान जागेश्वरनाथ महादेव को अर्पित करने के लिए जो जल पात्र में दिया गया था वह नर्मदा जल ही था।

100 करोड़ की लागत से हो रहा कोरीडोर निर्माण

बांदकपुर में उज्जैन के महाकाल लोक की तर्ज पर 100 करोड़ रुपये की लागत से कॉरिडोर बनाया जाना है। कॉरिडोर के पहले टेंडर प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। पहले 20 करोड़ की लागत से निर्माण होगा यह निर्माण कार्य पांच चरणों में पूरा किया जाएगा। इसमें कॉरिडोर के साथ व्यावसायिक दुकानें भी बनेंगी। इमरती कुंड का नया स्वरूप विकसित किया जाएगा। उज्जैन के महाकाल कॉरिडोर की तर्ज पर इस परियोजना को विकसित किया जाएगा।

रिमझिम बारिश का दौर अभी जारी रहेगा

लो प्रेशर पश्चिम उत्तरी और पश्चिम मध्य प्रदेश की ओर शिफ्ट

पश्चिमी मध्यप्रदेश और मराठवाड़ा के ऊपर हवा के कम दबाव का क्षेत्र बना हुआ है लेकिन जबलपुर और उसके आस-पास रिमझिम बारिश के ही आसार हैं । रविवार को सुबह बादल छाये और बीच-बीच में रिमझिम पानी फुहारें चलीं।

हरिभूमि जबलपुर।

मौसम विभाग की मानें तो पूर्वी मध्य प्रदेश एवं छत्तिसगढ़ के उपर बना कम दबाव का क्षेत्र उत्तर पश्चिमि मध्य प्रदेश की ओर शिफ्ट हो गया है। जिससे पूर्वी मध्य प्रदेश में छुटपुट वर्षा कार हैं, फिलहाल तेज बारिश दो दिन बाद संभव है।

बादलों की बसाहट और पानी की फुरफुराहट से तापमान में गिरावट बनी हुई है। स्थानीय मौसम विज्ञान केन्द्र से प्राप्त जानकारी के अनुसार अभी झमाझम बारिश के आसार नहीं हैं। पश्चिमी मप्र और मराठवाड़ा के ऊपर चक्रवात बना हुआ है, जिससे भोपाल, उज्जैन और इंदौर संभाग में जोरदार वर्षा के आसार बन गये हैं जबकि जबलपुर संभाग में झुटपुट वर्षा के ही आसार हैं।

मौसम कार्यालय के मुताबिक पिछले 24 घंटों के दौरान नगर का अधिकतम तापमान 29.03 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 1 डिग्री कम दर्ज किया गया। न्यूनतम तापमान 22.16 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 2 डिग्री अधिक रिकार्ड किया गया। हवा में नमी प्रातकाल 93 प्रतिशत और सायंकाल 84 प्रतिशत दर्ज की गई। पिछले 24 घंटों के दौरान 8.1 मिमी वर्षा के बाद 1 जून से आज तक कुल वर्षा का आंकड़ा 673.2 मिमी (लगभग 26.8 इंच) दर्ज किया जा चुका है। दक्षिण पश्चिमी हवाएं 4 से 5 किलोमीटर की रफ्तार से चली। सूर्योदय सुबह 5.40 बजे और सूर्यास्त शाम 6.54 बजे हुआ। गत वर्ष आज के दिन 44.8 मिमि वर्षा हुई थी। जबकि कुल वर्षा 577.8 मिमी वर्षा दर्ज की जा चुकी थी। गत वर्ष आज के दिन अधिकतम तापमान 31.02 डिग्री और न्यूनतम तापमान 24.4 डिग्री दर्ज किया गया था। अगले 24 घण्टे के दौरान संभाग के अनेक स्थानों पर गरज-चमक के साथ पानी की बौछारें पड़ सकती हैं।

बरगी डेम से जल निकासी बढ़ाई गई

नर्मदा घाटों पर 10 फीट तक जलस्तर बढ़ा

बरगी डेम से रविवार 27 जुलाई को जलस्तर नियंत्रित करने के उद्देश्य से रात 8 बजे से जल निकासी और अधिक बढ़ा दी गई है। बरगी बांध नियंत्रण कक्ष द्वारा जारी जानकारी के अनुसार, प्रातः 8 बजे डेम का जलस्तर 420.05 मीटर दर्ज किया गया, जो इसकी उपयोगी सीमा के 77.48% यानी 2464 मिलियन क्यूबिक मीटर के बराबर है।

वर्तमान में डेम में पानी की आवक तेज़ है और 4760 क्यूसेक की दर से पानी आ रहा है। मौसम विभाग द्वारा लगातार बारिश की चेतावनी के मद्देनज़र और जलग्रहण क्षेत्र में हो रही वर्षा के कारण बरगी बांध प्रबंधन ने जलस्तर को नियंत्रित करने के लिए जल निकासी को 3177 क्यूसेक से बढ़ाकर 4498 क्यूसेक करने का निर्णय लिया है। रविवार रात से बरगी डेम के 15 जल द्वार औसतन 2.16 मीटर की ऊंचाई पर खुले रहेंगे, जिससे बड़ी मात्रा में पानी नर्मदा नदी में छोड़ा जाएगा। इससे नर्मदा घाटों पर जलस्तर में 10 से 12 फीट की वृद्धि होने की संभावना है, जो निचले क्षेत्रों के लिए खतरे का संकेत है।

सहायक यंत्री, बाढ़ नियंत्रण प्रकोष्ठ बरगी डेम की ओर से जारी चेतावनी में आमजन से आग्रह किया गया है कि वे मां नर्मदा के घाटों, तटवर्ती क्षेत्रों और निचले इलाकों से दूर रहें। नदी का बहाव अत्यधिक तेज हो सकता है, जिससे स्नान, नाव विहार या किसी अन्य गतिविधि के दौरान दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ जाती है।

प्रशासन अलर्ट पर, लगातार निगरानी

बरगी डेम से जल निकासी बढ़ने के साथ ही जबलपुर, बरेला, भेड़ाघाट, ग्वारीघाट और अन्य तटीय क्षेत्रों में प्रशासन ने अलर्ट जारी कर दिया है। स्थानीय पुलिस और नगर निगम की टीमें नर्मदा घाटों की निगरानी कर रही हैं। किसी भी आपात स्थिति के लिए एनडीआरएफ और आपदा राहत दलों को सतर्क रखा गया है। जल संसाधन विभाग और डेम प्रबंधन लगातार मौसम विभाग से अपडेट प्राप्त कर रहे हैं। बारिश की तीव्रता और जल की आवक के आधार पर यदि ज़रूरत पड़ी तो आगे जल निकासी में और वृद्धि की जा सकती है।

गांजा तस्करी में लिप्त तीन आरोपी गिरफ्तार

क्राइम ब्रांच, शहपुरा और गोरखपुर की संयुक्त कार्रवाई: गांजा, स्कूटी और नगदी बरामद

हरिभूमि, जबलपुर।

पुलिस कप्तान सम्पत उपाध्याय के निर्देश पर जिले में मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। क्राइम ब्रांच, थाना शहपुरा एवं थाना गोरखपुर की संयुक्त कार्रवाई में तीन आरोपियों को

गिरफ्तार कर उनके कब्जे से कुल 6 किलो 880 ग्राम अवैध गांजा, एक बिना नंबर की स्कूटी और 110 नगद जब्त किए गए। टीआई शहपुरा प्रभारी प्रवीण कुमार धुर्वे ने बताया कि क्राइम ब्रांच को विश्वसनीय मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम कैंथरा परछिया निवासी 58 वर्षीय नन्हे भाई चौधरी उर्फ करिया अपने घर में गांजा बेचने के लिए रखे हुए है। सूचना के आधार पर क्राइम ब्रांच और थाना शहपुरा की संयुक्त टीम ने दबिश दी और आरोपी को चार किलो 60 ग्राम गांजा कीमत 81 हजार के साथ रंगे हाथ पकड़ा। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20 के तहत मामला दर्ज कर पूछताछ की जा रही है।

इधर, थाना गोरखपुर पुलिस ने गश्त के दौरान नया शीलाकुंज पहाड़ी क्षेत्र में एक संदिग्ध युवक को पकड़ा, जिसकी पहचान 22 वर्षीय युवराज उर्फ राज अहिरवार निवासी सिंधी कैम्प हनुमानताल के रूप में हुई। तलाशी लेने पर उसके पास से एक किलो 540 ग्राम गांजा और 110 नगद बरामद हुए। पूछताछ में उसने बताया कि उसने यह गांजा असरफ उर्फ कंजा से बिक्री के लिए लिया था।

स्कूटी में कर रहा था तस्करी

इसके अतिरिक्त गश्त के दौरान ही पुलिस ने एक बिना नंबर की एक्सिस स्कूटी सवार को रोककर जांच की। चालक 24 वर्षीय असरफ अंसारी निवासी टेढ़ी नीम हनुमानताल की स्कूटी से एक किलो 280 ग्राम गांजा जब्त किया गया।

दर्ज हुई अलग-अलग प्रकरण

तीनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रथक-प्रथक प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया गया है। कार्रवाई में थाना शहपुरा, गोरखपुर, क्राइम ब्रांच, साइबर सेल और डीएसबी की टीमें शामिल रहीं।

सुबह से शाम तक चला इंजीनियरों का ध्यानाकर्षण धरना प्रदर्शन

प्रदेश भर में विद्युत अभियंताओं ने किया धरना प्रदर्शन

हरिभूमि जबलपुर।

पदोन्नति सहित अन्य मांगों को लेकर विद्युत इंजीनियरों द्वारा मध्य प्रदेश विद्युत मंडल पत्रोपाधी अभियंता संघ द्वारा प्रदेश भर में ध्यानाकर्षण धरना प्रदर्शन का आयोजन कर मुख्यमंत्री व उर्जा मंत्री के नाम ज्ञापन स्थानीय अधिकारियों को सौंपे गये। सुबह 10 से शाम 4 बजे तक प्रदेश भर में यह धरना प्रदर्शन चलता रहा। जबलपुर में बिजली कंपनियों के मुख्यालय शक्तिभवन के गेट के समक्ष यह प्रदर्शन किया गया। पत्रोपाधी अभियंता संघ के महासचिव इंजीनियर जीके वैष्णव ने बताय की मध्य प्रदेश विद्युत मंडल की सेवाओं में 30 से 35 वर्ष की सेवा होने के बाद भी जूनियर इंजीनियरों को एक भी पदोन्नती नहीं दी जा रही है। वहीं दूसरी ओर सहायक यंत्री के पद पर नियुक्त अभियंताओं को सेवाकाल में चार पदोन्नति देकर कार्यपालक निदेशक बनाया जा रहा है। इस असमानता को तत्काल दूर करने के लिये वरिष्ठ जेई को कार्यपालन यंत्री बनाया जाए। सहायक यंत्री का एंट्री का लेवल समाप्त कर सहायक यंत्री के पदों को शत प्रतिशत पदोन्नति से भरा जाए।

उन्होंने आगे बताया की पूर्व से कार्यरत कनिष्ठ यंत्रियों को अधिक्षण यंत्री के पद पर 40 प्रतिशत कोटो आरक्षित कर प्रथक पदोन्नती प्रणाली बनाई जाए। मुख्यमंत्री द्वारा राज्य शासन के कर्मियों को 35 वर्ष पूर्ण करने पर चतुर्थ उच्च वेतनमान दिया जा रहा है। जबकी बिजली कंपनियों द्वारा स्वयं के नियम बनाकर कंडिका द्वारा की शर्त लिखे जाने से तृतीय उच्च वेतन मान के बाद 5 वर्ष पूर्ण होने की शर्त लिखे जाने से 35 वर्ष से अधिक की सेवा होने के बाद भी मात्र 50-60 जूनियर इंजीनियरों को चतुर्थ उच्च वेतनमान का लाभ नहीं मिल पा रहा है। लिहाजा कंडिका 11 को विलोपित किये जाने की मांग की गई है।

इसी प्रकार बिजली कर्मियों के द्वार सविदा को समान कार्य करने के बाद भी नियमित कनिष्ठ यंत्री नहीं बनाया जा रहा है। उन्हें नियमित भरी में 50 प्रतिश का लाभ देकर नियुक्तियां देने की मांग की गई है।

बिजली कंपनियों द्वारा वर्ष 2018 के बाद नई भर्तियों में जूनियर इंजीनियरों का वेतनमान एवं ग्रेड पे कम कर दिया गया है। इसे बढ़ाकर 41 सौ किया जाए। प्रदर्शन में सबसे अधिक आपत्ति इस बात पर जताई गई की बिजली कंपिनयों में कार्यरत कनिष्ठ, सहायक यंत्रियों के विरुध्द पुलिस विभाग द्वारा बिना जांच कर धारा 304-ए के बाद बीएनएस की धारा 106 के तहत एफआईआर दर्ज की जा रही है। जबकी बिजली कंपनियों द्वारा न तो मेंटीनेंस मटेरियल दिया जा रहा है, न तकनीकी स्टाफ उपलब्ध कराया जा रहा है।

लिहाजा नामजद एफआईआर के बजाये पदनाम पर एफआईआर की जाए। इन्हीं सब मांगों को लेकर इंदौर में जीके वैष्णव, भोपाल में केके आर्या, जबलपुर में डीके चतुर्वेदी तथा अशोक जैन इंजीनियर के नेतृत्व ध्यान आकर्षण प्रदर्शन किया गया। इस प्रदर्शन में अनिल व्यास इंदौर, एमएम पांडे रीवा, आरके अरजरिया सागर, वीपी सिंह सागर, बीके गुप्ता शहडोल, सतेन्द्र सिंह मलिक भोपाल, जीतेन्द्र वर्मा जबलपुर ने प्रदर्शन सभा को संबोधित किया। इस अवसर पर युवा इंजीनिय भास्कर घोस इंदौर, अमर सिंह सोलंकी इंदौर, कमलेश टाले इंदौर, सत्यजीत कुमार उज्जैन, शशिरंजन उज्जैन, सौरभ सिंह भदोरिया ग्वालियर, नृपेन्द्र सिंह जबलपुर, योगेश दरवाइ खंडवा, रीतेश झारिया खंडवा आदि इंजीनियरों ने भी अपने अपने जिलों में सभा संबोधित की।

हाईकोर्ट ने नोटिस जारी कर जवाब मांगा

गोरखपुर सीएसपी एचआर पांडे पर पैसे लेकर जमीन का कब्जा भूमाफिया को दिलाने का आरोप

हरिभूमि जबलपुर।

मप्र हाईकोर्ट में याचिका दायर कर एक महिला ने आरोप लगाया है कि गोरखपुर संभाग के सीएसपी एचआर पांडे ने पैसे लेकन उसकी जमीन का कब्जा भूमाफिया को दिलया है। प्रारंभिक सुनवाई के बाद जस्टिस विशाल मिश्रा की सिंगल बेंच ने गृह सचिव, डीजीपी सहित अन्य को नोटिस जारी कर जवाब पेश करने के निर्देश दिए।

ग्वारीघाट रोड स्थित नर्मदा नगर में रहने वाली रत्न प्रभा लाम्बा की ओर से अधिवक्ता केके पांडे, कौशलेश पांडे व सिद्धार्थ पांडे ने पक्ष रखा। उन्होंने बताया कि याचिकाकर्ता की 10.807 एकड़ भूमि पर उसका वैध कब्जा था। पूर्व में महेन्द्र सिंह गुर्जर ने एमपी भू-राजस्व संहिता की धारा 250 के तहत मामला दायर किया था, जो खारिज हो गया। इसके बावजूद इस जानकारी को छिपाकर एक याचिका हाईकोर्ट में दायर की गई, जिस पर 28 अगस्त

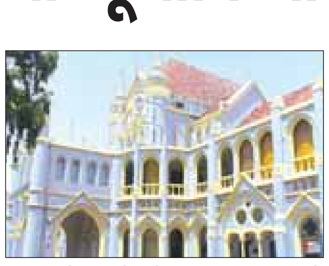

2024 को हाईकोर्ट ने पुलिस अधीक्षक को जांच के निर्देश दिए थे। याचिकाकर्ता का आरोप है कि सीएसपी ने महेन्द्र सिंह गुर्जर को कब्जा दिलवा दिया। याचिकाकर्ता की शिकायत पर एसपी ने एएसपी से जांच कराई, जिसमें स्पष्ट हुआ कि सीएसपी ने बिना किसी वैधानिक आदेश के पुलिस बल इकट्ठा किया और याचिकाकर्ता की जमीन पर जबरन कब्जा दिलाया। याचिका में आरोप है कि महेन्द्र सिंह गुर्जर को पहले ही प्रशासन ने भूमाफिया घोषित किया है और उसके खिलाफ ईओडब्ल्यू ने धोखाधड़ी की एफआईआर दर्ज की, साथ ही कई मामले अलग-अलग अदालतों में भी लंबित हैं।

हाईकोर्ट ने अर्जी की खारिज

धान घोटाले के तीन आरोपियों को जमानत नहीं

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने करोड़ों रुपए के बहुचर्चित धान घोटाले के तीन आरोपियों को जमानत देने से इनकार कर दिया। जस्टिस पीके अग्रवाल की सिंगल बेंच ने कहा कि इस घोटाले में सार्वजनिक धन का गबन किया गया है। इससे सरकार के खजाने को बहुत नुकसान हुआ है। इतना ही नहीं आरोपियों ने फर्जीवाड़ा करते हुए सरकार को गुमराह करने की कोशिश भी की है। ट्रक चालान में भारी अनियमितताएं हुई हैं। जबलपुर निवासी मनीष कुमार घनघोरिया, जेठूलाल झारिया और गंधर्व सिंह ने जमानत अर्जी दायर की थी। तीनों के खिलाफ अलग-अलग पुलिस थानों में प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है। तीनों आरोपी फिलहाल जेल में बंद हैं। दलील दी गई कि आरोपियों की सुरक्षा निधि सरकार के पास जमा है। पुलिस ने चालान पेश कर दिया है। ट्रायल में समय लगेगा, इसलिए जमानत का लाभ दिया जाए। वहीं शासन की ओर से शासकीय अधिवक्ता सीएम तिवारी ने जमानत का विरोध किया। उन्होंने बताया कि यह बड़ा घोटाला है। इसमें सरकार को करोड़ों रुपए की हानि हुई है। जांच रिपोर्ट में गबन और अनियमितताएं सामने आई हैं। यदि जमानत दी गई तो साक्ष्य प्रभावित हो सकते हैं।

हाईकोर्ट का निर्देश

अनुकंपा नियुक्ति में पात्रता परीक्षा की अनिवार्यता से छूट

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने एक मामले में हुए कहा कि नियमानुसार अनुकंपा नियुक्ति में पात्रता परीक्षा की अनिवार्यता की छूट है। इस मत के साथ जस्टिस विवेक अग्रवाल व जस्टिस विवेक जैन की खंडपीठ ने पूर्व में दिए एकलपीठ के उस निर्णय को सही करार दिया जिसमें याचिकाकर्ता को अनुकंपा नियुक्ति देने कहा गया था। कोर्ट ने सरकार पर 10 हजार रुपए की कॉस्ट भी लगाई। राशि याचिकाकर्ता के खाते में जमा कराने के निर्देश दिए गए। सतना निवासी साक्षी परिहार की ओर से अधिवक्ता बृजेंद्र मिश्रा ने पक्ष रखा। उन्होंने बताया कि याचिकाकर्ता के पिता सहायक शिक्षक के पद पर पदस्थ थे। वर्ष 2015 में उनकी मृत्यु हो गई। याचिकाकर्ता ने अनुकंपा नियुक्ति के लिए आवेदन किया। विभाग द्वारा आवेदन निरस्त करने पर हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई। हाईकोर्ट ने जुलाई 2024 में याचिका स्वीकार करते हुए विभाग को अनुकंपा नियुक्ति देने कहा। इस पर सरकार ने हाईकोर्ट में अपील पेश कर दी।

323 वारंट तामील, नशा तस्करों की हुई गिरफ्तारी

शहरभर में कांबिंग गश्त, फरार आरोपियों को दबोचा और नशा तस्करों पर कसा शिकंजा

हरिभूमि, जबलपुर।

पुलिस कप्तान सम्पत उपाध्याय के नेतृत्व में शनिवार रात विशेष कांबिंग गश्त अभियान चलाया गया। इस दौरान जिले के विभिन्न थानों की टीमों ने समन्वय से कार्य करते हुए 323 वारंट तामील किए, जिनमें 103 गैर म्यादी, 119 गिरफ्तारी व 101 जमानतीय वारंट शामिल हैं। अभियान के दौरान ऐसे अपराधियों को पकड़ा गया जो लंबे समय से पुलिस को चकमा देकर फरार चल रहे थे। अब उन्हें गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में पेश किया गया है।

नशे के खिलाफ कड़ा एक्शन

कॉम्बिंग गश्त के दौरान चार नशा कारोबारियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 6 किलो 880 ग्राम गांजा (अनुमानित कीमत 1.37 लाख), 10 नशीले इंजेक्शन और 2810 की नगदी जब्त की गई।

रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड में निगरानी

अभियान की कमान एएसपी सिटी/क्राइम आनंद कलादगी, अंजना तिवारी, सूर्यकांत शर्मा, पल्लवी शुक्ला सहित थाना प्रभारियों और एसडीओपी ने संभाली। रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, मुसाफिरखाना जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में संदिग्धों की पहचान कर चेकिंग की गई।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक–डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240